{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 05 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 190
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

लेफ्ट और कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा देते हैं - नरेंद्र मोदी

तिरुवल्ला । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुवल्ला में एनडीए की रैली में कहा कि एलडीएफ सरकार की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है. केरल में बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए सत्ता में आयेगा. मोदी ने कहा कि लेफ्ट और कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति के लिए कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा देते हैं. उन्होंने कहा कि केरल में मुनंबम जैसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जहां हिंदू और ईसाई परिवारों को डराया गया. उन्होंने भरोसा जताया कि केरल के देशभक्त लोग इस तरह की कोशिशों को कभी सफल नहीं होने देंगे और इसका जवाब जरूर देंगे. पीएम मोदी ने दावा किया कि 9 अप्रैल को मतदान के बाद 4 मई को एनडीए गठबंधन केरल में सरकार बनाएगा। उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत 卐जय केरलम, जय विकासिता केरलम卐 के नारे के साथ की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार केरल में माहौल बदला हुआ है और राज्य एक ऐतिहासिक परिवर्तन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एनडीए को महिलाओं और आम जनता का व्यापक समर्थन मिल रहा है। पीएम मोदी ने एनडीए उम्मीदवार अनूप की सराहना करते हुए उन्हें समर्पित और मेहनती नेता बताया। उन्होंने कहा कि अनूप पिछले पांच वर्षों से उनके साथ काम कर रहे हैं और अब केरल की सेवा के लिए तैयार हैं।

नरेंद्र मोदी ने एलडीएफ और यूडीएफ पर हमला बोलते हुए कहा कि दोनों गठबंधनों ने लंबे समय तक केरल की उपेक्षा की है। उन्होंने खराब सड़कों, पुलों की कमी और मेडिकल सुविधाओं की स्थिति को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के कार्यकाल में केरल को पहले की तुलना में पांच गुना अधिक धनराशि मिली है, जिससे राज्य के विकास को गति मिली है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए की नीतियों से महिलाओं को सबसे अधिक लाभ हुआ है। शौचालय निर्माण, बैंक खाते, आवास और मुद्रा योजना के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाया गया है। उन्होंन 'लखपति दीदी' योजना का जिक्र करते हुए बताया कि 3 करोड़ महिलाओं को इसका लाभ मिल चुका है और 3 करोड़ और बनाने का लक्ष्य है।

33 प्रतिशत बहनें संसद में पहुंचें और जनप्रतिनिधि बनें, इसके लिए कानूनी प्रावधान जरूरी है - पीएम मोदी

पीएम मोदी ने महिला आरक्षण को लेकर सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का फैसला उनकी ही सरकार ने किया है। उन्होंने बताया कि इसी मकसद से बजट सत्र को पूरा करने के बजाय उसका विस्तार किया गया है और संसद 16, 17 और 18 अप्रैल को तीन दिनों के लिए फिर से बैठेगी। इस विशेष सत्र का मकसद महिला आरक्षण से जुड़े कानूनों को लेकर जरूरी प्रक्रिया पूरी करना है, ताकि इसका लाभ तय समय पर मिल सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए कानून बनाया गया है, ताकि साल 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव से इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए। उनका कहना था कि 33 प्रतिशत बहनें संसद में पहुंचें और जनप्रतिनिधि बनें, इसके लिए कानूनी प्रावधान जरूरी है। इसी वजह से संसद का विशेष सत्र बुलाया जा रहा है, ताकि महिला आरक्षण से जुड़े कानूनों को आगे बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केरल, तमिलनाडु और अन्य दक्षिणी राज्यों के साथ किसी तरह का अन्याय नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह झूठ फैला रहे हैं कि जनसंख्या नियंत्रण में बेहतर काम करने वाले राज्यों की लोकसभा सीटें कम हो जाएंगी।

बाल-बाल बची ममता बनर्जी !

हेलीकॉप्टर के सामने अचानक मंडराने लगा ड्रोन, मचा हडकंप

मालदा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के हेलीकॉप्टर के पास एक रहस्यमय ड्रोन दिखने से शनिवार को मालदा जिले के मालतीपुर इलाके में हडकंप मच गया। इस अजीबोगरीब घटना ने मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और तत्काल जांच के आदेश दिए गए हैं। यह घटना उस समय हुई जब ममता बनर्जी मालतीपुर में अपनी जनसभा को संबोधित करने के बाद हेलीकॉप्टर में सवार होने जा रही थीं। यह उस दिन जिले में उनकी दूसरी रैली थी। इससे पहले उन्होंने माणिकचक में एक सभा को संबोधित किया था और इसके बाद उन्हें गाजोल में तीसरी रैली के लिए रवाना होना था।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही मुख्यमंत्री हेलिपैड पर हेलीकॉप्टर के पास पहुंचीं, एक ड्रोन उसके सामने मंडराता हुआ दिखाई दिया। इसे देखते ही ममता बनर्जी कुछ पल के लिए रुक गईं और माइक संभालते हुए पुलिस को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को इस पर नजर रखनी चाहिए। इसके पीछे जो लोग हैं, उनकी पहचान की जानी चाहिए। फिलहाल इस ड्रोन का स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हो सका है। अधिकारियों ने भी यह पुष्टि नहीं की है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में यह ड्रोन कैसे पहुंचा। घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मामले की जांच में जुट गई हैं।

70 मिनट तक चक्कर लगाता रहा हेलीकॉप्टर

गौरतलब है कि हाल के दिनों में मुख्यमंत्री की हवाई यात्रा के दौरान कई बाधाएं सामने आई हैं। 26 मार्च को खराब मौसम के कारण उनका विमान समय पर कोलकाता हवाई अड्डा पर नहीं उतर सका था और करीब 70 मिनट तक शहर के ऊपर चक्कर लगाता रहा। इस दौरान बेहाला फ्लाइंग क्लब में भी लैंडिंग की कोशिशें असफल रहीं, जिसके बाद अंततः विमान दमदम हवाई अड्डे पर उतरा। इस घटना के बाद ममता बनर्जी ने पायलटों की सराहना की थी।

खास खबर

नासिक में कुएं में कार गिरी, 9 मौतें

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लडका) के रूप में हुई है। अधिकारी ने कहा कि वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि ड्राइवर को कुआं कैसे नहीं दिखा।

नए अकेडमिक सेशन से साइंस और मैथ्स की पढ़ाई में बदलाव

नई दिल्ली। नए अकेडमिक सेशन से साइंस और मैथ्स की पढ़ाई में बदलाव होने वाला है. ये बदलाव सिर्फ 9वीं क्लास में होगा. मैथ्स और साइंस की पढ़ाई दो स्तर में होगी. सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने 2026-27 सत्र से कक्षा 9 के पाठ्यक्रम में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है. नए करिकुलम के तहत अब छात्रों को मैथ्स और साइंस दो स्तर (लेवल) पर पढ़ने का ऑप्शन मिलेगा। नए नियम के अनुसार, सभी छात्रों को मैथ्स और साइंस का एक कॉमन (स्टैंडर्ड) सिलेबस पढ़ना होगा और इसके लिए 80 अंकों की परीक्षा देनी होगी. इसके अलावा, जो छात्र इन विषयों को गहराई से पढ़ना चाहते हैं, वे एडवांस्ड लेवल भी चुन सकते हैं।

ट्रंप ने दवाओं पर लगाया 100 प्रतिशत टैरिफ, भारत पर नहीं पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्रांडेड दवाओं और उनके घटकों (इनग्रेडिएंट्स) पर 100 फीसदी आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने के फैसले ने वैश्विक बाजार में हलचल मचा दी है। ईरान के साथ बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच ट्रंप के इस कड़े आर्थिक कदम को टैरिफ मिसाइल के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि, भारतीय दवा उद्योग के लिए राहत की खबर यह है कि इस भारी-भरकम टैक्स का भारत पर कोई सीधा प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस नीति का असर केवल उन कंपनियों और देशों पर होगा जो ब्रांडेड दवाओं का निर्माण, खरीद और बिक्री करते हैं।

कुछ ना कहना

सीबीएसई के नए पाठ्यक्रम पर विवाद, सीएम स्टालिन ने कहा-

गैर-हिंदी राज्यों पर भाषा थोपने की कोशिश

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सीबीएसई के नए पाठ्यक्रम ढांचे की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे भाषाई थोपने की सुनियोजित कोशिश बताते हुए आरोप लगाया कि यह नीति हिंदी को बढ़ावा देती है और क्षेत्रीय भाषाओं को कमजोर करती है।

गैर-हिंदी भाषी राज्यों के साथ भेदभाव का आरोप

स्टालिन ने कहा कि यह ढांचा संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाता है, गैर-हिंदी भाषी राज्यों के साथ भेदभाव करता है और छात्रों व शिक्षकों पर अतिरिक्त बोझ डालता है। उन्होंने केंद्र सरकार से भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करने और राज्यों के अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। दरअसल, सीबीएसी 2026-27 शैक्षणिक सत्र से चरणबद्ध तरीके से तीन-भाषा नीति लागू करने जा रहा है, जिसकी शुरुआत कक्षा 6 से होगी। इस नीति के तहत छात्रों को एक अतिरिक्त भाषा सीखनी होगी और तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी।

तीन-भाषा फॉर्मूले पर क्या बोले?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने विस्तृत

पोस्ट में स्टालिन ने कहा कि यह कोई साधारण शैक्षणिक सुधार नहीं है, बल्कि एक चिंताजनक और सुनियोजित प्रयास है, जो हमारी पुरानी आशंकाओं को सही साबित करता है। भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के नाम पर एनडीए सरकार एक केंद्रीकृत एजेंडा चला रही है, जो हिंदी को बढ़ावा देता है और देश की समृद्ध भाषाई विरासत को व्यवस्थित रूप से हाशिये पर डालता है। उन्होंने तीन-भाषा फॉर्मूले को हिंदी को गैर-हिंदी राज्यों में विस्तार देने का एक छिपा हुआ तंत्र बताया और कहा कि यह नीति संरचनात्मक रूप से हिंदी भाषी छात्रों को लाभ पहुंचाती है, जिससे निष्पक्षता, संघवाद और क्षेत्रीय समानता प्रभावित होती है। स्टालिन ने सवाल उठाया कि दक्षिणी राज्यों के छात्रों के लिए यह नीति व्यवहार में हिंदी को अनिवार्य बना देती है, लेकिन क्या हिंदी भाषी राज्यों में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम या यहां तक कि बंगाली और मराठी सीखना अनिवार्य किया जाएगा? उन्होंने कहा कि इस तरह की पारस्परिकता का अभाव इस नीति की एकतरफा और भेदभावपूर्ण प्रकृति को उजागर करता है।

गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: अदालतों में एआई के इस्तेमाल पर सख्त रोक

न्यायिक फैसलों में एआई का उपयोग प्रतिबंधित, केवल रिसर्च, अनुवाद और प्रशासनिक कार्यों तक सीमित

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य की सभी अदालतों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण और सख्त नीति लागू की है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्री विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार अब किसी भी अदालत में निर्णय, सबूतों का मूल्यांकन या न्यायिक निष्कर्ष निकालने जैसी मुख्य प्रक्रियाओं में एआई का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता और सटीकता को बनाए रखना है। हाल ही में कुछ मामलों में यह देखा गया था कि फैसले लिखने में एआई का उपयोग किया जा रहा था, जिससे गंभीर त्रुटियों और पक्षपात की आशंका बढ़ सकती है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि एआई द्वारा गलत या भेदभावपूर्ण परिणाम आने का जोखिम न्याय व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है, इसलिए इस पर कड़ा कदम उठाया गया है। यह प्रतिबंध न्यायिक अधिकारियों सहित अदालत से जुड़े सभी कर्मचारियों पर लागू होगा। हालांकि, एआई के उपयोग पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई गई है। अदालतों में इसे सीमित रूप से उपयोग करने की अनुमति दी गई है। एआई का इस्तेमाल केवल रिसर्च, अनुवाद और प्रशासनिक कार्यों के लिए किया जा सकेगा। इसका मतलब है कि एआई दस्तावेजों के विश्लेषण, भाषा अनुवाद और अन्य सहायक कार्यों में मदद कर सकता है, लेकिन न्यायिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में इसकी कोई भूमिका नहीं होगी। इस कदम के जरिए हाईकोर्ट ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि न्यायिक कार्यों में मानवीय विवेक, अनुभव और संवेदनशीलता बनी रहे।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया बड़ा दावा

2026 में गिर जाएगी मोदी सरकार, हम करेंगे दिल्ली को टारगेट

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। बीजेपी और टीएमसी के बीच मुख्य मुकाबला माना जा रहा है। इस बीच बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा दावा किया है। ममता बनर्जी ने कहा है कि मोदी सरकार 2026 में गिर जाएगी। ममता बनर्जी ने बीजेपी को चेतावनी देते हुए कहा कि वह बंगाल को टारगेट कर रहे हैं, हम दिल्ली को टारगेट करेंगे, आने वाले दिनों के लिए तैयार रहिए।

ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि मालदा जिले के मोथाबारी में हिंसा और न्यायिक अधिकारियों के घेराव के पीछे के असली गुनहगार भाग गए हैं, जबकि एनआईए बेगुनाह स्थानीय लोगों को पकडक़र परेशान कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे एसआईआर के बाद 'अंडर एडजुडिकेशन' मामलों की जांच कर रहे न्यायिक अधिकारियों के पास न जाएं, बल्कि वोटर लिस्ट से गलती से हटाए गए लोगों के नाम फिर से शामिल करने के लिए ट्रिब्यूनल में एप्लीकेशन दें। ममता बनर्जी ने आईएसएफ और एआईएमआईएम का जिक्र करते हुए कहा कि दो सांप्रदायिक पार्टियों ने जजों का घेराव किया और भाग गईं। अब एनआईए स्थानीय युवाओं को परेशान कर रही है। उन्होंने जांच के नाम पर करीब 50 बेगुनाह लोगों को उठाया है। ममता बनर्जी ने स्टेज पर मौजूद पार्टी के लोकल नेताओं को कहा, हमारी पार्टी की पॉलिटिकल रैलियां और मीटिंग करने की कोई जरूरत नहीं है। मेरी प्राथमिकता इन लोगों की मदद करना है ताकि वे वोटर लिस्ट से गलत तरीके से हटाए गए नामों को शामिल करने के लिए ट्रिब्यूनल में अप्लाई कर सकें। किसी भी उकसावे में न आएं। भाजपा हिंसा भडक़ाना चाहती है और फिर सेंट्रल एजेंसियों का इस्तेमाल करके लोगों को उठाना चाहती है, जैसा उन्होंने मोथाबारी में किया था।

कर्मचारी के नौकरी छोड़ने या निकाले जाने पर 2 दिन में पूरा फुल एंड फाइनल सेटलमेंट

-1 अप्रैल 2026 से लागू नए लेबर नियमों में कर्मचारियों को राहत

नई दिल्ली। 1 अप्रैल 2026 से लागू नए लेबर नियमों में कर्मचारियों के लिए एक बड़ा और राहत देने वाला बदलाव किया गया है। श्रम कानून, 2019 के तहत अब कंपनियों को कर्मचारियों का फुल एंड फाइनल (एफएनएफ) सेटलमेंट सिर्फ 2 कार्य दिवसों के भीतर करना होगा। पहले कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने या निकाले जाने के बाद अपने बकाया भुगतान के लिए 30 से 90 दिनों तक इंतजार करना पड़ता था, जिससे जॉब छोड़ चुके कर्मचारी की आर्थिक परेशानियां बढ़ जाती थीं।

लेकिन अब नए नियम के अनुसार, यदि कोई कर्मचारी इस्तीफा देता है, या फिर कर्मचारी को नौकरी से निकाला जाता है या कंपनी बंद होती है, तब ऐसी सभी स्थितियों में कंपनी को 2 कार्य दिवसों के भीतर पूरा भुगतान करना होगा। हालांकि, कुछ विशेष परिस्थितियों में यह समय सीमा 1 महीने तक बढ़ सकती है।

फुल एंड फाइनल सेटलमेंट (एफएनएफ) का मतलब है कि कर्मचारी के नौकरी समाप्त होने पर उससे मिलने वाले सभी बकाया पैसों का पूरा हिसाब और भुगतान करना। इसमें केवल अंतिम सैलरी ही नहीं, बल्कि कई अन्य वित्तीय तत्व भी शामिल होते हैं। उदाहरण के तौर पर, कर्मचारी को उसके आखिरी महीने की सैलरी (वर्किंग दिनों के आधार पर), बची हुई छुट्टियों का पैसा (लीव एनकैशमेंट), परफॉर्मेंस के आधार पर मिलने वाले बोनस या इंसेंटिव, और ऑफिस से जुड़े खर्चों जैसे यात्रा या अन्य रिइम्बर्समेंट का भुगतान किया जाता है।

इसके साथ ही, कुछ कटौतियां भी लागू हो सकती हैं, जैसे टैक्स, एडवांस सैलरी, कंपनी से लिया गया लोन या यदि कर्मचारी ने कंपनी की कोई संपत्ति वापस नहीं की हो। नए लेबर कोड में ग्रेच्युटी को लेकर भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। पहले ग्रेच्युटी का लाभ पाने के लिए कम से कम 5 साल की सेवा जरूरी थी, लेकिन अब यह सीमा घटाकर सिर्फ 1 साल कर दी गई है। यानी कर्मचारी को एक साल की नौकरी पूरी करने के बाद भी ग्रेच्युटी मिल सकेगी। साथ ही, कंपनी को यह भुगतान 30 दिनों के भीतर करना होगा।

राहुल गांधी का एलडीएफ पर जुबानी हमला...

4 मई के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा

अलाप्पुझा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाकर कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। अलाप्पुझा में जनसभा को संबोधित कर राहुल गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, कांग्रेस ने उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ाई लड़ते रहने वाले है। लेकिन कई सालों तक वे कुछ इसतरह के विचारों के लिए खड़े रहे जिससे हम सहमत नहीं थे।

राहुल गांधी ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं, तब वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकार जनता पर हमला करती है।

उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकर्ताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति के दम पर चल रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है।

राहुल गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताकर कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वाम मोर्चे के अधिकांश नेता अवसरवादी हैं। यह समझिए- कुछ अवसरवादी नेता सत्ता में आने के लिए कुछ भी कर सकते है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि भाजपा या आरएसएस उनकी मदद कर रहे हैं। उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। वहीं, कुछ नेता किसी विचारधारा में विश्वास रखते हैं।

बारामती में निर्विरोध चुनाव के पक्ष में सुनेत्रा....उद्धव ठाकरे को लगाया फोन

शरद गुट नहीं उतारेगा प्रत्याशी, लेकिन कांग्रेस उतारने की तैयारी में

बारामती। बारामती उपचुनाव से पहले महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। सूत्रों के अनुसार, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने हाल ही में उद्धव ठाकरे से आगामी चुनाव के संबंध में बात की। यह बातचीत तब हुई है जब कई पार्टियां इस पर चर्चा कर रही हैं कि क्या चुनाव निर्विरोध कराया जाना चाहिए। खबरों के मुताबिक, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत गुट) और सत्ताधारी गठबंधन के नेता बारामती में निड्डर्विरोध चुनाव के पक्ष में हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) ने भी इस तरह का रुख दिखाकर कहा है कि वह पवार परिवार के किसी सदस्य के खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारेगी। बारामती को लंबे समय से पवार परिवार का गढ़ रहा है। हालाँकि, स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। अगर सहयोगी दल चुनाव नहीं लड़ते हैं,तब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रही है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने संकेत दिया है कि पार्टी विकल्पों पर विचार कर रही है और चुनाव में उतर सकती है। बता दें कि पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के इस साल की शुरुआत में विमान दुर्घटना में दुखद निधन के बाद उपचुनाव आवश्यक हो गया है। सुनेत्रा पवार के इस सीट से चुनाव लड़ने की उम्मीद है और उन्हें अपने वर्तमान पद पर बने रहने के लिए छह महीने के भीतर चुनाव जीतना होगा। अजित पवार के निधन के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाली सुनेत्रा पवार को राज्य उत्पाद शुल्क, खेल एवं युवा कल्याण, अल्पसंख्यक मामलों और वक्फ जैसे विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अजित पवार के निधन के बाद सीट खाली

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के इस साल की शुरुआत में विमान दुर्घटना में दुखद निधन के बाद उपचुनाव आवश्यक हो गया है। सुनेत्रा पवार के इस सीट से चुनाव लड़ने की उम्मीद है और उन्हें अपने वर्तमान पद पर बने रहने के लिए छह महीने के भीतर चुनाव जीतना होगा। अजित पवार के निधन के बाद उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाली सुनेत्रा पवार को राज्य उत्पाद शुल्क, खेल एवं युवा कल्याण, अल्पसंख्यक मामलों और वक्फ जैसे विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सम्राट अशोक बुद्ध विहार का लोकार्पण व सम्यक सम्बुद्ध की प्रतिमा का हुआ अनावरण

एक शाम बाबा साहब व संविधान के नाम कार्यक्रम में उमड़ी भीड़, कव्वाल फैजान ताज की प्रस्तुति पर झूमे श्रोता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सम्राट अशोक बुद्ध विहार समिति सीताखोह के तत्वावधान में,कटंगी के ग्राम सीताखोह में देवनाम प्रिय सम्राट अशोक की जयंती एवं परम पूज्य डा. बाबा साहब अंबेडकर के द्वारा स्थापित समता सैनिक दल के 100वें वर्षगांठ के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।इस दौरान सम्राट अशोक बुद्ध विहार का लोकार्पण व सम्यक सम्बुद्ध की प्रतिमा का अनावरण किया गया।तो एक शाम बाबा साहब व संविधान के नाम कार्यक्रम में कव्वाल फैजान ताज की प्रस्तुति पर श्रोतागण झूम उठे।कार्यक्रम का शुभारंभ तथागत बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया।जहां विशाल वाहन रैली से ग्राम सीताखोह में प्रवेश कर, बौद्ध उपासक उपासिकाओं ने ग्राम का भ्रमण कर रैली निकाली।जो सम्राट अशोक बुद्ध विहार में कार्यक्रम के रूप में तब्दील हुई। पूज्य भंते गणों ने त्रिशरण, पंचशील कर धम्म देशना दी। धम्म देशना उपरांत कार्यक्रम स्थल में मंचीय उद्बोधन के प्रारंभ में कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिवक्ता डा. संजय खोबरागड़े, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिवक्ता सुरेंद्र बारमाटे व अन्य अतिथियों ने धूप दीप जलाकर तथागत बुद्ध एवं बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सुनील डोंगरे, गोविंदा गावठी ने बुद्ध अंबेडकर मिशन पर गीत गजल प्रस्तुत किया। इसके उपरांत उद्बोधन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रख जनसभा को संबोधित किया।जिसमें उन्होंने समाज संगठन को आगे बढ़ाने, सबको साथ लेकर मिलजुल कर चलने और बोधगया धार्मिक स्थल को बौध्दों के सुपुर्द किए जाने सहित अन्य विषयों पर अपने विचार रखें।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद दरवाड़े के द्वारा किया गया। रात्रि के दरमियान सुप्रसिद्ध कव्वाल फैजान ताज ने बुद्ध अंबेडकर मिशन पर एक से बढ़कर एक कलाम प्रस्तुत किए, जिसे सुनकर उपासक उपासिकाए झूम उठे। इसके अलावा अन्य आयोजनों के साथ देर रात कार्यक्रम का समापन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता डा. संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट ने की। मुख्य अतिथि अधिवक्ता सुरेंद्र बारमाटे प्रदेश महासचिव आल इंडिया समता सैनिक दल रहे। विशेष अतिथि पूज्य भदंत तन्हंकर, पूज्य भदंत शीलपंथ, पूज्य भदंत धम्म घोष, पूज्य भदंत दीपंकर , पूज्य भदंत शरणकर, पूज्य भदंत प्रज्ञानंद, कपिल मेश्राम सभापति नगर परिषद कटंगी, महेंद्र हिरकने तहसील अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ तहसील शाखा कटंगी, संजय शेंडे अध्यक्ष डा. अंबेडकर जयंती समारोह कटंगी, दलित मेश्राम तहसील अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ तहसील तिरोड़ी, महेश बोरकर, भोजराज वासनिक, डीडी गजभिए नगर अध्यक्ष जिला बौद्ध संघ कटंगी विधायक प्रतिनिधि टिवंकल बागमारे सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्राट अशोक का कार्यकाल इतिहास में स्वर्ण काल के रूप में जाना जाता है-खोबरागड़े

कार्यक्रम के अध्यक्ष अधिवक्ता डा. संजय खोबरागड़े ने अपने संबोधन में बताया कि मौर्य वंश के 10 राजाओं में से 8 राजाओं ने बुद्ध धर्म का प्रचार प्रसार किया। देवानंद प्रिया सम्राट अशोक ने अपने शासन काल में 84000 बौद्ध विहारों का निर्माण किया।आज सम्राट अशोक का कार्यकाल इतिहास में स्वर्ण काल के रूप में जाना जाता है।बुद्ध विहारों से बुद्ध अंबेडकर मिशन का प्रचार प्रसार होने पर भारत प्रबुद्ध भारत बनेगा। कार्यक्रम के अंत में महाबोधि महाविहार को मुक्त कराने के लिए पूज्य भदंत धम्म शिखर जी के माध्यम से जारी संकल्प पत्र का वाचन संजय शेंडे अध्यक्ष परम पूज्य डा. बाबा साहेब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह कटंगी द्वारा किया गया।

चांगोटोला में शिक्षक संघ की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न-चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। चांगोटोला में अध्यापक शिक्षक संघ संयुक्त मोर्चा की एक महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह बैठक प्रदेश स्तर पर लिए गए निर्णयों के अनुरूप आयोजित की गई, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की लंबित मांगों को लेकर आगामी आंदोलन की रूपरेखा तैयार करना था। बैठक के दौरान शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। सभी पदाधिकारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए सर्वसम्मति से चरणबद्ध आंदोलन चलाने का निर्णय लिया। संगठन ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। निर्णय के अनुसार, 08 अप्रैल 2026 (बुधवार)

को बालाघाट जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय धरना, रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में जिलेभर से बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई है। इसके पश्चात 11 अप्रैल को ब्लॉक स्तर पर धरना कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों—विधायक, मंत्री एवं सांसद—को ज्ञापन सौंपा जाएगा, ताकि शिक्षकों की समस्याओं को शासन तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। संगठन ने आगे जानकारी दी कि आंदोलन के अंतिम चरण में 18 अप्रैल 2026 को भोपाल में प्रदेश स्तरीय विशाल धरना, रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर के शिक्षक शामिल होकर अपनी मांगों को मजबूती से उठाएंगे। बैठक में प्रमुख मांगों को लेकर विशेष जोर दिया गया, जिनमें टीईटी परीक्षा का विरोध प्रमुख रूप से शामिल है। इसके साथ ही नवीन शिक्षक संवर्ग के लिए सेवा अवधि की गणना प्रथम नियुक्ति तिथि से किए जाने की मांग उठाई गई। इसके अलावा पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग को लेकर भी शिक्षकों में व्यापक असंतोष व्यक्त किया गया। बैठक के दौरान वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक वर्ग लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्षरत है, लेकिन अब तक उन्हें अपेक्षित समाधान नहीं मिला है। ऐसे में एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करना आवश्यक हो गया है। अंत में संगठन द्वारा समस्त वर्ग के शिक्षक-शिक्षिकाओं से अपील की गई कि वे आगामी सभी कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर आंदोलन को सफल बनाएं और अपनी एकता का परिचय दें।

ब्राइट करियर इंग्लिश स्कूल किरनापुर में परीक्षा परिणाम घोषणा एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर मे स्व.श्री रामकुमार जोशी शिक्षा समिति द्वारा संचालित ब्राइट करियर इंग्लिश स्कूल, किरनापुर में दिनांक 02 अप्रैल 2026 को वार्षिक

परीक्षा परिणाम घोषणा एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं गणमान्य अतिथियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे माननीय अनिमेष गढ़पाले ,जिला परिवहन अधिकारी बालाघाट एवं समस्त अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में माननीय मुख्य अतिथि महोदय ने विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भुवन भाऊ राहंगडाले उपाध्यक्ष जनपद पंचायत किरनापुर एवं अध्यक्ष शिक्षा समिति किरनापुर ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित गणमान्य अतिथि मुकेश चौहान जिला अध्यक्ष बस एसोसिएशन, योगराज भास्कर सभापति जनपद पंचायत किरनापुर, सी. एल. टेकाम बी. आर. सी. किरनापुर, अरुण पाराशर बी. ए. सी. किरनापुर, हितेश शरणागत, विद्यालय के संचालक शैलेश जोशी , शिव कुमार जोशी सचिव स्व. श्री रामकुमार जोशी शिक्षा समिति, खुमेश्वर अजीत एवं कुंवरसिंह चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात कक्षा नर्सरी से कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों को मंच पर बुलाकर प्रमाण पत्र, ट्रॉफी एवं पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए।विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती नीता घोड़ेस्वर ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की तथा उन्हें भविष्य में और बेहतर करने के लिए प्रेरित किया।सभी अतिथियों ने समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रबंधन को उत्कृष्ट परिणाम आने पर बधाईयां प्रेषित की। अंत में विद्यालय प्रबंधन ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया गया।

बैहर में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 200 जोड़ों का सामूहिक विवाह, उत्साह के बीच भोजन व्यवस्था पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बैहर। नगर में 4 अप्रैल दिन शनिवार को उत्कृष्ट स्कूल के खेल मैदान में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के तहत वर्ष का पहला सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। इस आयोजन में कुल 200 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे, जहां पूरे दिन उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों की झलक देखने को मिली।

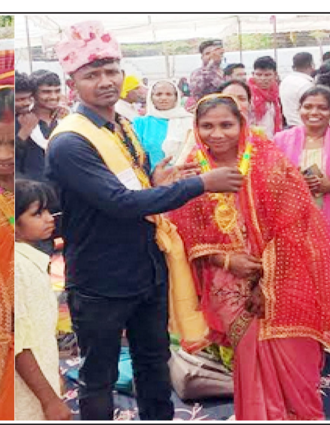

कार्यक्रम की अध्यक्षता जनपद पंचायत बैहर की अध्यक्ष श्रीमती भगवती सैयाम ने की। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती यशवंती गुड्डा मरकाम, सांसद प्रतिनिधि एवं प्रदेश मंत्री (आदिम जाति जनजाति मोर्चा) सुरेंद्र गुड्डा मरकाम, जिला पंचायत सदस्य मंशाराम माधवी सहित जनपद पंचायत और नगर परिषद के कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। एसडीएम अर्पित गुप्ता (आईएएस) भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

सामूहिक विवाह में विभिन्न वर्गों के जोड़ों ने अपने-अपने धर्म और परंपरा के अनुसार विवाह संपन्न किया। आदिवासी समाज के 119 जोड़ों का विवाह पंडा-पुजारी सुख सिंह नेताम द्वारा पारंपरिक गोंडी भाषा में मंत्रोच्चार के साथ कराया गया। बौद्ध धर्म के 4 जोड़ों का विवाह गुरु घनश्याम गजभिए द्वारा भगवान बुद्ध एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्रों के समक्ष विधि-विधान से संपन्न कराया गया। वहीं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के 77 जोड़ों का विवाह पंडित सुनील महाराज पांडे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सम्पन्न हुआ।

सभी जोड़ों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर और पारंपरिक रस्में निभाकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक महेंद्र नागेश्वर द्वारा किया गया।

समारोह में नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई थी।जिसे कूपन प्रणाली से संचालित किया गया। हालांकि, कार्यक्रम के दौरान कुछ लोगों ने भोजन वितरण में असमानता को लेकर शिकायतें भी कीं थी। कई परिजनों का आरोप था कि उन्हें केवल दाल-भात ही दिया गया। जबकि आयोजन से जुड़े लोगों को अन्य व्यंजन भी परोसे गए। इस मुद्दे को लेकर कार्यक्रम स्थल पर चर्चा बनी रही।

समापन के अवसर पर नवविवाहित जोड़ों की विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। वहीं आयोजन में शामिल जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने खुशी के माहौल में सांस्कृतिक प्रस्तुति और नृत्य के साथ कार्यक्रम का समापन किया।कुल मिलाकर यह सामूहिक विवाह समारोह उत्साह, परंपरा और सामाजिक समरसता के साथ शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ, हालांकि भोजन व्यवस्था को लेकर उठे सवाल चर्चा का विषय बने रहे।

दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर- दो युवक घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के हट्टा रोड पर स्थित ग्राम लिंगा में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जहां दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की भिड़ंत में दोनों मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल उमाशंकर पिता सुखलाल चौधरी 32 वर्ष ग्राम मानेगांव थाना भरवेली और संतोष पिता चंदन लाल घरडे 37 वर्ग ग्राम भांडी थाना वारासिवनी निवासी बताए गए हैं जिन्हें जिला अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उमाशंकर चौधरी ग्राम मानेगांव निवासी मजदूरी का कार्य करते हैं। 4 अप्रैल की सुबह लगभग 10 बजे उमाशंकर चौधरी अपनी मोटरसाइकिल मे घर से ग्राम सिंगोड़ी हट्टा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम लिंगा में हट्टा की तरफ से तेज रफ्तार में आ रहे संतोष घरडे ग्राम भांडी निवासी की मोटरसाइकिल उमाशंकर चौधरी की मोटरसाइकिल से टकरा गई। दोनों मोटरसाइकिल की आपस में टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फिलहाल दोनों का इलाज बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में किया जा रहा है।जिला अस्पताल पुलिस ने दोनों घायलों के बयान दर्ज कर लिए हैं और आगे की कार्रवाई के लिए मामला संबंधित ग्रामीण थाना नवेगांव को भिजवा दिया गया है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत अधिकारियों ने बच्चों से किया संवाद, बांटी गई निःशुल्क पाठ्य-पुस्तके

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देशानुसार 04 अप्रैल को जिले की शालाओं में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी क्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने अलग-अलग शालाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कायदी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने की प्रेरणा दी तथा इस अवसर पर विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों का वितरण भी किया।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई की महाप्रबंधक सुश्री माया मनीष परते ने जागपुर, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उईके ने भटेरा एवं श्रम अधिकारी श्री मयंक दीक्षित ने हट्टा में विद्यार्थियों से संवाद किया। अधिकारियों ने बच्चों को अपने लक्ष्य तय करने, नियमित अध्ययन करने तथा उवल भविष्य के निर्माण के लिए अभी से मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बच्चों से उनके सपनों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास देखने को मिला। जिले के अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न शालाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद स्थापित किया।

यह अभियान बच्चों को स्कूल से जोड़ने, शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने और उनके उवल भविष्य के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

बंपर भर्ती
सनफ्लैग बरठी भंडारा में सुरक्षा गार्ड/सुपरवाईजर की आवश्यकता है
08 घंटे की ड्यूटी
26 दिन काम
04 छुट्टियां
डॉक्यूमेंट के साथ संपर्क करें
उचित वेतन मिलेगा
साथ ही रहने की व्यवस्था उपलब्ध है
-संपर्क करें-
8530070820
9766188388

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

जिला अस्पताल में एक और अज्ञात बुजुर्ग की मौत 7 दिन से था जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अस्पताल में भर्ती एक अज्ञात बुजुर्ग की शनिवार सुबह 9:30 बजे उपचार के दौरान मौत हो गई। यह बुजुर्ग पिछले 7 दिनों से अस्पताल में भर्ती था। लेकिन इस दौरान उसके परिजन उसकी खोज-खबर लेने नहीं पहुंचे। जानकारी के अनुसार बुजुर्ग

को 27 मार्च को 108 एंबुलेंस के माध्यम से हनुमान चौक क्षेत्र से गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया था। अस्पताल में भर्ती करने के बाद से ही उसकी पहचान और परिजनों की तलाश की जा रही थीम लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अंततः 4 अप्रैल को 9:30 बजे उसकी मृत्यु हो गई।मृतक की पहचान नहीं होने के कारण शव को जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। जिला अस्पताल पुलिस द्वारा आसपास के थानों और नजदीकी गांवों में सूचना भेजकर परिजनों की तलाश की जा रही है। मामले की प्रारंभिक जांच प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले द्वारा की जा रही है।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी घटनाएं

गौरतलब है कि इससे पहले भी जिला अस्पताल में लावारिस हालत में दो बुजुर्गों की मौत हो चुकी है। 10 मार्च को सरेखा रेलवे फाटक के पास करीब 55 वर्षीय महिला ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई थी। जिसे रेलवे कर्मचारियों द्वारा अस्पताल में लाकर भर्ती कराया गया था। परिजन नहीं नही पहुंचे।31 मार्च को इस महिला की जिला अस्पताल में ही उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। इसी तरह 27 मार्च को 108 एंबुलेंस द्वारा एक अन्य 65 वर्षीय अज्ञात बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।जिसकी 1 अप्रैल को इलाज के दौरान मौत हो गई। दोनों मामलों में 36 घंटे तक परिजनों की तलाश की गई। लेकिन कोई सामने नहीं आया। इसके बाद 3 अप्रैल को नगर पालिका के माध्यम से दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया। लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों ने जिला अस्पताल प्रशासन और पुलिस की चिंता बढ़ा दी है। फिलहाल पुलिस मृत बुजुर्ग की पहचान और उसके परिजनों की तलाश में जुटी हुई।

03 सूत्रीय मांगों को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सौंपा ज्ञापन

कमला नेहरू महाविद्यालय की अव्यवस्थाओं को दुरुस्त करने की लगाई गुहार, 15 दिनों में मांग पूरी न होने पर कॉलेज में तालाबंदी कर आंदोलन की दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय की निहित विभिन्न अव्यवस्थाओं, का निराकरण कर, सुविधाओं में विस्तार किए जाने की मांग को लेकर, शनिवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बालाघाट द्वारा महाविद्यालय प्रबंधन को एक ज्ञापन सौपा गया है।जहां अपनी प्रमुख 3 सूत्रीय मांगो को लेकर ज्ञापन सौपने के पूर्व विघार्थियों ने एबीवीपी के बेनर तले जमकर नारेबाजी कर, समस्याओं की ओर कालेज प्रबंधन का ध्यानाकर्षण कराते हुए उनकी सभी मांगो को यथाशीघ्र पूरी किए जाने की गुहार लगाई। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ,अन्य विघार्थियों व परिषद के पदाधिकारियों द्वारा छात्रावास का शुल्क घटाने, महाविद्यालय परिसर में कैंटीन की सुविधा उपलब्ध कराने और एडमिशन, छात्रावास, परीक्षा फार्म ,छात्रवृत्ति सहित अन्य कार्यो के लिए खोले गए विंडो,काउंटरों का समय बढ़ाए जाने की मांग की है।जिन्होंने इन मांगों को पूरा करने के लिए, महाविद्यालय प्रबंधन को 15 दिनों की मोहलत देते हुए, समय सीमा में समस्याओं का निराकरण ना होने पर, कालेज में तालाबंदी कर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जिला संयोजक आदित्य अग्रवाल, नगर मंत्री कुबेर सिंह बैस ,प्रांत कार्यकारिणी सदस्य कोमल भंडारकर , आशा डोगरे ,भारती ठाकरे ,रोशनी बढ़ाई, मोनिका वरकड़े, हेमा पाचे ,पल्लवी वैध ,सरोज यूके ,चेतना ,शांतनु ,कलश असाटी , राहुल बूरडे,अमन दशेरिए , नितिन ,मुदित धानेश्वर , प्रियांशु तिवारी , ऋषभ राउत, रौनक आसटकर, तोहिद खान, अंबर ध्यानी, नारायण पटेल , ऋषभ विश्वकर्मा अन्य कार्यकर्ता एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे ।

समस्याओं से झूझ रही छात्राएं

ज्ञापन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत ,छात्राओं के लिए छात्रावास की सुविधा है, ताकि दूर दराज व ग्रामीण अंचलों में रहने वाली छात्राएं छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर सके, लेकिन उस छात्रावास में रहने के लिए महाविद्यालय द्वारा अधिक शुल्क वसूला जा रहा है।बताया गया कि महाविद्यालय परिसर स्थित नवनिर्मित छात्रावास की शुल्क दरें अत्यधिक होने के कारण छात्राएं इसे लेने में असमर्थ हैं। इसलिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होने के बाद भी भवन रिक्त है और छात्राएं असुरक्षित दूरस्थ स्थानों पर रहने को विवश हैं।परिषद पदाधिकारियो ने छात्रावास के लिए लगने वाले शुल्क में कटौती किए जाने की मांग की है।साथ ही महाविद्यालय में कैंटीन सुविधा ना होने पर भी परिषद ने एतराज जताते हुए, इसे जल्द शुरू किए जाने की मांग की है।पदाधिकारियो ने बताया की महाविद्यालय परिसर में पहले कैंटीन का संचालन होता था, जिसे बंद कर दिया गया है। कैंटीन बंद होने से छात्राओं को जलपान हेतु बाहर जाना पड़ता है।जिससे न केवल उनके समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी यह उचित नहीं है।उन्होंने महाविद्यालय में छात्राओं के लिए तत्काल प्रभाव से कैंटीन की सुविधा पुनः प्रारंभ करने की गुहार लगाई है।इसके अलावा एबीवीपी द्वारा महाविद्यालय में छात्राओं की सुविधाओं के लिए खोले गए विंडो काउंटर का समय बढ़ाए जाने की भी मांग की है।पदाधिकारियो ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को महाविद्यालय आने में काफी समय हो जाता है।जबकि विंडो काउंटर जल्दी बंद कर दिए जाते है।इस बात को ध्यान में रखते हुए विंडो/काउंटर के समय में वृद्धि की जानी चाहिए,ताकि परिवहन की समस्याओं के कारण कोई भी छात्रा परीक्षा फॉर्म जमा एवं अन्य कार्यों से वंचित न रहे।

तो कालेज में तालाबंदी कर, करेंगे प्रदर्शन-कोमल

चर्चा के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकारिणी सदस्य कोमल भंडारकर ने बताया कि कन्या महाविद्यालय में छात्राओं को विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।यहां छात्रावास की सुविधा तो है लेकिन उसका शुल्क करीब 2500 वसूला जा रहा है, जो कि अधिक है। हमारी मांग है कि इस शुल्क को काम किया जाए।इसके अलावा कॉलेज में पहले कैंटीन की व्यवस्था होती थी उसे भी बंद कर दिया है ऐसे में छात्राएं बाहर जाकर जल पान करती हैं हमारी मांग है कि छात्राओं के लिए महाविद्यालय परिसर में ही कैंटीन की व्यवस्था उपलब्ध होनी चाहिए इसके अलावा परीक्षा फीस जमा करना,परीक्षा फॉर्म, एडमिशन, छात्रावत्ति सहित अन्य कार्यों के लिए महाविद्यालय में विंडो काउंटर की व्यवस्था की गई है लेकिन विंडो काउंटर का समय काफी कम होने के चलते दूर-दराज से आने वाली छात्राओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।हमारी मांग है कि काउंटर की व्यवस्था बढ़ाकर इसके समय को भी बढ़ाया जाए ताकि कोई भी छात्रा परीक्षा फॉर्म सहित महाविद्यालय से संबंधित अन्य कार्यों से ना चुके। इसके लिए हमने आज ज्ञापन के माध्यम से महाविद्यालय प्रबंधन को 15 दिनों की मोहलत दी है। यदि इन 15 दिनों के भीतर हमारी तीनों मांगों को पूरा नहीं किया जाता तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के बैनर तले कन्या महाविद्यालय में तालाबंदी कर, उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी महाविद्यालय प्रशासन की होगी।

भीषण गर्मी में कूलर लगने से अस्पताल में भर्ती मरीजों को मिली राहत

सभी वार्डों में भर्ती मरीजों को मिलने लगी ठंडी हवा, चिपचिपी गर्मी से मिला छुटकारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है।जहां खबर प्रकाशन के बाद, मामले का संज्ञान लेते हुए, अस्पताल प्रबंधन द्वारा, सभी वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के लिए कूलर के इंतेजाम कर दिए है।जिससे यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को चिपचिपी गर्मी और उमस से राहत मिल गई है।आपको बताए कि मंगलवार 31 मार्च को हमने भीषण गर्मी के बीच अस्पताल में मरीज हो रहे परेशान, नही मिल पा रही राहत, नामक हेडलाइन लगाकर एक खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया था। जिसमें लगातार बढ़ती जा रही गर्मी के बीच अस्पताल प्रबंधन द्वारा अब तक मरीजों के लिए वार्ड में कूलर के इंतजाम नहीं किए जाने की बात का उल्लेख किया गया था। इसमें यह भी बताया गया था कि अक्सर गर्मी के दिनों में अस्पताल प्रबंधन द्वारा अस्पताल के सभी वार्डों में भर्ती मरीजों के लिए कूलर के इंतजाम किए जाते थे,जो इस वर्ष नही किए गए है, जिससे यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को गर्मी से राहत नही मिल पा रही है। इसके अलावा खबर में इस बात का भी उल्लेख किया गया था कि वार्डो में लगे पंखें अत्यधिक तापमान होने पर चलते गर्म हवा फेंक रहे है,वही इस पूरे मामले से अस्पताल प्रबंधन को अवगत भी कराया था। जहां खबर के प्रकाशन के बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा अस्पताल के सभी वार्डों में कूलर लगाने के इंतजाम शुरू कर दिए गए हैं, कुछ वार्डो में कूलर लग चुके है, तो वहीं कुछ वार्डों में कूलर लगाने का काम शुरू है। जहां इस गर्मी के बीच कूलर लग जाने से वार्ड के भीतर ठंडक घुल रही है।वही गर्मी व उमस से यहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को काफी हद तक राहत मिल गई है।

बालाघाट खबर का असर एक्सप्रेस

मरीजो और परिजनों ने ली राहत की सांस

भीषण गर्मी के बीच अस्पताल में कूलर लगाए जाने के बाद मरीजों और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है। पहले जहां अस्पताल के वार्डों में उमस और गर्मी के कारण मरीजों का हाल बेहाल था, वहीं अब कूलर लगने से वातावरण काफी हद तक ठंडा और आरामदायक हो गया है।अस्पताल के वार्डों में कूलर शुरू होने से भर्ती मरीजों को ठंडी हवा मिलने लगी है। खासकर बुजुर्ग, बच्चे और गंभीर मरीजों को इस सुविधा से सबसे ज्यादा राहत मिली है। चिपचिपी गर्मी से परेशान मरीज अब आराम महसूस कर रहे हैं और उनके स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक असर पड़ रहा है।

गर्मी से परेशान हो रहे थे मरीज

ज्ञात हो कि इससे पहले कूलर की व्यवस्था न होने के कारण मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वार्डों में गर्मी और उमस के चलते वे हलाकान हो गए थे, जिससे मरीजों की स्थिति और बिगड़ने का खतरा बना हुआ था। मरीज व उनके परिजन भी लगातार कूलर लगाने की मांग कर रहे थे।उधर खबर प्रकाशित होने के बाद अस्पताल प्रबंधन हरकत में आया और तत्काल वार्डों में कूलर लगवाने की व्यवस्था की गई।जिससे अब स्थिति में सुधार देखने को मिल रहा है और मरीजों के चेहरों पर राहत साफ नजर आ रही है।

मप्र वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ ने सांसद से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

जिले के वन कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान कराने की रखी मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मप्र पुलिस द्वारा बालाघाट जिले को नक्सल प्रभावित क्षेत्र से मुक्त करने में विशेष योगदान देने वाले पुलिस जवानों को पारी बाहर पदोन्नति प्रदान कर लगातार सम्मानित किया जा रहा है, जिससे

पुलिस महकमे में हर्ष व्याप्त होने के साथ-साथ इनकी कार्य क्षमता में बेहद वृद्धि हुई है। इसी प्रकार वन विभाग के मैदानी कर्मचारी भी बिना हथियारों के दुर्गम, पहाड़ी एवं घने जंगलों में गस्त कर अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हैं। इसीलिए वन कर्मचारियों को भी पारी बाहर पदोन्नति प्रदान की जानी चाहिए, अपनी इसी प्रमुख मांग को लेकर मप्र वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ ने सांसद महोदया से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने उनकी इस अहम मांग को यथाशीघ्र पूर्ण कराए जाने की मांग की है। ज्ञापन के दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि बालाघाट जिला पूर्व से नक्सल प्रभावित रहा है ऐसी विषम परिस्थितियों में भी वन कर्मचारी अपने प्राणों की परवाह किए बिना वन एवं वन्य प्राणियों की सुरक्षा में निरंतर संलग्न रहे हैं। उनके अथक प्रयासों के परिणाम स्वरूप जिले में बाघ, तेंदुआ सहित अन्य वन्य प्राणियों की संख्या में वृद्धि हुई है और मप्र को टाइगर स्टेट के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है।उन्होंने बताया कि विगत वर्षों में वन्य प्राणियों द्वारा ग्रामीणों पर हमले की घटनाओं में वृद्धि होने से वन कर्मचारियों को एक ओर वन्य प्राणियों के आक्रमण तथा दूसरी ओर ग्रामीणों के आक्रोश एवं हमले का भी सामना करना पड़ा है।बावजूद इसके भी वे पूर्ण निष्ठा एवं उत्कृष्टता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में वन कर्मचारियों को उनका यह अधिकार दिया जाना चाहिए।उन्होंने आगे बताया कि वन मुख्यालय भोपाल कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक के प्रसारित निर्देशानुसार पारी-बाहर पदोन्नति प्रक्रिया शुरू है। बालाघाट जिले के पुलिस जवानों को पारी-बाहर पदोन्नति प्रदान किया गया है उसी प्रकार बालाघाट जिले के वन कर्मचारियों को भी पारी-बाहर पदोन्नति प्रदान किया जाना न्यायोचित एवं प्रोत्साहनकारी होगा।हमारी मांग है कि वन मुख्यालय भोपाल के पारी-बाहर पदोन्नति आदेश को क्रियान्वित कराते हुए बालाघाट जिले में वन विभाग के पात्र, साहसी एवं उत्कृष्ट सेवा देने वाले मैदानी कर्मचारियों को उनके जोखिमपूर्ण सेवाकाल के सम्मान स्वरूप पारी-बाहर पदोन्नति प्रदान की जाए।इस दौरान मप्र वन एवं वन्य प्राणी संरक्षण कर्मचारी संघ भोपाल प्रदेश उपाध्यक्ष दिलीप बागड़े, संभागीय अध्यक्ष रोशनलाल पड़वार, जिला अध्यक्ष श्रीराम घरते, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता दांडेकर, महासचिव नारायण सिंह टेकाम, जिला उपाध्यक्ष सचिन पदमे, सदस्य गौरव मिश्रा, कल्याण दास मेश्राम, धर्मेंद्र गोलेंद्र सहीत अन्य पदाधिकारी

14 दिनों के संथारा में उर्मिला कोचर का देवलोक गमन

मृत्यु महोत्सव में जुटा समाज,संथारा को बताया जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति का एक मार्ग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जैन दर्शन के अनुसार, संथारा मृत्यु का वरण नहीं बल्कि आत्मा की शुद्धि और जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति का एक मार्ग है और इसी मार्ग पर चलते हुए धार्मिक और सेवा भाव में रही उर्मिला पति इंदरचंद कोचर ने 4 अप्रैल को देवलोक गमन किया। जिनके मृत्यु महोत्सव में शनिवार को जिले का जैन समाज जुटा और उन्हें बैंकुठ रथ से अंतिम विदाई दी गई।दरअसल, ब्रेन हेमरेज के चलते, डॉक्टरो ने उनके स्वास्थ्य को लेकर जवाब दे दिया था। जिसके बाद जैन समाज के महाराज साहब से संथारा की इच्छा उन्होंने जाहिर की थी।जिसकी अनुमति के बाद से उर्मिला कोचर, 14 दिनों तक संस्थारा में रही और इस दौरान उन्होंने अपनी स्वेच्छा से अन्न-जल का त्याग कर इस आध्यात्मिक यात्रा की शुरुआत की। 76 वर्ष की आयु में उनकी इस कठिन तपस्या और अटूट श्रद्धा ने पूरे जैन समाज और नागरिकों को प्रेरित किया है। बताया जाता है कि 1951 में जन्मी उर्मिला कोचर, सदैव धार्मिक कार्यों और सेवा भाव में अग्रणी रहीं।

मृत्यु महोत्सव के रूप में दी गई अंतिम विदाई

शनिवार को उनके निवास स्थान से मोक्षधाम के लिए उनकी बैकुंठ रथ यात्रा निकाली गई। जिसमें मृत्यु महोत्सव के रूप में सकल जैन समाज ने उन्हें अंतिम विदाई दी। जिसमें जिले का सकल जैन समाज और अन्य समाज के लोगो ने शामिल होकर उन्हें विदा किया। बताया गया कि जैन समाज में संथारा त्याग, तपस्या और आत्म-साधना की पराकाष्ठा है, जो हमें सिखाती है कि जीवन के साथ-साथ मृत्यु भी गौरवशाली और शांत हो सकती है।वे अपने पीछे, दो पुत्र पदम और पंकज कोचर सहित दर्शनम कोचर और भरापूरा परिवार छोड़ गई है।

14 दिनों तक नवकार मंत्र और आत्म-चिंतन के साथ किया देह का त्याग

भगवान महावीर संथारा को लेकर बताते है कि जीवन की अंतिम साधना के बाद आत्मा, मोक्ष के सुख को प्राप्त करती है, इसी भाव के साथ उर्मिला कोचर ने 14 दिनों तक संथारा करके अपनी देह को त्याग दिया। जैन धर्म में संथारा को सर्वोच्च साधना बताया गया है।परिवार के सदस्यों के अनुसार, अंतिम समय में उनके चेहरे पर असीम शांति और एकाग्रता थी। 14 दिनों तक बिना किसी विचलित भाव के उन्होंने नवकार मंत्र और आत्म-चिंतन के साथ अपनी देह का त्याग किया।

आस-पास की खबरें

बाईक अनियंत्रित होने से 6 वर्षीय बच्ची सहित दो लोग घायल

घायलों का लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के वारासिवनी मार्ग स्थित ग्राम पंचायत धरपीवाड़ा में सड़क की मोड़ाई में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से 6 वर्षीय बच्चीं सहित दो लोग घायल हो गये। तीनों घायलों का लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थानेगांव (वारासिवनी) निवासी 39 वर्षीय किशोर नागेश्वर अपनी माँ निर्मला नागेश्वर, 6 वर्षीय बेटी आरोही नागेश्वर के साथ शनिवार को सुबह मोटरसाइकिल से मोहगांव जाम रिस्तेदारी में गये थे और दोपहर में वापस अपने गांव जा रहे थे। तभी लालबर्रा से वारासिवनी मार्ग के ग्राम धरपीवाड़ा के समीप सड़क की मोड़ाई में मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई। जिससे बाईक में सवार किशोर नागेश्वर सहित उनकी माँ एवं बेटी घायल हो गई। जिसके बाद मार्ग से गुजर रहे लोगों ने एम्बुलेंस को घटना की जानकारी दी और तीनों घायलों को एम्बुलेंस की मदद से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया जहां उपचार जारी है। इस सड़क दुर्घटना में तीनों को हाथ, पैर एवं सिर में चोटे आई है। वहीं जिस समय बाईक अनियंत्रित हुई उस समय उस मार्ग से कोई बड़ा चौपहिया वाहन नही गुजर रहा था, अगर चौपहिया वाहन गुजरते रहता तो वे उसकी चपेट में आ सकते थे जिससे बहुत बड़ा हादसा घटित हो सकता था।

जाम-सेलवा मार्ग के पटरी भराई कार्य में धांधली, ग्रामीणों में आक्रोश

मुरूम की जगह मिट्टी का किया जा रहा उपयोग, दुर्घटनाओं का बढ़ा खतरा, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत जाम के जामटोला आमराई से सेलवा पहुंच मार्ग का प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य करवाया गया है। वहीं सड़क निर्माण के बाद सड़क की पटरी भराई का कार्य अच्छी क्वालिटी की मुरूम से किया जाना चाहिए था किन्तु मिट्टी युक्त मुरूम यानि की चिपचिपी मिट्टी से पटरी भराई का कार्य किया जा रहा है। जिससे बारिश होने पर पटरी में कीचड़ होने से बड़ी दुर्घटनाएं घटित होने की संभावना बनी हुई है। इस तरह से सड़क विभाग के द्वारा निर्माण कार्य एवं पटरी भराई में अनियमितता बरती जा रही है जिसके चलते जाम से सेलवा पहुंच मार्ग वर्तमान में चल रहा पटरी भराई कार्य विवादों के घेरे में आ गया है। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि संबंधित ठेकेदार द्वारा निर्धारित मापदंडों को ताक पर रखकर गुणवत्ताहीन कार्य किया गया है जिससे भविष्य में बड़े हादसों की आशंका बनी हुई है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि अच्छी क्वालिटी की मुरूम से पटरी भरने का कार्य करवाये और निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

मुरूम की जगह डाली जा रही चिपचिपी मिट्टी

आपकों बता दे कि जाम के जामटोला आमराई से सेलवा पहुंच मार्ग खराब हो जाने से आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिससे परेशान ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग की थी। वहीं शासन से राशि स्वीकृत होने के बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है एवं साइड सोल्ड यानि पटरी भराई में अच्छी क्वालिटी की मुरूम का उपयोग होना चाहिए था किन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा ऐसा न करते हुए चिपचिपी मिट्टी पटरी में डाली जा रही है। जो बारिश होने पर बह जायेगी और कीचड़ होने से वाहन अनियंत्रित होगें जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। इस तरह से सड़क निर्माण एवं पटरी भराई में निर्माण कंपनी के द्वारा अनियमितता बरती गई है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि नियम अनुसार सड़क की पटरियों को भरने के लिए उ'च गुणवत्ता वाली मुरूम का उपयोग किया जाना चाहिए और उसे बेलन (रोलर) चलाकर ठीक से समतल किया जाना चाहिए। किन्तु ठेकेदार द्वारा लागत बचाने के फेर में आसपास के खेतों और गड्डों की चिपचिपी मिट्टी खोदकर पटरियों पर डाली जा रही है। यह मिट्टी पहली बारिश में ही कीचड़ बनकर सड़क पर फैल जायेगी। इससे न केवल सड़क खराब होगी, बल्कि दुपहिया वाहन फिसलने से बड़ी दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। जबकि जाम-सेलवा मार्ग एक अत्यंत व्यस्त मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में स्कूली बच्चें और ग्रामीणजन आवागमन करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि मिट्टी पानी के बहाव के साथ सड़क पर आई, तो यह मार्ग दलदल में तब्दील हो जायेगा। ऐसे में सबसे 'यादा खतरा स्कूली विद्यार्थियों को होगी। इसलिए हमारी मांग है कि उ'च गुणवत्ता वाली मुरूम डालने के बाद बेलन (रोलर) चलाया जाये ताकि वह पक्की हो सके।

पटरी भराई में मुरूम की जगह डाली जा रही मिट्टी - कमलेश

कमलेश चौधरी ने बताया कि जामटोला आमरई से सेलवा पहुंच मार्ग का डामरीकरण सड़क का निर्माण कार्य किया गया है और सड़क की पटरी भराई में मुरूम की जगह मिट्टी डाली जा रही है जो बारिश होने पर कीचड़ होने से वाहन अनियंत्रित होगें एवं आवागमन में परेशानी होगी। जबकि इस मार्ग से सेलवा एवं खैरगांव के ब'चें एवं ग्रामीणजन आवागमन करते है। श्री चौधरी ने बताया कि सड़क निर्माण के द्वारा पटरी भराई में चिपचिपी मिट्टी डाली जा रही है, अगर कोई बड़ा वाहन गुजरता है तो साइड लेने पर मिट्टी में वाहन जाने से दुर्घटना घटित हो सकती है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि अच्छी क्वालिटी की मुरूम पटरी में डाली जाये ताकि आवागमन में सुविधा हो सके एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य होना चाहिए।

उच्च गुणवत्ता (क्वालिटी) की मुरूम डाली जाये - मुनेन्द्र

किसान कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि सड़क खराब होने से आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा ढाई किमी तक डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है। लेकिन पटरी में जो मुरूम डाली गई है वह मिट्टीयुक्त है दानेदार लाल मुरूम नही है, हमारी मांग है कि उच्च गुणवत्ता (अच्छी क्वालिटी) की मुरूम डाली जाये जिससे सड़क न केवल दिखने में अच्छी होगी, बल्कि सुदृढ़ और सुरक्षित भी बनेगी। श्री ठाकरे ने बताया कि मुख्य सड़क का निर्माण ठीक हुआ है, लेकिन पटरियों के किनारे सेलवा की प्रसिध्द गड़गड़ा (एक प्रकार की मिट्टी) का उपयोग किया जा रहा है। जो गलत है प्रशासन से मांग है कि अ'छी क्वालिटी की मुरूम डलवाये ताकि आवागमन में किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

इनका कहना है-

आपके माध्यम से संज्ञान में आया है कि जाम के जामटोला से सेलवा पहुंच मार्ग निर्माण में सड़क की पटरी भराई मिट्टी या मिट्टी युक्त मुरूम से की जा रही है। मामले की जांच कर संबंधित पर कार्यवाही की जायेगी एवं अच्छी क्वालिटी की मुरूम से पटरी भरवाने निर्देशित किया जायेगा।

माया परते
महाप्रबंधक
प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग
बालाघाट।

खारी में 126 कलशों की निकली शोभायात्रा

श्रीराम मंदिर का लोकार्पण संपन्न, प्राण प्रतिष्ठा, श्रीमद् भागवत महापुराण हुआ प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम खारी में भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। बजरंग दल समिति एवं समस्त ग्रामवासियों के तत्वाधान में नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का लोकार्पण, प्राण प्रतिष्ठा एवं संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण का भव्य आयोजन 4 अप्रैल से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन 4 अप्रैल को दोपहर 12 बजे मंदिर प्रांगण से डीजे की धुन पर 126 कलशों की शोभायात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा खारी नदी के तट पर पहुंची। जहां विधि-विधान से वरूण देव का पूजन किया गया और नदी से जल भरकर कलश यात्रा ने पूरे गांव का भ्रमण किया, जिससे पूरे ग्राम का वातावरण भक्तिमय हो गया। जिसके बाद कलश यात्रा पुनः मंदिर प्रांगण पहुंची तत्पश्चात मुख्य अतिथि खारी सरपंच श्रीमती डिलेश्वरी कैलाश नखाते के द्वारा रिबिन काटकर नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का विधिवत लोकार्पण किया गया। वहीं आयोजन के पहले दिन मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही गणेश पूजन और भागवत महात्म्य के साथ ही 8 दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का श्रीगणेश हुआ। इस श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका बाल विदुषी वेदिका मिश्रा द्वारा 4 अप्रैल से 10 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिये जा रहे है जिससे पुरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि 4 अप्रैल को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई जिसके बाद नवनिर्मित श्रीराम मंदिर का लोकार्पण किया गया और प्राण प्रतिष्ठा एवं भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। आगे बताया कि इस 8 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में वृंदावन की सुप्रसिध्द कथावाचिका बाल विदुषी वेदिका मिश्रा द्वारा 4 अप्रैल से 10 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक भगवान श्रीकृष्ण की जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दिये जा रहे है जिसमें 5 अप्रैल को भक्ति ज्ञान वैराग्य एवं धुंधकारी उध्दार, 6 अप्रैल को भगवान श्रीराम एवं शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा, सुखदेव-परीक्षित जन्म, गजेंद्र मोक्ष, 7 अप्रैल को अजामिल उपाख्यान, ध्रुव-प्रहलाद चरित्र, वामन अवतार एवं राम-कृष्ण जन्मोत्सव, 8 अप्रैल को गोवर्धन पूजन एवं भगवान की संपूर्ण बाल लीलाएं, 9 अप्रैल को श्रीकृष्ण-रूखमणी विवाह प्रसंग, 10 अप्रैल को उध्दव प्रसंग, कलयुग वर्णन, सुदामा चरित्र एवं व्यास पूजन, 11 अप्रैल को हवन, कन्या पूजन, अतिथि सम्मान एवं विशाल महाप्रसादी वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जायेगा। इस कलश यात्रा एवं मंदिर के लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रसन्न अवधिया, दिनेश सपाटे, महेश महेरकर, जगदीश बोपचे, हनुमान ठाकरे सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं श्रध्दालुजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील समिति के सदस्य दिनेश सपाटे, श्रीराम चौहान, उमेश सपाटे, हरिश मानेश्वर, कमलेश गौतम, अंकित बाहेश्वर, तपेश गौतम, दिपांशु ठाकरे, विकास ठाकरे, अंकित हटवार, प्रफुल हरिनखेडे, रितिक सार्वे, मोन्टु बोपचे, किशोर ठाकरे, कमलेश माने, दिपक मात्रे, अवनिश गौतम, दुर्गाप्रसाद चौधरी, यशवंत राणा, आकाश गोयल, डेविड वर्मा, शैलेष गौतम, निरज हरिनखेड़े, भागचंद बाहेश्वर, चित्रसेन बोपचे, कपिल ठाकरे, मोहित सपाटे, डिलेश बड्डे, पवन सपाटे, शैलेष शेंडे, अभय बाहेश्वर, हेमंत सार्वे, राकेश लानगे, थानसिंह बोपचे, मनीष बडडे, आशीष सपाटे, नरेश सपाटे, सागर बारमाटे, राकेश गोयल, हिमांशु मोहतुरे, खिलेन्द्र कारे सहित बजरंग दल, श्रीराम मंदिर महिला वाहिनी सेवा समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं ग्रामीणजनों ने की है।

सेवानिवृत्त प्रधानपाठक आरके दुबे को दी गई विदाई

अमोली के शास. कन्या माध्य. स्कूल में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय कन्या माध्यमिक शाला अमोली में पदस्थ प्रधानपाठक आरके दुबे अपनी 39 वर्षों की लंबी और गौरवशाली सेवा अवधि पूर्ण करने के पश्चात गत दिवस सेवानिवृत्त हो चुके है। स्कूल में गत दिवस विदाई समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम सेवानिवृत्त प्रधानपाठक आरके दुबे एवं अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात उपस्थित शिक्षकों ने सेवानिवृत्त प्रधानपाठक श्री दुबे का तिलकवंदन करने के पश्चात शाल, श्रीफल एवं उपहार भेंट कर उन्हे विदाई देते हुए उनके भविष्य की कामना की। आपकों बता दे कि सेवानिवृत्त प्रधानपाठक आरके दुबे के सेवाकाल का सफर काफी प्रेरणादायक रहा है। उनकी प्रथम नियुक्ति 3 अप्रैल 1987 को शासकीय हाई स्कूल चंदना (तहसील परसवाड़ा) में हुई थी। जिसके पश्चात उन्होंने निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में सेवाएं देते रहे। वहीं वर्ष 1988 से 1995 तक जनपद माध्यमिक स्कूल लालबर्रा में अपनी सेवाएं दी, जहां से स्थानांतरण होने के बाद 1995 से 2000 तक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा में एवं वर्ष 2000 में पदोन्नत होने के बाद प्रधानपाठक के रूप में वर्ष 2000 से 2002 तक शासकीय माध्यमिक स्कूल बबरिया में अपनी सेवाएं प्रदान की है। वर्ष 2002 से 2007 तक शासकीय माध्यमिक स्कूल नेवरगांव ला, वर्ष 2007 से 31 मार्च 2026 तक शासकीय कन्या माध्यमिक स्कूल अमोली में प्रधानपाठक के रूप में लंबे समय तक सेवाएं देते हुए 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर सेवानिवृत्त हो चुके है। इस तरह से आरके दुबे ने शिक्षा विभाग में 39 वर्ष अपनी सेवाएं प्रदान की है। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित शिक्षकों ने सेवानिवृत्त प्रधानपाठक श्री दुबे के मिलनसार स्वभाव और अनुशासन प्रिय कार्यशैली की प्रशंसा की और कहा कि श्री दुबे जी ने न केवल एक प्रधानपाठक के रूप में विद्यालय का संचालन किया, बल्कि एक अभिभावक की तरह छात्राओं का मार्गदर्शन भी किया है। वहीं सेवानिवृत्त प्रधानपाठक आरके दुबे ने कहा कि शिक्षा विभाग में 39 वर्ष की सेवाएं में बहुत कुछ सीखने को भी मिला है और ब'चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने एवं शासन की योजनाओं का लाभ दिलवाने का भी पूरा प्रयास किया गया है। साथ ही शिक्षकों से कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान कर उन्हे उचित मार्गदर्शन प्रदान करने एवं बच्चों से अच्छी पढ़ाई कर आगे बढ़ने की बात कही। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बच्चें उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने फर्जी अस्पतालों के खिलाफ पोस्टर लगाकर किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल। एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने राजधानी भोपाल में लगातार सामने आ रहे फर्जी अस्पतालों के मामलों को लेकर अनोखा विरोध दर्ज कराया है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने पोस्टर अभियान चलाकर उन लोगों के खिलाफ आवाज बुलंद की है, जो कथित रूप से फर्जी अस्पतालों को संरक्षण दे रहे हैं। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार का आरोप है कि शहर में कई अस्पताल ऐसे संचालित हो रहे हैं, जिनके संचालक कागजों में डॉक्टर और स्टाफ दर्शाकर नियमों की अवहेलना कर रहे हैं। संगठन का कहना है कि इन मामलों को लेकर निरंतर शिकायतें एवं विरोध किए जाने के बावजूद सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे यह प्रतीत होता है कि राजधानी में फर्जी अस्पतालों का एक बड़ा सिंडिकेट सक्रिय है। इसी के विरोध में एनएसयूआई ने उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला, स्वास्थ्य संचालनालय, आयुष्मान कार्यालय एवं सीएमएचओ कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाकर विरोध प्रदर्शन किया।

पोस्टरों में लिखा गया-भोपाल में फर्जी अस्पताल खोलने के लिए संपर्क करें - नट्टू शर्मा....अस्पताल की फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट बनाने के लिए संपर्क करें - टीम नटवरलाल (नट्टू शर्मा)...। इन पोस्टरों के माध्यम से एनएसयूआई ने व्यवस्था पर व्यंग्य करते हुए यह संदेश देने का प्रयास किया कि यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता का स्वास्थ्य पूरी तरह जोखिम में पड़ जाएगा। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि मध्यप्रदेश की जनता के स्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ किया जा रहा है। राजधानी भोपाल में ग्रामीण क्षेत्रों, कस्बों और छोटे शहरों से मरीज बड़ी उम्मीदों के साथ इलाज कराने आते हैं, लेकिन कथित फर्जी अस्पताल उन्हें केवल कमाई का साधन समझकर उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। कई अस्पतालों में रजिस्टर्ड स्टाफ तक उपलब्ध नहीं है, फिर भी वे निर्बाध रूप से संचालित हो रहे हैं। रवि परमार ने मांग की कि सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा को तत्काल निलंबित कर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो एनएसयूआई उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला के निवास का घेराव कर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

अनियमितता की भेंट चढ़ा उमरवाड़ा का रान तालाब

ग्रामीणों का आरोप पंचायत ने बिना काम किए डकारे लाखों रुपए

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत **आने वाली ग्राम पंचायत उमरवाड़ा में विकास कार्यों के नाम पर बड़े फर्जीवाड़े का मामला सामने आया है। यहाँ के ऐतिहासिक रान तालाब की मरम्मत और गेटवाल सुलूस गेट निर्माण के लिए स्वीकृत राशि में से करीब १.८६ लाख रुपए का आहरण बिना कोई काम किए ही कर लिया गया है। इस वित्तीय अनियमितता ने ना केवल शासन की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े किए है, बल्कि ५०० एकड़ खेती पर निर्भर किसानों के भविष्य को भी संकट में डाल दिया है।**

यह है पूरा मामला

पिछली मूसलाधार बारिश के दौरान रान तालाब की पार क्षतिग्रस्त हो गई थी जिससे सिंचाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई। तालाब के जीर्णोद्धार और वाटरकोष हेतु गेटवाल निर्माण के लिए शासन स्तर से लगभग ६ लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत उमरवाड़ा की सरपंच पूनम प्रवीण पांडेय और सचिव सुरेश कुंभलवार ने मिलीभगत कर कार्य शुरू किए बिना ही अगस्त और अक्टूबर २०२५ में फर्जी बिलों के माध्यम से १८६९६९ रुपए की राशि निकाल ली। रान तालाब क्षेत्र के किसानों के लिए जीवनरेखा है। यह तालाब सितेकसा बांध से आने वाली राजीव सागर परियोजना की नहर से भरा जाता है। इससे लगभग ५०० एकड़ कृषि भूमि सिंचित होती हैं। तालाब फूटने के कारण खरीफ की फसल बर्बाद हुई और अब रबी की फसल के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। पंचायत ने दिसंबर जनवरी बीत जाने के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है, जिससे आगामी खरीफ सीजन पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत वारासिवनी को लिखित शिकायत सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में ग्रामीणों का स्पष्ट आरोप है कि धरातल पर ईंट भी नहीं रखी गई। लेकिन कागजों में कार्य की प्रगति दिखाकर राशि आहरित कर ली गई। सरपंच और सचिव ने अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करते हुए शासकीय राशि का निजी लाभ के लिए गबन किया है। जनता के विकास के लिए आई राशि को फर्जी वाउचर के जरिए निकालकर अमानत में खयानत का अपराध किया गया है। प्रशासन से अपील की है कि जब तक इस पूरे वित्तीय घोटाले की निष्पक्ष जांच नहीं हो जाती तब तक निर्माण कार्य को आगे ना बढ़ाया जाए ताकि सबूतों के साथ छेड़छाड़ ना हो सके। अब देखना यह है कि जनपद पंचायत और जिला प्रशासन इन रसूखदार जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों पर क्या कार्यवाही करता है या फिर किसानों की पुकार फाइलों में दबकर रह जायेगी।

सरपंच और सचिव पर

कार्यवाही नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे

ग्रामीण किशोर कुमार पाण्डेय, भूरकन बाई गोडगे, गोंविद राम राहगंडाले, जगदीश गोडगे ने संयुक्त रूप से बताया की रान तालाब से लगभग ५०० एकड़ कृषि भूमि की सिंचाई होती है। शासन ने यहाँ गेटवाल निर्माण के लिए करीब ६ लाख रुपये की स्वीकृति दी थी। अगस्त माह में ही पंचायत ने बिना कोई कार्य कराये राशि का आहरण कर लिया। हमने इसकी शिकायत की है। पहले भी कई शिकायतों पर अधिकारी लीपा पोती कर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते रहे हैं। जिला पंचायत में लंबित चार प्रकरणों में से तीन में रिकवरी तो हुई लेकिन दंडात्मक कार्यवाही नहीं की गई। प्रशासन अपराधियों को बचाने भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने काम कर रहा है। इसके लिए सरपंच पूनम प्रवीण पांडे ,सचिव सुरेश कुंभलवार और रोजगार सहायक सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। यदि कार्यवाही नहीं हुई तो हम आंदोलन करेंगे। पंचायत में भ्रष्टाचार चरम पर है पूर्व में की गई तीन शिकायतों में रिकवरी के आदेश तो हुए लेकिन धरातल पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। गेटवाल निर्माण के नाम पर २ लाख निकाल लिए गए हैं जबकि काम शुरू तक नहीं हुआ। जब हम पंचायत में इस विषय पर बात करते हैं तो सरपंच हाथापाई पर उतारू हो जाती हैं और दबाव बनाती हैं। पूर्व में भी विवाद के चलते हमें एफआईआर करानी पड़ी थी। रान तालाब किसानों की सिंचाई का एक मात्र सहारा है तालाब फूटने के बाद गेटवाल निर्माण की स्वीकृति मिली थी ताकि किसानों को सुविधा हो। इन बिलों पर कहीं सरपंच तो कहीं सचिव के हस्ताक्षर हैं। उन्होंने अपने निजी खर्च के लिए शासकीय राशि का दुरुपयोग किया है। यदि यह काम समय पर हो जाता तो आज हर किसान को पानी मिल रहा होता। हमारी मांग है कि दोषियों पर कड़ी कार्यवाही हो और जांच के बाद ही प्रशासन यहाँ नए सिरे से कार्य पूर्ण कराए।

इनका कहना हैं

मौखिक चर्चा में बताया की तालाब की पार फूट गई थी जिसके सुधार और गेटवाल निर्माण के लिए राशि स्वीकृत हुई थी। कार्य कराने वाली एजेंसी को नियमानुसार भुगतान किया गया था। चूंकि किसानों ने उस समय सिंचाई की बात कही थी इसलिए काम को बीच में रोकना पड़ा था। जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर उसे पूर्ण करा लिया जाएगा।

प्रवीण पाण्डेय
सरपंच पति ग्राम उमरवाड़ा

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि उक्त संबंध में अधिकारियों से चर्चा कर शिकायत की जांच करवा दी जाएगी और जांच में जो भी निकलता है उस पर विधिवत कार्यवाही की जायेगी।

गायत्री कुमार सारथी
प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी
वारासिवनी

मेहंदीवाडा में आंधी तूफान का तांडव

विशालकाय पेड़ गिरने से एलटी लाइन क्षतिग्रस्त, बड़ा हादसा टला

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत मेहंदीवाडा में शुक्रवार की रात प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला। तेज गर्जना और भीषण आंधी तूफान के कारण एक विशालकाय पेड़ धराशाई होकर विद्युत लाइन पर जा गिरा। जिससे बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। हालांकि एक बड़ा हादसा होते होते टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात करीब ११ बजे अचानक मौसम ने करवट ली। देखते ही देखते धूल भरी आंधी और तेज तूफान का सिलसिला शुरू हो गया जो लगभग एक घंटे तक जारी रहा। इसके बाद हल्की बूंदाबांदी के साथ बारिश शुरू हुई। इस दौरान हवाओं की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई जगहों पर पेड़ और टहनियां टूटकर गिर गए। तूफान के दौरान ग्राम पंचायत मेहंदीवाडा के गोंडीटोला से झालीवाड़ा मार्ग की ओर जाने वाली एलटी विद्युत लाइन पर एक विशालकाय पेड़ गिर गया।

सीमेंट सड़क के अंतिम छोर पर स्थित यह पेड़ जैसे ही गिरा उसकी चपेट में आकर विद्युत तार बुरी तरह टूटकर क्षतिग्रस्त हो गए। गनीमत यह रही कि विद्युत तार पोल के प्रारंभिक छोर से टूटा। इसके परिणाम स्वरूप लाइन में विद्युत प्रवाह तुरंत बंद हो गया। यदि यह तार दूसरे छोर से टूटता और जमीन पर गिरते समय इसमें करेंट प्रवाहित होता रहता तो कोई बड़ी जनहानि या मवेशियों की मौत जैसी दुखद घटना घटित हो सकती थी। लाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण गोंडीटोला के प्रभावित ग्रामीणों को पूरी रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। शनिवार सुबह घटना की सूचना विद्युत विभाग को दी गई। विभाग की टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए दोपहर में मरम्मत का कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद टूटे हुए तारों को जोड़ा गया और शनिवार शाम करीब ४ बजे विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल की जा सकी तब जाकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

रोजगार मेंले में जिले के समस्त बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना-भारती पारधी

शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में रोजगार मेले का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में संचालित स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वाधान में ४ अप्रैल को रोजगार मेला का आयोजन किया गया। जिसमें अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्तिकेय जायसवाल के मार्गदर्शन तथा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सरिता कोल्हेकर के नेतृत्व, हेमन्त कुमार मण्डाले संयोजन ,नरेन्द्र कुमार डोंगरे प्रभारी स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा महाविद्यालय परिवार के सहयोग से आयोजित किया गया। रोजगार मेला २०२६ का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती भारती पारधी सांसद ,विवेक पटेल विधायक, प्रदीप जायसवाल पूर्व केबीनेट मंत्री,मृणाल मीना कलेक्टर बालाघाट, अभिषेक सराफ मुख्य कार्यपालन अधिकारी बालाघाट, आकाश अग्रवाल सहायक कलेक्टर बालाघाट, कार्तिकेय जायसवाल की अध्यक्षता तथा संदीप मिश्रा नगर मंडल अध्यक्ष की उपस्थिति में किया गया। सांसद भारती पारधी ने कहा कि यह रोजगार मेला प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने हेतु शासन द्वारा हर हाथ कौशल, हर हाथ रोजगार' योजना अन्तर्गत आयोजित किया गया है। जिसमें समस्त बेरोजगार युवा अपनी योग्यता एवं क्षमता के अनुसार अवश्य लाभ ले सकते है। हमारा लक्ष्य जिले के समस्त बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पंजीकृत लाभार्थियों को नौकरी के लिए साक्षात्कार देने हेतु अग्रीम बधाइयाँ प्रेषित करती हूॅ। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि आज महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगाल मेले का आयोजन किया गया है। जिसमें निःशुल्क पंजीयन कर लाभार्थी योग्यता के अनुसार इस रोजगार मेले का लाभ ले सकते है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि अभी तक बालाघाट जिले में रोजगार की कमीयॉ थी। लेकिन अब जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित इस प्रकार रोजगार मेला के द्वारा रोजगार की कमीयों को दूर किया जा सकता है। कलेक्टर मृणाल मीणा ने कहा कि जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित रोजगार मेले में जितने भी बेरोजागर विभिन्न समूहों कि नौकरीयों के लिए आवेदन कर रहे है वे आवश्यकता अनुसार डिग्री के साथ उपस्थित होकर स्वंय और अपने साथियों को रोजगार प्राप्त करने हेतु प्रेरित कर सकते है। सभी प्रतिभागी किसी भी प्रकार की भ्रांतियों एवं अपवाहों पर ध्यान ना दे, यह संपूर्ण भर्तियॉ जिला प्रशासन की निगरानी में होती है। रोजगार मेला में उपस्थित आशिष मिश्रा जिला रोजगार अधिकारी के द्वारा रोजगार मेला २०२६ के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की गयी। रोजगार मेला २०२६ में यजाकी अहमदाबाद, फंक्सकान बंगलुरू, रॉयल इनफ ील्ड अहमदाबाद, टाटा मोटर्स अहमदाबाद, माइक्रोन चीप उत्पादन अहमदाबाद कम्पनीयॉ उपस्थित रही। रोजगार मेला में बालाघाट से जिले से लगभग ७४४ बेराजगार युवक युवतीयों के द्वारा उपरोक्त कम्पनीयों में अपनी योग्यतानुसार पंजीयन करवाकर साक्षात्कार की प्रक्रियॉ पूर्ण की गयी। जिसमें कुछ चयनित प्रतिभागियों को उपस्थित अतिथियों के द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। कार्तिकेय जायसवाल अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के द्वारा रोजगार मेला २०२६ में उपस्थित अतिथियों, जिला प्रशासन, विभिन्न कम्पनियों के प्रतिनिधि, शासकीय एसएसपी महाविद्यालय , विभिन्न जनपद पंचायत, जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों से उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी एवं पंजीकृत लाभार्थियों का आभार व्यक्त किया।

लामता में जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत महकारी नदी में सफाई कार्य संपन्न

पद्मेश न्यूज। लामता। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत लामता में जलगंगा संवर्धन अभियान के तहत महकारी नदी में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण को बढ़ावा देना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

इस दौरान ग्राम पंचायत लामता के व्यापारी संघ, ग्रामीणों एवं युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी ने मिलकर नदी की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत द्वारा किए गए बोरी बंधान कार्य को जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया गया। उपस्थित सभी लोगों ने इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया तथा जल संरक्षण हेतु शपथ भी ग्रहण की।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत एवं तहसील प्रशासन द्वारा निर्देशित किया गया कि घरों एवं दुकानों का कचरा किसी भी जल स्रोत में न डाला जाए, जिससे स्वच्छता एवं जल की गुणवत्ता बनाए रखी जा सके।

कार्यक्रम में लामता तहसीलदार दशवंता मरावी, सरपंच हुलासमल कोचर, उपसरपंच राजेंद्र मानेश्वर, भाजपा मंडल अध्यक्ष योगेश खैरवार, सचिव आशीष राहंगडाले सहित शरद जायसवाल, शत्रुघ्न असाटी, प्रदीप जैन, गणेश असाटी, शुभम गुप्ता, राकेश जैन, विक्रम ठाकुर, सुशील कोचर, यश कोचर, वेद प्रकाश घुले, अनमोल भलावी, लक्की ब्रम्हे, हर्ष जैन, अमित धामड़े, अनमोल चौरसिया, लखन असाटी, सुमित पारासर, ग्राम रक्षक दिनेश राउत, दिलीप चौहान, पुलिस थाना स्टाफ एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण व व्यापारीगण उपस्थित रहे।

देवधर मैदान में खेले गये खिलाडी अरशद खान गुजरात टाइटन्स में और मंगेश यादव रायल चैलेंजर्स बैंगलौर की टीम में हुये शामिल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आल इंडिया देवधर क्रिकेट ट्राफी वारासिवनी के कई कीर्तिमानों में अब एक नया अध्याय जुड़ते देखा जा रहा है। वर्तमान में इसी मैदान से खेल की बारीकियों को सीखने वाले दो खिलाडी आईपीएल २०२६ में गुजरात टाइटन्स और रायल चौलेंजर्स बैंगलौर टीम में प्रमुख रूप से शामिल हुये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवनी की टीम से सन २०१९ तक अरशद खान देवधर ट्राफी में लंबे समय तक खेलने आया करते थे। जिन्हें अभी गुजरात टाइटन्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। इसी देवधर मैदान की पहचान एम एच क्लब जबलपुर के सन २०२४ के खिलाडी मंगेश यादव को रायल चैलेंजर्स बैंगलौर ने करोड़ो रुपए में हायर कर टीम का मनोबल बढ़ाया है। देवधर क्लब के सरंक्षक प्रदीप जायसवाल ने बताया की देवधर मैदान से आईपीएल २०२६ तक का सफर कड़ी मेहनत और अटूट समर्पण का प्रतीक है। इस शानदार उपलब्धि के लिए वे दोनो प्रतिभावान खिलाडी अरशद खान व मंगेश यादव को बहुत बहुत बधाई प्रेषित करते है। इन दोनो खिलाडीयों ने साबित कर दिया है कि सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है। अब आईपीएल के बड़े मंच पर अपने टैलेंट का जलवा दिखाने और नई ऊंचाइयों को छूने के लिए उन्हे पूरे देवधर परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान करते है।

रामपायली में हज़रत बाबा चांदशाह वली दरगाह में सालाना उर्स का आयोजन ७ अप्रैल से प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/ रामपायली। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी रामपायली के हज़रत बाबा चांदशाह वली दरगाह में सालाना उर्स का आयोजन ७ अप्रैल से प्रारंभ हो रहा है। जिसमें ९ अप्रैल की रात्रि में शानदार कव्वाली का दिलकश प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। दरगाह शरीफ के खिदमतगार विकास रोशन बाबा दीवाना चिश्ती ने बताया कि दरगाह शरीफका गुस्ल कुरान ख्वानी परचम कुशाई ८ अप्रैल को मिलाद शरीफ

,९ अप्रैल को परचम कुशाई शाम ४ बजे संदल शरीफदरगाह से निकलकर गांव का गस्त करता हुआ तमाम दरगाह में चादर पेश करता हुआ वापस आकर दरगाह शरीफ में शंदल चादर पेश की जाएगी। बाद लंगर का आयोजन किया गया है, जिसमें अधिक से अधिक लोगों को शिरकत फरमाकर फैज हासिल करने की गुजारिश करते हुए आगे बताया कि हजरत बाबा चांदशाह वली की दरगाह वर्षो पुरानी है । जहां आम जन अपनी मुराद लेकर प्रतीदिन पहुंचते हैं और निदान होता है, १० अप्रैल को कुल शरीफ और फातिया ख्वानी के साथ इस आयोजन का समापन किया जाएगा।

तेल के खेल में सत्ता का नया केंद्र बनेगा भारत?

अमेरिका के राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के दिए एक बयान से तेल के खेल में भारत सत्ता का नया केंद्र बन सकता है? राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला को लेकर एक बयान दिया है जिसमें साफ-साफ कहा है कि अब अमेरिका वेनेजुएला के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम भारी मात्रा में तेल और गैस के उत्पादन और बिक्री में बहुत अच्छा तालमेल बिठा रहे हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद पृथ्वी पर दूसरा सबसे बड़ा भंडार अब हम कच्चे तेल के लिए मध्य पूर्व पर पूरी तरह से निर्भर नहीं हैं और फिर भी हम वहां सहायता के लिए मौजूद हैं। हालांकि, ट्रंप ने भले ही वेनेजुएला के तेल भंडार पर कब्जा कर लिया हो लेकिन इसमें सबसे अधिक फायदा भारत को हो सकता है। भारत इसमें सत्ता का केंद्र बन सकता है ? यानी भारत तेल के खेल में विश्व उर्जा का केंद्र बन सकता है क्योंकि भारत भले ही दूसरे देशों से कच्चे तेलों का निर्यात करता हो लेकिन कच्चे तेल की रिफाइनिंग के लिए अन्य देशों को हम भारत पर ही निर्भर रहना पड़ता है, क्योंकि रिफाइनरी के मामले में भारत दुनिया के सभी देशों से आगे हैं। अगर अमेरिका वेनेजुएला के कच्चे तेल को यूरोपियन देश को बेचता है तो इसमें भी भारत का ही सबसे अधिक फायदा है। क्योंकि, यूरोपियन देश भारत से सबसे अधिक रिफाइंड तेल खरीदते हैं। अमेरिका खुद भारत से सबसे अधिक रिफाइंड तेल का निर्यात करता है। ऐसे में आने वाला भविष्य भारत के लिए अच्छा संकेत दे रहा है। वैश्विक राजनीति में तेल (ऊर्जा) हमेशा से शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। 20वीं सदी में (ऑर्गनाइजेशन ऑफ दॅ प्रेट्रोलियम इ एंड पोर्टिंग कंट्रीज) देशों और पश्चिमी शक्तियों के बीच तेल की राजनीति ने विश्व व्यवस्था को आकार दिया। आज 21वीं सदी के तीसरे दशक में, बदलते ऊर्जा समीकरणों के बीच यह सवाल फिर उठ रहा है—क्या भारत इस तेल के खेल में सत्ता का नया केंद्र बन सकता है?

इस बदलते वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति श्रृंखलाओं में बड़ा बदलाव आया। यूरोप ने रूसी तेल पर निर्भरता घटाई, वहीं भारत ने सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात बढ़ाकर अपनी ऊर्जा रणनीति को मजबूत किया। इससे भारत न केवल लागत में बचत कर सका, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार में अपनी वॉर्गनिंग पॉवर भी बढ़ाई। ऐसे में समय में भारत की रणनीतिक स्थिति की बात करे तो भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता है। इसकी भौगोलिक स्थिति—मध्य पूर्व, रूस और एशिया के बीच—इसे एक प्राकृतिक ऊर्जा हब बनने का अवसर देती है।

भारत ने एक ओर रूस से तेल आयात बढ़ाया, तो दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के साथ संबंधों को भी संतुलित रखा। भारत रिफाइनिंग और निर्यात की ताकत रखता है। भारत केवल तेल आयातक ही नहीं, बल्कि एक प्रमुख रिफाइनिंग हब भी बन चुका है। भारतीय रिफाइनरियां कच्चे तेल को प्रोसेस करके यूरोप और अन्य देशों को पेट्रोलियम उत्पाद निर्यात कर रही हैं। इस प्रक्रिया में भारत एक मध्यस्थ शक्ति के रूप में उभर रहा है—जहां कच्चा तेल कहीं से आता है और तैयार उत्पाद कहीं और जाता है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता: लोकतंत्र के लिए चुनौती

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जु ?ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वत: कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुन: स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

--ललित गर्ग

खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना चाहिए, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है

- किशन सनमुखदास भावनानी

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यूं वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्टीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्टीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी ख़राब हालात जो आश्चर्य वाली बात है। साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुत- प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं- अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना। साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फ़िर देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा ।भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है । क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है । सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब में नहीं होती । प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है । प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि खुलकर हंसना, मुस्कुराना,प्रसन्न रहना चाहिए,मन की प्रसन्नता खुदसृजित की हुई दवा के समान है।दुनियां में मन का संतोष प्रसन्नता खुशी और अच्छी सेहत ही सबसे बड़ी पूंजी है।आज की दुनियां मे वो सबसे अधिक खुश है जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन है।

असम में विकास की नई गाथा डबल इंजन सरकार के भरोसे जीत की हैट्रिक की ओर

असम की राजनीति इन दिनों एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है जहाँ विकास, सुशासन और स्थिरता चुनावी विमर्श के केंद्र में आ गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया दौरे और जनसभाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए इस बार भी राज्य में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है। उनके भाषणों में न केवल आत्मविश्वास झलकता है बल्कि पिछले वर्षों में किए गए कार्यों का ठोस आधार भी दिखाई देता है। इसी कड़ी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की कार्यशैली और प्रशासनिक दक्षता ने राज्य की तस्वीर बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बीते एक दशक में असम ने जिस तरह से परिवर्तन का अनुभव किया है वह अभूतपूर्व कहा जा सकता है। एक समय था जब राज्य की पहचान अशांति, उग्रवाद और पिछड़ेपन से जुड़ी होती थी लेकिन आज वही असम विकास, निवेश और स्थिरता के नए मॉडल के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में जिस चाय और चिप की पहचान की बात कही वह केवल एक नारा नहीं बल्कि भविष्य की स्पष्ट दिशा का संकेत है। असम जो कभी केवल चाय उत्पादन के लिए जाना जाता था अब सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के क्षेत्र में भी अपनी जगह बनाने की ओर बढ़ रहा है। यह परिवर्तन बताता है कि सरकार की सोच केवल वर्तमान तक सीमित नहीं है बल्कि आने वाले दशकों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाई जा रही हैं।

कानून व्यवस्था के क्षेत्र में हुए सुधार इस बदलाव की सबसे मजबूत नींव हैं। एक समय था जब असम में बंद, कर्फ्यू और हिंसा आम बात थी। निवेशक राज्य में आने से कतराते थे और आम नागरिक असुरक्षा के माहौल में जीवन जीने को मजबूर था। लेकिन डबल इंजन सरकार के आने के बाद हालात तेजी से बदले हैं। उग्रवाद पर कड़ा प्रहार किया गया और हजारों युवाओं को मुख्यधारा में लौटने का अवसर मिला। आज असम में शांति का वातावरण है और यही शांति विकास की सबसे बड़ी शर्त है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन को सक्रिय और जवाबदेह बनाया है जिससे जनता में विश्वास बढ़ा है।

विकास की बात करें तो बुनियादी ढांचे में जबरदस्त सुधार देखने को मिला है। सड़कों का जाल तेजी से फैलाया गया है और ऐसे हाईवे तैयार किए गए हैं जिन पर आपातकालीन स्थिति में लड़ाकू विमान तक उतर सकते हैं। यह केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण है। ब्रह्मपुत्र नदी पर नए पुलों का निर्माण और अंडर टनल परियोजना से राज्य के विभिन्न हिस्सों के बीच दूरी कम हो रही है जिससे व्यापार और आवागमन दोनों को गति मिली है। यह वही असम है जहाँ कभी एक किनारे से दूसरे किनारे तक पहुंचना कठिन माना जाता था।

गरीब कल्याण योजनाओं के प्रभाव ने भी सरकार की लोकप्रियता को बढ़ाया है। लाखों परिवारों को पक्के घर उपलब्ध कराए गए हैं जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हुआ है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए चलाई गई योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से हजारों महिलाएं आज अपनी आय बढ़ाने में सफल हुई हैं। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक भी है क्योंकि इससे महिलाओं की स्थिति मजबूत हुई है और उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जहाँ पहले मेडिकल कॉलेजों की संख्या बहुत सीमित थी वहीं अब नए कॉलेजों का निर्माण और पुराने संस्थानों का विस्तार किया गया है। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है बल्कि युवाओं के लिए शिक्षा के नए अवसर भी पैदा हुए हैं। इसी तरह स्कूल शिक्षा को मजबूत करने के लिए कई नई योजनाएं लागू की गई हैं ताकि आने वाली पीढ़ी बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सके।

प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों और मुख्यमंत्री सरमा के क्रियान्वयन के बीच जो तालमेल देखने को मिलता है वह इस सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय ने विकास योजनाओं को जमीन पर उतारने में तेजी लाई है। यही कारण है कि असम में डबल इंजन सरकार का मॉडल सफल होता नजर आ रहा है। यह मॉडल केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं है बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर भी समान रूप से ध्यान देता है।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो भाजपा और एनडीए की हैट्रिक की संभावना इसी मजबूत प्रदर्शन पर आधारित है। जनता ने पिछले वर्षों में बदलाव को महसूस किया है और यही अनुभव चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री मोदी का करिश्माई नेतृत्व और मुख्यमंत्री सरमा की सक्रियता मिलकर एक ऐसी राजनीतिक ताकत बनाते हैं जो विपक्ष के लिए चुनौती बन गई है। कांग्रेस पर लगाए गए आरोप और उसके पुराने शासन की यादें भी भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने में मदद करती हैं।

असम में पहचान की राजनीति से ऊपर उठकर विकास की राजनीति को स्थापित करना इस सरकार की बड़ी उपलब्धि है। आज राज्य में निवेश की संभावनाएं बढ़ रही हैं और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ है। चाय उद्योग के साथ साथ नए सेक्टर में विस्तार से रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। इससे युवाओं को राज्य में ही भविष्य बनाने का अवसर मिल रहा है जो पहले संभव नहीं था।

आने वाले चुनावों में यह सभी कारक मिलकर भाजपा को मजबूत स्थिति में खड़ा करते हैं। जनता के बीच सरकार के कामकाज को लेकर सकारात्मक भावना है और यही भावना चुनाव परिणामों में परिलक्षित हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी का यह विश्वास कि असम में हैट्रिक तय है केवल राजनीतिक बयान नहीं बल्कि जमीनी हकीकत पर आधारित आकलन प्रतीत होता है।

अंतत: यह कहा जा सकता है कि असम आज एक परिवर्तनशील राज्य के रूप में उभर रहा है जहाँ विकास और सुशासन की नई कहानी लिखी जा रही है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और हिमंत बिस्वा सरमा की कार्यकुशलता ने मिलकर इस परिवर्तन को संभव बनाया है। यदि यही गति बनी रहती है तो असम न केवल पूर्वोत्तर का बल्कि पूरे देश का एक प्रमुख विकास मॉडल बन सकता है और यही विश्वास भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की ओर अग्रसर करता है।

- कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलों की माँग के चलते शनिवार को अनाज मंडी में चना बाजार मजबूती पर रहा। मोटे अनाजों में गेहूं में सुस्ती रही। खाद्य तेलों में मजबूती के साथ बाजार बने रहे। तिलहनों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर व कालीमिर्च बाजार सुर्ख रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में मिलों की छुटपुट माँग से बाजार मजबूती के साथ सुधार पर रहे। अन्य दलहनों में भाव पूर्वस्तर पर टिके रहे। मोटे अनाजों में गेहूं में आवकों के चलते बाजार सुस्त नज़र आये। खाद्य तेलों में भाव मजबूती के साथ टिके रहे। तिलहनों में सामान्य कारोबार के बीच तेजी मंदी का अभाव रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार 4125-4180 रू. प्रति क्विंटल पर मजबूत रहे। कालीमिर्च में तेजी नज़र आयी। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4125-4180, खोपरा गोला 340-390, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 270-280, ऊंझा हल्का 250-260, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-860, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2760, सोया साल्वेंट 1505-1510, सोया रिफाइंड 1570-1580, कपास्या 1500-1510, धूलिया 1490, कड़ी 1500,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1570,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2275, देवास-उज्जैन 2275, खंडवा-बुरहानपुर 2250, अकोला 3525 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7400-7600, रायडा 6400-6600, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5600-5675, एवरेज 5500-5550, विशाल 5550-5600, महाराष्ट्र विशाल 5550-5600, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7500-7700, एवरेज 7300-7400, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2250-2300, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार सामान्य ही रहा। दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार कमोवेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 233500, चाँदी (99) 233400, टंच 232500, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151250,

विदेशी मुद्रा भंडार 10.29 अरब डॉलर घटा, 688 अरब डॉलर पर आया

मुंबई। एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार चौथे सप्ताह घटकर 688 अरब डॉलर पर आ गया है। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में भंडार में 10.29 अरब डॉलर की कमी दर्ज की गई। इससे पहले यह 728.49 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर था। विशेषज्ञों का मानना है कि रुपये में कमजोरी को थामने के लिए बाजार में डॉलर की बिक्री की गई, जिसके चलते भंडार में गिरावट आई। साथ ही गोल्ड रिजर्व में भी कमी दर्ज की गई है। हालांकि अर्थशास्त्रियों के मुताबिक मौजूदा भंडार आयात कवर के लिहाज से अब भी संतोषजनक स्थिति में है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन दिन रहा बड़ा उतार-चढ़ाव

मुंबई। एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। महावीर जयंती 31 मार्च और गुड फ्राइडे 3 अप्रैल के अवसर पर बाजार बंद रहने के कारण केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और पश्चिम एशिया में अमेरिका-ईरान संघर्ष की वजह से निवेशकों का मनोबल कमजोर रहा, जबकि सप्ताह के मध्य में सुधार की उम्मीदों ने बाजार को हरा निशान दिखाने में मदद की। विदेशी निवेशकों की निकासी और घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत ने सप्ताह की शुरुआत में गिरावट का माहौल बनाया, लेकिन ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार ने रिकवरी दिखाई। सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी में शुरुआती कारोबार में ही बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,191.24 अंक गिरकर 72,391.98 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 349.45 अंक गिरकर 22,470.15 के स्तर

पर था। दिन के अंत में गिरावट और तेज़ हुई और सेंसेक्स 1,635.67 अंक गिरकर 71,947.55 पर, निफ्टी 488.20 अंक गिरकर 22,331.40 पर बंद हुआ। विदेशी निधियों की निकासी ने इस कमजोरी को और बढ़ाया। बुधवार को बाजार ने मजबूत शुरुआत की। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान संघर्ष के जल्द समाधान की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स ने शुरुआती कारोबार में 1,899.53 अंक की तेजी दिखाई और 73,847.08 पर पहुंचा, जबकि निफ्टी 572.55 अंक बढ़कर 22,903.95 पर रहा। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,186.77 अंक बढ़कर 73,134.32 पर, और निफ्टी 348.00 अंक बढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में बाजार ने रिकवरी दिखाई। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से लगभग 950 अंकों की रिकवरी कर पाया और निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स 72,661.06 पर और निफ्टी 22,533.30 पर कारोबार कर रहे थे, जिससे स्पष्ट हुआ कि निवेशक निचले स्तर पर ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी कर रहे हैं।

तेल की बढ़ती कीमतों से महंगाई पर दबाव, बढ़ सकती है ब्याज दरें-रिपोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। विदेशी ब्रोकरेज हाउस एचएसबीसी ने चेतावनी दी है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं, तो भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर 6 फीसदी से अधिक हो सकती है। इससे आरबीआई को ब्याज दर बढ़ाने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। एचएसबीसी के अर्थशास्त्रियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि तेल की कीमतें अगर 100 डॉलर के नीचे बनी रहती हैं, तो महंगाई दर 6 फीसदी से कम बनी रह सकती है। लेकिन इसके ऊपर जाने पर महंगाई दर बढ़ सकती है और आरबीआई को डॉलर के मुकाबले रुपये को संभालने के लिए मौद्रिक नीति का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ब्याज दरों के माध्यम से रुपये को मजबूत करना महंगा साबित हो सकता है, क्योंकि तेल की ऊंची कीमतें आर्थिक वृद्धि पर दबाव डाल सकती हैं। इसलिए अर्थशास्त्रियों का सुझाव है कि फिलहाल मौद्रिक और राजकोषीय दोनों मोर्चों पर 'तटस्थ' रुख अपनाया जाए। 'तटस्थ' नीति का अर्थ है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के स्तर के आसपास राजकोषीय घाटा बनाए रखा जाए और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आवश्यक बढ़ोतरी करके इसे नियंत्रित किया जाए। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अगर ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति कुछ और सप्ताह तक दबाव में बनी रहती है, तो इसका असर महंगाई से अधिक आर्थिक वृद्धि पर पड़ेगा। इसका मतलब है कि तेल की कीमतें सिर्फ महंगाई बढ़ाने का कारण नहीं, बल्कि विकास की गति धीमी करने वाला भी बन सकती हैं।

वेदांता का मार्च तिमाही में एल्युमिनियम, जिंक का उत्पादन बढ़ा, लौह अयस्क का घटा

नई दिल्ली। एजेंसी। खनन और ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 की अंतिम तिमाही का परिचालन परिणाम जारी कर दिया है। रिपोर्ट में एल्युमिनियम और जस्ता उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात उत्पादन में गिरावट देखने को मिली। कंपनी के अनुसार मार्च तिमाही में कुल एल्युमिनियम उत्पादन में 2 फीसदी वृद्धि हुई। इसके साथ ही जिंक इंडिया के खनन धातु उत्पादन में भी 2 फीसदी का इजाफा हुआ। यह संकेत है कि धातु खंडों में मांग और परिचालन क्षमता अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है।

हालांकि, तेल एवं गैस खंड में कंपनी का औसत दैनिक सकल उत्पादन 15 फीसदी घटकर 81,500 बैरल प्रति दिन रह गया। वहीं बिक्री-योग्य लौह अयस्क उत्पादन में 3 फीसदी और इस्पात उत्पादन में 1 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी ने बयान में कहा कि वह कुशलता बढ़ाने, परिचालन पैमाने का विस्तार करने और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वेदांता का व्यवसाय वैश्विक प्राकृतिक संसाधन और प्रौद्योगिकी समूह के तहत खनिज, ऊर्जा संक्रमण धातुएं, तेल एवं गैस और बिजली जैसे प्रमुख क्षेत्रों में फैला हुआ है। विश्लेषकों का मानना है कि यह मिला-जुला प्रदर्शन वैश्विक कच्चे माल की कीमतों, मांग में उतार-चढ़ाव और ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों को दर्शाता है। एल्युमिनियम और जस्ता में वृद्धि कंपनी की कुछ मजबूत धातु लाइन को उजागर करती है, जबकि तेल, लौह अयस्क और इस्पात में गिरावट उद्योग में अस्थिरता और बाहरी दबाव का संकेत देती है।

मेष- आज का दिन आपके जीवन में एक अलग ही चमक लेकर आता दिख रहा है। जैसे ही सुबह की शुरुआत होगी, आपको महसूस होगा कि भौतिक सुख-सुविधाओं में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है और मन भी हल्का और खुश रहेगा। प्रेम जीवन में तो मानो आज जादू सा घुला हुआ है। आप अपने साथी के साथ कुछ खास पल बिताने के लिए कहीं बाहर घूमने जाने का प्लान बना सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके चारों ओर एक खुशनुमा ऊर्जा लेकर आएगा, जैसे हर चीज अपने आप सही दिशा में बढ़ रही हो। कामकाज में आपकी रफ्तार इतनी तेज होगी कि आप खुद भी चौंक जाएंगे, खासकर कार्यक्षेत्र में आप अपने जूनियर्स से बेहतरीन तरीके से काम निकलवा पाएंगे। विदेश से जुड़े व्यापार करने वालों के लिए तो आज कोई ऐसी खबर आ सकती है, जो दिल को खुशी से भर दे। मन की कोई पुरानी इच्छा आज पूरी होकर आपको संतुष्टि का अहसास कराएगी।

मिथुन- आज का दिन जैसे आपके लिए अधूरे कामों को पूरा करने का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से जो काम टलते जा रहे थे, आज आप उनमें तेजी से आगे बढ़ेंगे और सफलता की ओर कदम बढ़ाएंगे। नए लोगों से मुलाकात होगी, और ये मुलाकातें भविष्य में आपके लिए नए रास्ते खोल सकती हैं।

कर्क- आज का दिन थोड़ा हल्का-फुल्का और आनंद से भरा रहेगा। दोस्तों के साथ समय बिताने का मन करेगा और आप किसी पार्टी या छोटी सी गेट-टुगेदर का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि, घर से निकलने से पहले माता-पिता की अनुमति लेना आपके लिए शुभ रहेगा। नौकरीपेशा लोगों के लिए आज का दिन खास है, क्योंकि उनके काम की सराहना होगी और उन्हें सफलता का स्वाद चखने को मिलेगा।

सिंह- आज का दिन आपको व्यस्तता के साथ-साथ उपलब्धियों की ओर भी ले जाएगा। कामकाज का दबाव जरूर रहेगा, लेकिन उसी के बीच आपको अपनी मेहनत का फल मिलने की उम्मीद भी दिखाई देगी। व्यापार में अभी थोड़ा धैर्य रखना होगा, क्योंकि सफलता थोड़ी देर से ही सही, लेकिन निश्चित रूप से मिलेगी।

कन्या- आज का दिन आपको खर्चों को लेकर थोड़ा सतर्क रहने का संकेत दे रहा है। मन चाहेगा कि आप अपनी पसंद की चीजों पर खुलकर खर्च करें, और इससे आपको खुशी भी मिलेगी, लेकिन संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। धन-धान्य में वृद्धि के संकेत हैं और कोई पुराना लेनदेन भी आज खत्म हो सकता है, जिससे मन हल्का महसूस करेगा।

तुला- आज का दिन आपको थोड़ा सतर्क रहने की सलाह दे रहा है, खासकर कानूनी मामलों में। कोई पुराना मामला फिर से सामने आ सकता है, जो थोड़ी चिंता बढ़ा सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि छोटी सी चूक भी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो आज उसे निभाने का सही समय है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए काफी अनुकूल नजर आ रहा है। चीजें धीरे-धीरे आपके पक्ष में होती जाएंगी और आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा। हालांकि, सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी जरूरी है, खासकर पेट से जुड़ी समस्याओं को नजरअंदाज न करें। दूसरों के मामलों में दखल देने से बचें, क्योंकि इससे आपकी अपनी परेशानियां बढ़ सकती हैं। पिताजी की सेहत को लेकर यदि कोई चिंता है, तो आज सही डॉक्टर से सलाह लेना फायदेमंद रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए आय के नए रास्ते खोलने वाला साबित हो सकता है। अगर आप नौकरी बदलने की सोच रहे थे, तो आज कोई ऐसा अवसर मिल सकता है जो आपके भविष्य को नई दिशा दे। परिवार में किसी शुभ कार्य का आयोजन माहौल को खुशियों से भर देगा। विद्यार्थियों के मन में कुछ नया सीखने की इच्छा जागेगी और वे किसी नए कोर्स की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

मकर- आज का दिन आपको अपने कामों पर पूरा ध्यान देने की जरूरत का संकेत दे रहा है। कामकाज में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, जिससे मन थोड़ा बेचैन रहेगा, लेकिन अगर आप समय रहते अपने काम पूरे करने की कोशिश करेंगे, तो स्थितियां आपके पक्ष में आ सकती हैं। वाहन चलाते समय सावधानी बरतना जरूरी है, क्योंकि जल्दबाजी नुकसान का कारण बन सकती है।

कुंभ- आज का दिन सेहत के लिहाज से आपके लिए राहत भरा रहेगा। मन भी पहले की तुलना में शांत और स्थिर महसूस करेगा। पिताजी की बातों को नजरअंदाज करने से बचें, क्योंकि उनकी सलाह आज आपके लिए बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। अगर किसी बात को लेकर आपका मन परेशान था, तो आज उसका समाधान मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मनपसंद काम मिलने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन- आज का दिन छोटे-छोटे लाभों को पहचानने और उन्हें अपने पक्ष में करने का है। आपकी कार्य करने की गति तेज रहेगी और आप अपने कामों को समय पर पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यस्तता के बावजूद आप परिवार के लिए समय निकालेंगे, जिससे रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है।

शब्दजाल- 8219

म	म	मा	गौ	त	म	बु	द्ध	गु	क	वि
हा	हा	सू	ह	का	ल	जी	स	ल	को	ज
त्मा	वी	रा	द	अं	त	त	र	मो	ल	अ
गां	र	दा	णा	ल	क	बा	दा	ह	व	र
धी	स्वा	न	ष	प्र	म	डे	र	म्म	सी	विं
दि	मी	य	स	जि	ता	क	प	द	गु	दो
ने	ह	बु	मां	या	म	प	टे	र	रु	घो
वी	पू	सु	ल्ता	न	पं.	सौ	ल	ट	ना	ष
मों	रे	त	सू	ह	रे	ने	ने	जे.	न	र
गि	ल	च	त	र	ट	क	ह	न	क	थ
या	अ	क	ब	र	बा	इ	र	रू	ह	धी

शब्दजाल में 'महापुरुषों' के 10 नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

गौतमबुद्ध, महावीर स्वामी, महाराणा प्रताप, अकबर, महात्मागांधी, टीपू सुल्तान, गुरुनानक, अरविंदो घोष, सरदार पटेल, पं.नेहरू

शब्दजाल - 8218 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7163

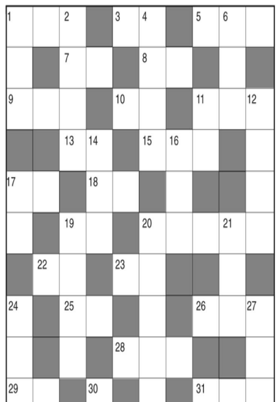

ऊपर से नीचे:-

१. अजय देवगन, आयशा जुल्का, करिश्मा कपूर की 'बेशक तुम मेरी मुहब्बत हो' गीत वाली फिल्म-३
२. 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
४. अशोक, प्रदीप, मीना कुमारी की 'दिल जो कह न सका' गीत वाली फिल्म-२,२
६. 'एक तो ये बैरी सावन' गीत वाली दिलीपकुमार, शर्मिला की फिल्म-३
११. विश्वजीत, माला की 'रोकना है अगर रोक लीजे मगर' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'मुर्गी ने झूठ बोला' गीत वाली किशोरकुमार, साधना की फिल्म-४
१४. कंवलजीत, वहीदा की 'तुम अपना रंजोगम' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'गुरू' में नायक कौन था-३
१७. मनोजकुमार, नंदा, जया की 'पानी रे पानी तेरा रंग कैसा' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'सावन बरसता है तुझसे मिलने को' गीत वाली मिथुन, मीनाक्षी की फिल्म-४
२०. जीतेंद्र, रीना राय की 'तेरे हाथों में पहनाके चूड़ियां' गीत वाली फिल्म-२,३
२१. आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी की फिल्म-३
२४. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'पानी पानी रे खारे पानी रे' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, माधुरी की 'सात सुरों के तार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चांदी की साइकल' गीत वाली गोविंदा, जूही चावला की फिल्म-२
५. अक्षय, करिश्मा की 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली फिल्म-३
७. नसीरूद्दीनशाह, जैकी, नगमा, शिल्पा की एक फिल्म-२
८. फिल्म 'जाल' की नायिका कौन थी-२
९. 'आयेगा आनेवाला' गीत वाली अशोककुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१०. फिल्म 'हीरा पन्ना' में देव आनंद के किरदार का नाम क्या था-२
११. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुलराय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१३. जैकी श्राफ, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
१५. दक्षिण की फिल्म 'थेवर मगन' किस भाषा में बनी थी?-३
१७. 'वीरू' 'जय' और 'बसंती' आदि किस सुपर हिट फिल्म के पात्र हैं-२
१८. 'दिल है प्यारे जरा' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'अनकही' के गीत 'आँखों में अनजाने' का गायक कौन है-२
२०. 'आते आते तेरी याद' गीत वाली संजयदत्त, अनिता की फिल्म-२,१,२
२२. अमिताभ, जीनत की 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली फिल्म-२
२३. फिल्म 'सलाखें' में नायक कौन था-२
२५. 'क्यूं आँचल हमारा गिरा' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-२
२६. गीत 'दिल के अरमां आँसुओं में' की गायिका कौन है-३
२८. 'काट दिये नाम सब' गीत वाली फिल्म-३
२९. फिल्म 'रॉकी' की नायिका कौन थी-२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़ें' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'सजना के सामने मैं तो गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 7162

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8687

बाएँ से दाएँ

1. उच्च कुल का-3
6. जलज, पंकज, नीरज-3
7. चरित्र, धर्म-5
8. वचन, प्रतिज्ञा-3
10. आनेवाला दिन-2
12. पक्षियों का शोर, पक्षियों की चहचहाट -4
15. अनबन, कहासुनी-4
17. रुपया, पैसा-2
19. भ्रम, संदेह-3
21. कहानी लिखनेवाला-5
23. अंजन-3
24. वजह-3

ऊपर से नीचे

2. अधिवर्ष, 29 फरवरी वाला वर्ष-2,3
3. कंठ, गला-3
4. लाज, लज्जा-3
5. विवाह, ब्याह-2
6. सोना, धतूरा-3
9. टेका, आसरा-3
11. बुरी आदत-2
13. रेखा, लाइन-3
14. हत्या, मर्डर-2
16. नवचंद्राकार -5
18. अनुकृति-3
19. भला कार्य-3
20. घर, गृह, निवास-3
22. युद्ध, संग्राम -2

शब्द पहेली -8686 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.20 बजे से
चंद्र	तुला में	वृष	08.00 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.58 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.28 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.40 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.51 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.05 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.21 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	01.26 बजे से
		कुंभ	03.13 बजे से
		मीन	04.46 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 95 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 12.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 00.08 बजे रात्र को समाप्त।
योग वज्र 14.44 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.00 बजे तदनन्तर बव 01.04 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 16.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 06° 00'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872670
जूलियन दिन 2461135.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल **तारीख** 16
विशेष गणेश चतुर्थी व्रत।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धर्म का आधार

यह घटना उस समय की है, जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन मद्रास के एक ईसाई मिशनरी स्कूल के छात्र थे। वह बचपन से बेहद कुशाग्र एवं तीव्र बुद्धि के थे। कम उम्र में ही उनकी गतिविधियां व उच्च विचार लोगों को हैरानी में डाल देते थे। एक बार उनकी कक्षा में एक अध्यापक पढ़ा रहे थे, जो बेहद संकीर्ण मनोवृत्ति के थे। पढ़ाने के क्रम में वह धर्म के बारे में बच्चों को बताने लगे और बताते-बताते ही वह हिंदू धर्म पर कटाक्ष करते हुए उसे दकियानूसी, रूढ़िवादी, अंधविश्वासी और न जाने क्या-क्या कहने लगे। बालक राधाकृष्णन अध्यापक की ये बातें सुन रहे थे। अध्यापक के बोलने के बाद राधाकृष्णन अपने स्थान पर खड़े होकर अध्यापक से बोले, 'सर ! क्या आपका ईसाई मत दूसरे धर्मों की निंदा करने में विश्वास रखता है?' एक छोटे से बालक का इतना गूढ़ व गंभीर प्रश्न सुनकर अध्यापक चौंक गए। वाकई बालक की बात में शत-प्रतिशत सत्यता थी। दुनिया का प्रत्येक धर्म समानता व एकता का ही संदेश देता है। मगर अध्यापक एक नन्हे बालक के आगे अपनी पराजय कैसे मानते। वह संभलकर बोले, 'क्या हिंदू धर्म दूसरे धर्म का सम्मान करता है?' अध्यापक के यह कहते ही बालक राधाकृष्णन बोले, 'बिल्कुल सर। हिंदू धर्म किसी भी अन्य धर्म में कभी बुराई नहीं ढूंढता। स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा था -पूजा के अनेक तरीके हैं। अनेक मार्ग हैं। हर मार्ग एक ही लक्ष्य पर पहुंचाता है। क्या इस भावना में सब धर्मों को स्थान नहीं मिलता, सर? इसलिए हर धर्म के पीछे एक ही भावना है, वह तो व्यक्ति विशेष पर निर्भर करता है कि वह अपनी आस्था किस में मानता है? किंतु कोई भी धर्म किसी अन्य धर्म की निंदा करने की शिक्षा कभी नहीं देता। एक सच्चा धार्मिक व्यक्ति वह है जो सभी धर्मों का सम्मान करे और उनकी अच्छी बातें ग्रहण करे।' बालक राधाकृष्णन का जवाब सुनकर अध्यापक हैरान हो गए। उन्होंने फिर कभी भविष्य में ऐसी बातें न करने का प्रण किया।

सूडोकु नवताल- 7472

★☆☆☆☆ सरल

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1		8	6
6					4		7	
		8	9	6		4		2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- ■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भर जाने आवश्यक है.
- ■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7471 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	2	1	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

लांजी शराब दुकान के स्थान को लेकर दिन भर चलता रहा विरोध

गुजरी बाजार में ही लगेगी शराब दुकान

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर में लांजी ए के नाम से स्वीकृत शराब दुकान के नियत स्थान को लेकर 30 मार्च से विवाद चला आ रहा था जो शनिवार को देर बैठक के उपरांत गुजरी बाजार में ही लगाये जाने निर्णय लिया गया है। यह दुकान सालेटेकरी मार्ग पर चल रही थी, बिल्डिंग क्षतिग्रस्त होने व आधिपत्य परिवर्तन पर डिस्मेंटल करने के कारण व 1 अप्रैल से ठेका परिवर्तन उपरांत यहां से हटाना पड़ा व अब इस लांजी ए दुकान को नियत स्थान नहीं मिल पा रहा था एवं हर जगह इसका विरोध हो रहा था। पहले भिलाई मार्ग स्थित सिद्धेश्वर मंगल भवन और भारती लॉन के सामने विरोध के बाद अब प्रशासन ने वार्ड क्रमांक 4 के गुजरी बाजार क्षेत्र को नया विकल्प बनाया। जिसके उपरांत यहां भी सब्जी विक्रेताओं एवं आसपास के रहवासियों का विरोध प्रदर्शन प्रारंभ हो गया। इनका कहना है कि जहां शराब दुकान खोली जा रही है उससे महज 50 मीटर से भी कम दूरी पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सरस्वती शिशु मंदिर व उच्चतर माध्यमिक विद्यालय है। इसके एक ओर तालाब तो दूसरी ओर कब्रिस्तान मौजूद हैं, वहीं एक ओर खिलिया मुठिया देव का मंदिर तो दूसरी ओर लोक निर्माण विभाग का विश्राम गृह मौजूद है। जिसके चलते यहां भी जनआक्रोश फूट पड़ा। सुबह से सब्जी मंडी में लोगों का जमावड़ा होने के उपरांत वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद श्रीमती प्रेमलता संजय खोब्रागढ़े, वार्ड क्रमांक 5 के पार्षद प्रतिनिधि लीलाधर डोलस, जम्मू मरार माली समाज के अध्यक्ष भरत बड़मे एवं सब्जी विक्रेताओं तथा आसपास के लोगों के साथ मिलकर रैली निकालकर नगर परिषद लांजी में ज्ञापन सौंपा। इसके उपरांत सभी लोग विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास पर पहुंचकर उसने भेंट की एवं शराब दुकान को अन्यत्र लगाने की मांग की।

दैनिक गुजरी बाजार में खुलेगी शराब दुकान

शराब दुकान के लगातार विरोध के बाद क्षेत्रीय विधायक सहित प्रशासनिक अमला, एवं नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद गण, सहित संबधित विभाग ने स्थान चयन को लेकर एक बैठक का आयोजन 4 अप्रैल को शाम 4 बजे से नगर परिषद के सभा गृह में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है शराब दुकान दैनिक गुजरी बाजार स्थल वार्ड क्रमांक 04 में निर्धारित की गई है। प्रशासनिक तौर पर यह तो निश्चित हो गया कि शराब दुकान दैनिक गुजरी स्थल पर संचालित होगी लेकिन खबर यह भी आ रही है कि दैनिक गुजरी स्थल पर सब्जि आदि विक्रेताओं के द्वारा भी उक्त स्थान पर शराब दुकान खोले जाने का पुरजोर विरोध किया जायेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कलपाथरी में लगाया प्याऊ

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम कलपाथरी (लांजी-उमरी मार्ग) में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भाग लेते हुए जल संरक्षण के प्रति जागरूकता दिखाई और जल का दुरुपयोग न करने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने कुएं, बावड़ी, नदी एवं तालाब जैसे पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया। इस अवसर पर सरपंच लिकेश येड़े, विकासखंड समन्वयक संतोष नागपुरे एवं सेवानिवृत्त शिक्षक शिव एडे ने नर्मदा जी के जयकारों के साथ राहगीरों के लिए पेयजल व्यवस्था हेतु प्याऊ का शुभारंभ किया। शिव एडे ने प्रस्फुटन समिति द्वारा किए गए इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस प्रकार की पहल समाज में जल संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश देती है। साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा भी प्रेरणा लेते हुए दो स्थानों पर 卐जल मंदिर卐 प्याऊ स्थापित करने की घोषणा की गई। कार्यक्रम में परामर्शदाता अशोक घरते, नारायण एडे, नेहा धनोले, किरण नवखरे, सीता कुशले, श्वेता धारणे, रीतू धारणे, रंजीत कुमार, आकाश कुमार, क्षेत्रीय गायक भास्कर बिसेन, व्यवसायी अनिल राहंगडाले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

घर के सामने टहल रहे बुजुर्ग को मोटरसाइकिल चालक ने मारी टक्कर

गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग ने उपचार के दौरान हुई मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नीमटोला मार्ग पर 3 अप्रैल को रात्रि 11ः30 बजे एक हृदय विदारक हादसा घटित हो गया जहां लापरवाह मोटर सायकल चालक के द्वारा खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुये एक बुजूर्ग को टक्कर मार दी जहां उपचार के दौरान बुजूर्ग की मौत हो गई। घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार 72 वर्षीय बाबूलाल अस्तने रात्रि 11ः30 बजे भोजन के बाद घर के सामने टहल रहे थे। इसी दौरान मोटर सायकिल चालक रेवेश पिता रमेश ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों ने मौके पर ही मोटर चालक रेवेश को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि उसने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उसे ज्यादा चोट नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह शराब के नशे में भी था। ग्रामीणों ने उसे मौके पर ही रोके रखा और डायल 112 को सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया। घायल वृद्ध बाबूलाल को तत्काल सिविल अस्पताल लांजी लाया गया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए गोंदिया रेफर किया गया। इलाज के दौरान 4 अप्रैल सुबह करीब 4 बजे अस्पताल में उनकी मौत हो गई, जिससे परिवार में शोक की लहर है।

सनशाईन किड्स प्ले स्कूल लांजी ने घोषित किया वार्षिक परीक्षा फल

बच्चो ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, दी बधाईयॉ

पद्मेश न्यूज। लांजी। सनशाईन किड्स प्ले स्कूल लांजी प्रबंधन के द्वारा अपना वार्षिक परीक्षा फल परिणम घोषित किया गया। जहां परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा, छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्कूल एवं अभिभावको का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय में सभी विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे इसी क्रम में कक्षा नर्सरी से प्रथम स्थान में हर्षिता शेलके 99.5 प्रतिशत , रुद्र समुंडा 99.5 प्रतिशत, दुतीय में हमदान नाजमी 98.5 प्रतिशत , श्रेयांश मेश्राम 98.5 प्रतिशत , प्रवीणा सोमनकर 98.5 प्रतिशत ,तृतीय आरिश शेख 97 प्रतिशत , अन्वीका गुजार 97 प्रतिशत , आरुष बोरकर 97 प्रतिशत , कक्षा एल. के. जी. से प्रथम रितिसा घोंगड़े 99.5 प्रतिशत, प्रिंसी सहारे 99.5 प्रतिशत ,हिमांशी लिल्हारे 99.5 प्रतिशत , सेजल किरमे 99.5 प्रतिशत ,आरोही किरमे 99.5 प्रतिशत , रोनित टेंभरे 99.5 प्रतिशत , दुतीय गुनगुन चौरवाड़े 98 प्रतिशत , लोखी कोठारे 98 प्रतिशत , तृतीय प्रिंसी नेवारे 97.5 प्रतिशत, वंशिका मातरे 97.5 प्रतिशत,कक्षा यू .के. जी. (्) से अंकुश सोनवाने 99.5 प्रतिशत , ग्रेसी सोमनकर 99.5 प्रतिशत , दृतीय इब्राहिम खान 97 प्रतिशत , सुप्रिया कावरे 97 प्रतिशत , तृतीय लवीना राहंगडाले 95.5 प्रतिशत , जीनल हरिनखेडे 95.5 प्रतिशत , आलिया मातरे 95.5 प्रतिशत , अयान किरमे 95.5 प्रतिशत इसी क्रम यू. के. जी. (क्त) से प्रथम गुनगुन चन्नाने 99 प्रतिशत , त्विशा यादव 99 प्रतिशत , नित्या कश्यप 99 प्रतिशत , नित्या मातरे 99 प्रतिशत , भावित अग्रवाल 99 प्रतिशत , दृतीय नित्या रोकड़े 98 प्रतिशत , हर्षिता वाधवा 98 प्रतिशत, तृतीय अथर्व शेडे 97 प्रतिशत , आर्ची पाँचे 97 प्रतिशत , देवांशी मुरकुटे 97 प्रतिशत , प्राची मातरे 97 प्रतिशत , यावि मातरे 97 प्रतिशत , विश्वांक मरठे 97 प्रतिशत , रिषभ किरमे 97 प्रतिशत , कक्षा 1ह्यह्ल से प्रथम आरवी घोंगड़े 98.25 प्रतिशत , कुशान्त वाकले 98.25 प्रतिशत ,दृतीय काव्या सोमनकर 97 प्रतिशत , परम यादव 97 प्रतिशत , तृतीय रुचिका वाक्ले 96.5 प्रतिशत , प्राची मातरे 96.5 प्रतिशत ,देवान्श लिल्हारे 96.5 प्रतिशत ,काम्या किरमे 96.5, अदवीका चौरे 96.5 प्रतिशत , कक्षा 1ह्यह्ल (क्त) से प्रथम जिज्ञाशा भगत 99.25 प्रतिशत, दृतीय तनवी कड्डे 98 प्रतिशत , नैनशी सोमनकर 98 प्रतिशत , तृतीय साहिल नेवारे 97.5 प्रतिशत , ओजश्वि जामरे 97.5 प्रतिशत , शानवी कावरे 97.5 प्रतिशत , प्रयांशी पंचाले 97.5 प्रतिशत,कक्षा 2ठ्ठस्त्र से प्रथम हार्दिक लिल्हारे 99.25 प्रतिशत ,दृतीय दिव्यानी कोठारे 98.25 प्रतिशत , विरांगना किरमे 98.5 प्रतिशत , नित्या मातरे 98.25 प्रतिशत , तृतीय दीपाली पांचाले 97.5 प्रतिशत , निधि मातरे 97.5 प्रतिशत , नमन पाचे 97.5 प्रतिशत , मिज़ान शेख 97.5 प्रतिशत , कक्षा 3ह्ल्स्र से प्रथम वेदांशी थोटे 99.8 प्रतिशत , दर्षिता पिपरे 99.8 प्रतिशत , रितिका मातरे 99.8 प्रतिशत , श्रृष्टि किरमे 99.8 प्रतिशत , महेक सातपुते 99.8 प्रतिशत, रूबी मातरे 99.8 प्रतिशत , द्वितीय भाव्या खरे 98, आएशा बाहें 98 प्रतिशत , तृतीय सुरभि कावरे 97 प्रतिशत , आरवी जामरे 97 प्रतिशत , अनीश दमाहे 97 प्रतिशत , अक्षत रामटेककर 97 प्रतिशत , शिवांश किरनापुरे 97 प्रतिशत , भव्य राजनीरे 97 प्रतिशत , सीतांशु फुल्लारे 97 प्रतिशत , कक्षा 4 से प्रथम दिव्यांशी लटारे 99.6 प्रतिशत , लावनीश साहू 99.6 प्रतिशत , अन्वी रैंच 99.6 प्रतिशत , रुनित कोठारे 99.6 प्रतिशत , भाविका थोटे 99.6 प्रतिशत , शिवांश चौहान 99.6 प्रतिशत , सदस्योर्मी फुल्लारे 99.6 प्रतिशत , दृतीय स्थान में तन्मय पांडे 98 प्रतिशत , विवेक रामटेककर 98 प्रतिशत , तृतीय मनन कोठारे 94.4 प्रतिशत, भव्य पालेवार 94.4 प्रतिशत , शिवाय सोनवाने 94.4 प्रतिशत , इसी क्रम में कक्षा पांचवी से प्रथम स्थान में राशी लिल्हारे 89 प्रतिशत , दृतीय 82 प्रतिशत , साक्षी मातरे 81.5 प्रतिशत , माही येवले 81.5 प्रतिशत ,कक्षा छटवी से प्रथम भावना नागफ़ासे 99.5 प्रतिशत, दृतीय चेष्ठा घोंगडे 97.6 प्रतिशत , तृतीय आंचल देवगड़े 95.8 प्रतिशत ,कक्षा सातवीं से प्रथम गुंजन साहू 99.6 प्रतिशत , दृतीय प्रणय फाये 96.5 प्रतिशत ,चैतन्नय रामटेककर 96.5 प्रतिशत , तृतीय क्षितिज किरमे 93.5 प्रतिशत , पियूष पाचे 93.5 प्रतिशत ,कक्षा आठवी पावनी नागफाशे 82 प्रतिशत , दृतीय अनन्या रैंच 81 प्रतिशत , तृतीय सयाली दुरुगकर 80 प्रतिशत प्राप्त कर विद्यालय एवं अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया हैञ इन सभी छात्र छात्राओं की सफलता के लिए एवम भविष्य में आगे बडने् के लिए विद्यालय के संचालक अविनाश रैंच प्रधान पाठिका श्रीमती योगेश्वरी अविनाश रैंच तथा शाला परिवार की समस्त शिक्षिकाओं की ओर से बधाई प्रेषित करते है और उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट को 6.21 करोड़ की सौगात, आधुनिक भवन व सुविधाएं होंगी विकसित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, बालाघाट को आधुनिक प्रयोगशालाओं एवं क्लासरूम के विकास हेतु म.प्र. शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा 6 करोड़ 21 लाख 62 हजार रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (नई दिल्ली) द्वारा निर्धारित भवन संबंधी कमियों की पूर्ति के लिए दी गई है।

कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में फरवरी 2026 में आयोजित जनभागीदारी समिति की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, संस्था के निर्माणाधीन भवन में द्वितीय एवं तृतीय तल के निर्माण हेतु 380.61 लाख रुपये तथा 400 सीटर मल्टीपर्पस हॉल के निर्माण के लिए 241.01 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। भवन निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है।

करीब 4000 वर्गमीटर क्षेत्र में बनने वाला यह आधुनिक शैक्षणिक भवन लिफ्ट, सौर ऊर्जा, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, फायर सेफ्टी और सीसीटीवी जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा। वहीं लगभग 880 वर्गमीटर में बनने वाला मल्टीपर्पस हॉल विद्यार्थियों को इनडोर खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराएगा।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1962 में दानवीर एम.एम. मुलना द्वारा दान किए गए भवन में स्थापित यह महाविद्यालय वर्तमान में सिविल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल तथा कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में त्रिवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। लगभग 65 वर्ष पुराने भवन के स्थान पर नए भवन का निर्माण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कलेक्टर एवं जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में संचालित इस परियोजना से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेल सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही भविष्य में माइन एवं माइन सर्वेइंग जैसे नए संकाय शुरू होने की संभावनाएं भी मजबूत हुई हैं।

महाविद्यालय के प्राचार्य श्री आर.एम. सोनवे ने बताया कि यह निर्माण कार्य विद्यार्थियों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जिससे उन्हें आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। नई सौगात से वर्तमान एवं पूर्व विद्यार्थियों में उत्साह का माहौल है।

गेहूं खरीदी में व्यापारियों का हित साध रही है सरकार

भोपाल। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी में बार-बार हो देरी को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण, किसान-विरोधी और असंवेदनशील बताया है। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही प्राकृतिक जोखिम, बढ़ती लागत, कर्ज के बोझ और मंडी की अनिश्चितताओं से जूझ रहा है। ऐसे समय में सरकार द्वारा गेहूं खरीदी को टालते रहना किसानों के घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। श्री सिंह ने कहा कि यह अत्यंत चिंताजनक है कि जब किसान अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेचने की उम्मीद लगाए बैठा है, तब उसे मजबूरी में व्यापारियों को बहुत कम दाम पर गेहूं बेचना पड़ रहा है। इससे किसानों को सीधा आर्थिक नुकसान हो रहा है और बैंक से कर्ज लेकर खेती करने वाले अनेक किसान डिफाल्टर होने की कगार पर पहुंच गये हैं। अजय सिंह ने कहा कि सरकार बारदाने की कमी का बहाना बनाकर खरीदी में विलंब कर रही है, जबकि खुले बाजार में और व्यापारियों के पास पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है। यदि व्यापारी बड़े पैमाने पर खरीदी कर सकते हैं, तो सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं क्यों नहीं खरीद सकती? यह प्रश्न सरकार की मंशा पर गंभीर संदेह पैदा करता है। राजस्थान सहित कई राज्यों में गेहूं खरीदी पहले ही शुरू हो चुकी है, लेकिन मध्य प्रदेश में किसानों को लगातार इंतजार कराया जा रहा है। इससे यह आशंका मजबूत होती है कि व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए ही सरकार खरीदी में देर कर रही है।

फोरलेन ग्रीनफील्ड बॉयपास की सौगात-करीब होंगे झांसी और ओरछा

भोपाल। भारत सरकार के सडक् परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के लिए बड़ी सौगात दी है। झांसी और ओरछा को जोड़ते हुए 15 किमी के ग्रीनफील्ड बॉयपास को मंजूरी मिली है, जो 631 करोड़ की लागत से तैयार होगा और जिसकी लंबाई 15.572 किमी होगी। इस ग्रीनफील्ड बॉयपास के कारण एनएच 44 और एनएच 39 आपस में कनेक्ट हो जाएंगे। इसका फायदा ये होगा कि एनएच 44 पर होने वाला पूरे देश का यातायात दबाव कम हो जाएगा। वहीं एमपी-यूपी के बुंदेलखंड के पर्यटन स्थल आपस में ग्रीनफील्ड बॉयपास के जरिए कनेक्ट हो जाएंगे। नेशनल हाइवे 44 पर बढ़ते ट्रैफिक दबाव को कम करने के साथ हाईवे कनेक्टिविटी मजबूत करने केंद्र सरकार ने बुंदेलखंड को बड़ी सौगात दी है। नेशनल हाइवे 44 के साउथ कारीडोर में फोरलेन ग्रीनफील्ड बाईपास के निर्माण की प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना पर 631.73 करोड़ रुपये खर्च होंगे और इसकी लंबाई 15.572 किमी होगी। प्रोजेक्ट को 6 मार्च को एसएफसी की मंजूरी मिल चुकी है। प्रोजेक्ट की निगरानी हाईलेवल कमेटी करेगी। इस फोरलेन ग्रीनफील्ड बॉयपास के निर्माण में 427.29 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बाकी राशि मुआवजे और अन्य कार्यों के खर्च के लिए प्रस्तावित है। सडक् परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, ये ग्रीनफील्ड बॉयपास एनएच-44 पर बंगाय खास गांव (किमी 16/920) से शुरू होकर एनएच-39 पर ओरछा तिगेला (किमी 6/650) तक बनाया जाएगा। इसकी कुल लंबाई 15.572 किमी होगी। बॉयपास के निर्माण कार्य ईपीसी मोड पर एनएचएआई द्वारा कराया जाएगा। ईपीसी यानि इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट निर्माण में अनुबंध का तरीका है। जिसमें निजी कंपनियां डिजाइन, खरीद और निर्माण की जिम्मेदारी लेती हैं।

भोपाल रेल मंडल में एक साल में रिकार्ड 1852 करोड़ की कमाई

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में कमाई का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भोपाल रेल मंडल ने साल 2025-26 में कुल 1852.06 करोड़ रुपये का रिकार्ड राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.77 प्रतिशत अधिक है। वहीं टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 3 लाख से अधिक बिना टिकट यात्रियों के साथ करीब 6 लाख लोगों को पकड़ा गया और इनसे 39.18 करोड़ की वसूली की गई।

डीआरएम पंकज त्यागी ने बताया, भोपाल रेल मंडल के आय में माल परिवहन का सबसे बड़ा योगदान रहा। साल 2025-26 में मालभाड़े से 896.38 करोड़ रुपये की आय अर्जित की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 13.99 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान कुल माल ढुलाई बढक़र 7.23 मिलियन टन तक पहुंच गई। वैगनों के उपयोग में भी 5.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

4.14 करोड़ यात्रियों ने किया सफर

यात्री सेवाओं के क्षेत्र में भी भोपाल मंडल ने बेहतर प्रदर्शन किया। वित्तीय वर्ष में कुल 414.80 लाख यात्रियों ने मंडल की ट्रेनों में यात्रा की। इससे यात्री राजस्व 1013.78 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 6.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं अनारक्षित टिकटों से होने वाली आय में भी 12.32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो आम यात्रियों की बढ़ती संख्या को दर्शाती है।

दो नई ट्रेनों के साथ 16 ट्रेनों को नया ठहराव

डीआरएम त्यागी ने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए इस वर्ष त्रि-साप्ताहिक भोपाल-धनबाद एक्सप्रेस और साप्ताहिक भोपाल-चोपन एक्सप्रेस ट्रेन शुरू की गई है। इसके अलावा भोपाल मंडल के 10 स्टेशनों पर 16 ट्रेनों को नया ठहराव दिया गया, जिससे क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिली। वहीं रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाए हैं। कमलापति-आधारताल एक्सप्रेस को एलएचबी रैक में परिवर्तित किया गया है। इससे ट्रेनों की सुरक्षा, गति और आराम में सुधार हुआ है।

बिना टिकट यात्रियों पर सख्ती

पंकज त्यागी ने बताया कि रेलवे ने बिना टिकट यात्रा के खिलाफ भी सख्त अभियान चलाया। एक साल में 87 विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाए गए। इन अभियानों में हजारों मामलों का पता चला और लाखों रुपये का राजस्व वसूला गया। वहीं डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा देने के लिए यूटीएस मोबाइल ऐप के जरिए टिकट बुकिंग पर 3 प्रतिशत की छूट दी जा रही है, जिसका लाभ 25.58 लाख यात्रियों ने उठाया।

फसलों को भारी नुकसान...बिजली गिरने से 4 मौतें

मौसम का अचानक बदला मिजाज, ग्वालियर, श्योपर, बैतूल, सीहोर , सिवनी-रीवा समेत कई जिलों में बारिश-ओलावृष्टि

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। ग्वालियर, श्योपर, बैतूल, सीहोर , सिवनी-रीवा समेत कई जिलों में बारिश-ओलावृष्टि हुई है। सिवनी और रीवा में आकाशीय बिजली गिरने से चार लोगों की मौत हो गई है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ सिस्टम के एक्टिव होने से मध्य प्रदेश में मौसम अस्थिर बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटे में भोपाल-ग्वालियर समेत 45 जिलों में तेज आंधी और बारिश हो सकती है। प्रदेश के बीच से एक टर्फ गुजर रही है, जबकि ऊपरी हिस्से में दूसरी टर्फ सक्रिय है। वहीं पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में दो चक्रवाती सिस्टम भी बने हुए हैं।

प्रदेश के बीच से एक टर्फ गुजर रही है, जबकि ऊपरी हिस्से में दूसरी टर्फ सक्रिय है। वहीं पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में दो चक्रवाती सिस्टम भी बने हुए हैं। शनिवार को ग्वालियर में शाम करीब 4 बजे अचानक मौसम बदला और तेज बारिश के साथ ओले गिरे। मौसम विभाग ने पहले ही तेज बारिश, आंधी और ओले गिरने की चेतावनी जारी की थी। शहर में जम्मू-कश्मीर

से सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर साफ दिख रहा है। शुक्रवार को हल्की बूंदाबांदी के बाद दिनभर बादल छाए रहे, जिससे गर्मी से राहत मिली। विभाग के अनुसार 7 अप्रैल तक मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। हालांकि, बदला हुआ मौसम किसानों के लिए चिंता बढ़ा रहा है। लगातार नमी और बारिश के कारण गेहूं की फसल प्रभावित हो रही है।

मुलताई में 20 मिनट ओलावृष्टि

बैतूल जिले के मुलताई क्षेत्र के डहुआ, परमंडल, हिवरा और खेरवानी गांवों में शनिवार दोपहर अचानक मौसम बदलने से किसानों को भारी नुकसान हुआ। करीब 20 मिनट तक हुई तेज ओलावृष्टि से गेहूं सहित कई फसलें खराब हो गईं। खेतों में खड़ी फसल के साथ कटाई के बाद रखी गेहूं भी प्रभावित हुई, जिससे दाने झड़ने और खराब होने की आशंका है। किसानों के मुताबिक, दोपहर तक मौसम सामान्य था, लेकिन अचानक काले बादल छा गए और ओले गिरने लगे, जिससे गांव सफेद चादर जैसा दिखने लगा। सब्जी फसलें जैसे टमाटर और मिर्च भी नुकसान की चपेट में आई हैं। किसानों ने प्रशासन से सर्वे कराकर मुआवजे की मांग की है।

कहीं बारिश, कहीं बूंदा-बांदी

प्रदेश के अन्य जिलों में भी मौसम बदला हुआ है। सतना में सुबह तेज हवा के बाद बारिश हुई। नर्मदापुरम और नरसिंहपुर में बूंदाबांदी दर्ज की गई, जबकि सिवनी में रिमझिम बारिश हुई। मुरैना में हल्की बारिश के साथ मौसम ठंडा हुआ। मौसम विभाग ने शनिवार को जबलपुर, छतरपुर, पन्ना, दमोह और कटनी में ओले और बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं भोपाल, ग्वालियर समेत कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। इसके अलावा श्योपुर, मुरैना, बैतूल, भिंड, निवाड़ी और टीकमगढ़ में 60 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलने और ओले गिरने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। रायसेन जिले में खराब मौसम का असर फसलों पर भी पड़ा है। रामपुर मनियाखेड़ी रोड के आसपास कई खेतों में गेहूं की फसल खराब हो गई।

प्रदेश सरकार दायर करे रिव्यू पिटीशन

- टीईटी के विरोध में सीएम को पत्र लिख दिग्विजय सिंह ने की मांग

भोपाल। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर राज्य सरकार के फैसले पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि लंबे समय से कार्यरत शिक्षकों को राहत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू या क्यूरेटिव पिटीशन दायर की जाए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि शिक्षक द्वारा व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन दाखिल करने से उन्हें सीनियर वकीलों की सेवाएं लेनी पड़ेंगी, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। ऐसे में राज्य सरकार को आगे आकर शिक्षकों के हित में पहल करनी चाहिए।

उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि सिविल अपील क्रमांक 1385-1386 (2025) महाराष्ट्र से संबंधित मामला था, जिसमें मध्यप्रदेश पक्षकार नहीं था। इसलिए राज्य सरकार को अपना पक्ष सुप्रीम कोर्ट में रखने का अवसर मिलना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने कहा कि प्रदेश में पहले से ही व्यवसायिक परीक्षा मंडल के माध्यम से मेरिट के आधार पर शिक्षकों की भर्ती होती रही है। ऐसे में वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से मुक्त किया जाना चाहिए, खासकर उन शिक्षकों को जो 25 साल से सेवा दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आरटीई कानून को प्रदेश में लागू होने की तिथि से ही प्रभावी माना जाना चाहिए और उसी आधार पर निर्णय लिया जाना चाहिए।

अंतिम निर्णय तक टीईटी से राहत मिले

कांग्रेस नेता ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि जब तक सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक मध्यप्रदेश में कार्यरत शिक्षकों से टीईटी परीक्षा न ली जाए। साथ ही प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से टीईटी की बाध्यता से राहत दी जाए, ताकि उनकी नौकरी पर कोई संकट न आए। दिग्विजय सिंह ने सवाल उठाया कि 40 से 50 वर्ष की आयु पार कर चुके शिक्षकों से दोबारा परीक्षा लेना क्या उचित है। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षकों पर मानसिक और आर्थिक दबाव बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर अपनी मांगें रखी हैं, जिसके आधार पर उन्होंने सरकार से हस्तक्षेप कर शिक्षकों के हित में कदम उठाने की अपील की है।

नर्मदा संरक्षण और पौधारोपण को लेकर बनेगी ठोस नीति

भोपाल । मप्र की जीवन रेखा के संरक्षण के लिए सरकार निरंतर प्रयास कर रही है, लेकिन वे उतने प्रभावी नहीं हुए हैं। ऐसे में हाल में सुशासन भवन में हुई नर्मदा समग्र की बैठक में संघ के वरिष्ठ सदस्यों ने इस पर गंभीर चिंता व्यक्त की है और सत्ता व संगठन से अपेक्षा की है कि कोरे प्लान की बजाए जमीनी स्तर पर काम हो, जो काम पूर्व से किए जा रहे हैं उनकी निगरानी प्रभावी हो। दरअसल, नर्मदा संरक्षण के कई दावे होते रहे हैं। पुराने समय में लगाए 6 करोड़ पौधे भी नहीं बचे। नदी कई गंभीर संकटों से जूझ रही है। इसमें जल प्रदूषण, गर्मी के दिनों में गिरता जल प्रवाह और अवैध खनन प्रमुख है।

बताया जाता है कि अब नर्मदा के संरक्षण की जंबो कार्ययोजना बनाने की तैयारी है। जिसमें दोनों किनारों पर पौधे लगाना प्रमुख है लेकिन ऐसा करने से पहले उनकी सुरक्षा के लिए जवाबदारी तय होगी। सुरक्षा का जिम्मा संबंधित क्षेत्र के किसानों, संबंधित ग्राम पंचायतों व स्थानीय निकायों में से किसी एक को या जहां जैसी जरुरत हो, उन्हें दिया जा सकता है। सामाजिक संगठनों को भी इसमें शामिल करने पर विचार चल रहा है। इसके अलावा सरकार नर्मदा के संरक्षण पर अलग से नीति बना सकती है। नर्मदा संरक्षण के लिए बड़ी राशि की जरुरत है। सूत्रों के मुताबिक नर्मदा समग्र की बैठक में यह मुद्दा उठा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के मंत्रियों से अपेक्षा की गई कि बजट का इंतजाम करें और अटकी सभी कामों को शीघ्रता से आगे बढ़ाएं। अंततः बजट कहां से आएगा, यह तय नहीं हुआ। इस बैठक में सीएम डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। मंत्री प्रहलाद पटेल व कैलाश विजयवर्गीय मौजूद रहे। इन मंत्रियों के विभागों के पास नर्मदा को निर्मल व अविरल बनाने से जुड़े कई काम है। सूत्रों के मुताबिक संघ के वरिष्ठ सदस्य सुरेश सोनी भी बैठक में शामिल रहे। उन्होंने सं संरक्षण से जुड़े कई विषयों पर बात रखी। जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष मोहन नागर ने प्रयासों की जानकारी दी। अगली बैठक 6 महीने बाद फिर होगी।

पौधों की परवरिश करने की जिम्मेदारी निजी लोगों को

बीते वर्षों में नदी के किनारों और 4 से 5 किमी के दायरे में करोड़ों पौधे लगाए जा चुके हैं। ये पेड़ बन पाते, उसके पहले बर्बाद हो गए। इन्हें गर्मी में पानी नहीं मिला, सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं थे, जिसके चलते उजड़ गए। तत्कालीन सरकारों ने विभागों व अफसरों की जिम्मेदारी भी तय नहीं की लेकिन जनता का पैसा बर्बाद हो गया। नदी तंत्र को सहयोग भी नहीं मिला। असल में बीते कई वर्षों से नर्मदा के संरक्षण के नाम पर हजारों करोड़ रुपए खर्च किए चुके हैं। तब भी नदी कई किलोमीटर तक कटाव से जूझ रही है। पाट चौड़े हो रहे हैं। नदी तंत्र के प्राकृतिक स्वरूपों में बदलाव देखने को मिले हैं, जो गंभीर खतरे की ओर इशारा कर रहे हैं। नए प्लान में कई विषयों पर गहन चर्चा हुई। जिनमें कुछ क्षेत्रों में पौधे लगाने व 5 साल तक उनकी परवरिश करने की जिम्मेदारी निजी लोगों को दी जा सकती है, उन्हें खर्च का भुगतान किया जा सकता है। पंचायत व स्थानीय निकायों को भी यह काम मिल सकता है। नदी में गंदे नालों को सीधे मिलने से रोकने के लिए किए जा रहे कामों की निगरानी थर्ड पार्टी से कराई जा सकती है। सामाजिक संगठनों से सरकार नदी संरक्षण के लिए मदद ले सकती है।

सीएम हेल्पलाइन में नहीं हो रही सुनवाई !

- राजस्व में सबसे ज्यादा अवैध कब्जे व पुलिस रिपोर्ट दर्ज न करने वाली शिकायतें

भोपाल। प्रदेश में आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से शुरू की गई सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों का भारी बोझ सामने आया है। स्थिति यह है कि मुख्यमंत्री के नाम से जुड़े इस महत्वपूर्ण मंच पर भी हजारों शिकायतें लंबित पड़ी हैं। सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग में अवैध कब्जों से जुड़ी हैं, जिनकी संख्या 10 हजार से अधिक है। वहीं गृह विभाग में पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज नहीं करने और विवेचना में देरी की 20 हजार से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं। सौ दिन से अधिक समय से लंबित शिकायतों की संख्या भी चिंताजनक है, जो प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है।

सीएम हेल्पलाइन के आंकड़ों के अनुसार राजस्व विभाग में कुल 95,552 शिकायतें लंबित हैं। इनमें अवैध कब्जे से संबंधित 10,650 मामले शामिल हैं, जिनमें से 4,550 शिकायतें सौ दिनों से अधिक समय से लंबित हैं। इसके अलावा सीमांकन के 5,615 और खसरा अपडेट के 5,496 मामले भी लंबित हैं। बंटवारे से जुड़े 2,349 प्रकरण भी अब तक निराकरण की प्रतीक्षा में हैं।

पुलिस पर एफआईआर दर्ज नहीं करने के आरोप

गृह विभाग से जुड़ी 54,345 शिकायतें लंबित हैं। इनमें एफआईआर दर्ज नहीं करने से संबंधित 20,191 शिकायतें सबसे ज्यादा हैं। वहीं पुलिस विवेचना में देरी के 18,623 मामले दर्ज हैं, जिनमें से 5,559 शिकायतें सौ दिन से अधिक समय से लंबित हैं। गिरफ्तारी नहीं होने से जुड़े 3,189 और पुलिस के व्यवहार से संबंधित 1,782 मामले भी हेल्पलाइन पर दर्ज हैं।

शहरवार पुलिस शिकायतों की स्थिति

पुलिस द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं करने के मामलों में इंदौर 2,671 शिकायतों के साथ सबसे आगे है। इसके बाद भोपाल में 2,225, भिंड में 1,041 और ग्वालियर में 865 शिकायतें दर्ज हैं। पुलिस व्यवहार से संबंधित मामलों में भी इंदौर, भोपाल, सागर और ग्वालियर प्रमुख जिलों में शामिल हैं।

100 दिन से लंबित शिकायतों में ग्वालियर चौथे स्थान पर

प्रदेशभर में 100 दिन से अधिक समय से लंबित पुलिस शिकायतों में ग्वालियर चौथे स्थान पर है। इंदौर में 853, भोपाल में 878, भिंड में 414 और ग्वालियर में 315 शिकायतें लंबित हैं। यह स्थिति मार्च के अंतिम सप्ताह की समीक्षा बैठक में सामने आई।

2014 में हुई थी सीएम हेल्पलाइन की शुरुआत

सीएम हेल्पलाइन की शुरुआत 31 जुलाई 2014 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में लोक सेवा प्रबंधन विभाग के तहत की गई थी। इसका उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान, शासकीय योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना और सुशासन को मजबूत करना था। इसके लिए नागरिक 181 टोल-फ्री नंबर पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

निकाय अध्यक्षों के निर्वाचन के लिए नोटिफिकेशन जारी न करने के मामले में हाई कोर्ट बोला

राज्य सरकार चुनाव टालने की कर रही कोशिश

भोपाल। नगर पालिका, नगर परिषद के अध्यक्षों के निर्वाचन के लिए नोटिफिकेशन जारी न करने के मामले में राज्य सरकार को हाई कोर्ट से फिर फटकार मिली है। हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने नगर पालिका श्योपुर के अध्यक्ष पद से जुड़े मामले में राज्य सरकार के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने साफ कहा कि राज्य सरकार द्वारा मामले को बार-बार टालने की कोशिश बेंच हंटिंग(बाधा डालने) का संकेत देती है। अदालत ने कहा है कि राज्य सरकार और संबंधित पक्ष बार-बार सुनवाई टालने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका था कि वह मामले की अंतिम सुनवाई जल्द करना चाहता है।

कोर्ट ने यह टिप्पणी एक अप्रैल को हुई नगर पालिका श्योपुर के अध्यक्ष पद से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान की है। नगर पालिका श्योपुर में चुनाव कराने के बाद नोटिफिकेशन को लेकर विवाद चल रहा है। विवाद यह है कि प्रदेश के सभी नगरपालिका और नगर परिषदों की तरह श्योपुर नगर पालिका के अध्यक्ष के चुनाव के बाद भी सरकार की ओर से निर्वाचन अधिसूचना जारी नहीं हुई। इसी आधार पर चुनाव को चुनौती दी गई थी। पहले चुनाव ट्रिब्यूनल ने याचिका को प्रिमैच्योर बताते हुए खारिज कर दिया था, लेकिन हाई कोर्ट ने इस फैसले को पलटते हुए कहा कि अधिसूचना आवश्यक है। इसके बाद राज्य सरकार ने अपने रुख में बदलाव किया, जिसे कोर्ट ने सोच-समझकर लिया गया बाद का फैसला बताया। न्यायाधीश जीएस अहलूवालिया की अदालत में चल रहे केस में हाई कोर्ट ने अपने सख्त रुख में यह स्पष्ट कर दिया है कि न्यायिक प्रक्रिया में देरी या हेरफेर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी, जहां अंतिम निर्णय की दिशा तय हो सकती है।

राज्य सरकार की नीति न्याय प्रक्रिया में बाधा वाली

इस मामले में एक अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि राज्य सरकार का रुख बार-बार बदलना और सुनवाई टालना न्याय प्रक्रिया में बाधा (बेंच हंटिंग) है। कोर्ट ने यह भी कहा कि एडवोकेट जनरल की अनुपस्थिति को आधार बनाकर दो हफ्ते की स्थगन मांगना उचित नहीं है। अदालत के अनुसार यदि कोई व्यस्तता थी तो एक-दो दिन का समय मांगा जा सकता था, न कि दो हफ्तों का समय मांगना चाहिए।

जुलाई की सुनवाई में लिस्टेड होगा मामला

हाईकोर्ट ने अब इस मामले को 13 जुलाई 2026 से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि तब तक कोई भी अर्जेंट हियरिंग या मेंशन मेमो स्वीकार नहीं किया जाएगा। अंतरिम आदेश (8 अक्टूबर 2025) अंतिम निर्णय तक जारी रहेगा।

वीआईटी विश्वविद्यालय मामले में एनएचआरसी सख्त

- यूजीसी चेयरमैन और मप्र उच्च शिक्षा प्रमुख सचिव को नोटिस

- एनएसयूआई की शिकायत पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की बड़ी कार्रवाई

-2 सप्ताह में मांगा जवाब

भोपाल। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) विश्वविद्यालय के प्रकरण में बड़ी कार्यवाही करते हुए। आयोग ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) नई दिल्ली के चेयरमैन एवं मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयावधि में संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने की स्थिति में प्रकरण में अग्रिम विधिसम्मत कार्यवाही की जाएगी। मध्यप्रदेश एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार द्वारा की गई शिकायत पर संज्ञान लेते हुए मानव अधिकार आयोग ने प्रकरण दर्ज किया था शिकायत में बताया गया था कि सीहोर जिले में संचालित वीआईटी भोपाल युनिवर्सिटी के द्वारा भ्रामक प्रस्तुतीकरण, छात्रों के अधिकारों एवं अन्य प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर विस्तृत शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में कहा गया था, कि विश्वविद्यालय द्वारा 'भोपाल' नाम का उपयोग किए जाने से अन्य राज्यों के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों में भ्रम की स्थिति निर्मित होती है तथा प्रवेश प्रक्रिया के दौरान भौगोलिक स्थिति को लेकर भ्रामक धारणा बनती है। रवि परमार द्वारा शिकायत में विश्वविद्यालय परिसर में व्यवस्थागत कमियों, मूलभूत सुविधाओं की स्थिति एवं पूर्व में सामने आए विवादों की भी शिकायत के साथ-साथ विश्वविद्यालय परिसर में संचालित कथित अवैध क्लीनिक एवं अन्य अनियमितताओं के संबंध में भी पूर्व में विस्तृत शिकायतों को भी आधार बनाया गया था। जिन पर अपेक्षित कठोर कार्यवाही अब तक नहीं हुई है। आयोग ने इन बिंदुओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित संवैधानिक एवं शासकीय प्राधिकारियों से जवाब तलब किया है। भोपाल एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि यह कार्रवाई छात्रहित एवं पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यदि संबंधित संस्थाओं द्वारा जवाबदेही से बचने का प्रयास किया गया तो एनएसयूआई प्रदेशव्यापी आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेगी , छात्रों के अधिकारों, पारदर्शी शैक्षणिक व्यवस्था एवं जवाबदेह प्रशासन के लिए संगठन निरंतर संघर्षरत रहेगा।

महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

टीम रीना में शामिल 66 पदाधिकारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा की बहू बनी महासचिव

भोपाल । महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी सेतिया ने 66 सदस्यीय महिला कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित की है। इसमें पूर्व मंत्री पीसी शर्मा की बहू रूपाली शर्मा को महासचिव बनाया गया है।

कार्यकारिणी इस प्रकार है-

उपाध्यक्ष- ज्योति सिंह - ग्वालियर, मनीषा रावत - ग्वालियर,शांति भालेश्वर - इंदौर,यासमीन शेरानी - रतलाम,

महासचिव -आरती सिंह - सतना, गीता सिंह परिहार - सतना, हेमलता सिंह - सतना,रजनी वर्मा - कटनी,सौम्या रंधेलिया - कटनी, बीना भारद्वाज - ग्वालियर,मधु शर्मा - सिंगरौली, सुमन लता देहरिया - सिंगरौली,रचना शेरसिंह जाटव - शिवपुरी,श्रुति बघेल - देवास,विजय लक्ष्मी मिश्रा - रीवा,तारा त्रिपाठी - रीवा,प्रतिभा सिंह - रीवा,रूपल संचेती - मंदसौर,राखी सतरावला - मंदसौर,प्रीति माहेश्वरी - धार,शांति कुशवाहा - भिंड,नेहा चावरे - होशंगाबाद,किरण चौधरी - छिंदवाड़ा,महक राणा - भोपाल,रूपाली गुहा शर्मा - भोपाल,कुसुम मौर्या - इंदौर,

साक्षी शुक्ला - इंदौर,

सचिव-कुमुदनी सिंह - सीधी, कृष्णा सिंह परिहार - सिंगरौली,रचना कुशवाहा - ग्वालियर,माधवी नरवरिया - ग्वालियर,प्राची शुक्ला - रीवा,

लक्ष्मी सिंह परिहार - रीवा,दीपा मिश्रा - मैहर,प्रभा बागरी - सतना,सुभद्रा परमार - बड़वानी,सोनिला मिमरोट भाटिया - इंदौर,सीमा चौधरी - सागर,सबा कुरैशी - उज्जैन,शशि केमोर - मुरैना,रानी देवड़ा - रतलाम,जमिन्त्री ददौरिया - दतिया,

संयुक्त सचिव-लता देवरे - भोपाल,शोभा चाहांदे - भोपाल,पार्वती मौर्या - भोपाल,रेखा सोनी - सागर,विमला अहिरवार - सागर,प्रियंका यादव - इंदौर,पूर्वी सोजतिया - इंदौर,शशि हाडा - इंदौर,रोशनी गोहर - इंदौर,मुक्ता राय - इंदौर,सेजल पटेल - देवास,मेधा कुंवर परिहार - आगर,शिल्पा गुप्ता - आगर,वर्षा सांखला - मंदसौर,प्रियंका सोनी - जबलपुर,मिथिलेश यादव - ग्वालियर,रानू शर्मा - ग्वालियर,मुन्नी अगरिया - ग्वालियर,संजना राजावत - ग्वालियर,उषा मगरिया - ग्वालियर,अनुपमा भदौरिया - भिंड,आकांक्षा मिश्रा - कटनी,रश्मि अग्रवाल - कटनी,

विजेता सोनी - उज्जैन

कमलेश्वर पटेल पर दांव लगा सकती है कांग्रेस

- मप्र में राज्यसभा के लिए शह-मात का खेल शुरू

भोपाल। मप्र में आगामी समय में भाजपा की दो और कांग्रेस की एक सीट पर राज्यसभा चुनाव होना है। अभी तीनों सीटें खाली नहीं हुई हैं, लेकिन दोनों पार्टियों में शह-मात का खेल शुरू हो गया है। भाजपा इस कोशिश में है कि इस बार कांग्रेस से जैस भी हो तीसरी सीट छिन ली जाए। वहीं कांग्रेस क्षेत्रिय और जातीय समीकरणों के आधार पर प्रत्याशी खड़ा कर भाजपा की मंशा पर पानी फेरना चाहती है। इसके लिए पार्टी के पैमान पर पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल फिट बैठ रहे हैं। गौरतलब है कि मप्र की राजनीति में पिछले कुछ दिनों से जिस तरह के सियासी समीकरण बन रहे हैं उससे आगामी राज्यसभा चुनाव में तीसरी सीट पर मुकाबला रोचक होने की संभावना है। संख्या बल के हिसाब से भाजपा दो सीटें आराम से जीत रही है, लेकिन कांग्रेसी खेमे में एक की बगावत और दो के कानूनी विवाद में फंसने के बाद तीसरी सीट पर कांटे का मुकाबले के हालात बनते जा रहे हैं। भाजपा की रणनीति है कि तीसरी सीट पर किसी ऐसे उम्मीदवार को खड़ा किया जाए जो राजनीति में प्रभावशाली होने के साथ-साथ जिसकी पैठ अब भी कांग्रेस में अंदर तक है। तीसरी सीट का भाजपा का उम्मीदवार अपने दम पर यदि कांग्रेस के 7 विधायकों को अपने पक्ष में करने में सफल हो जाए तो कांग्रेस को राज्यसभा चुनाव में क्लीनस्वीप किया जा सकता है। भाजपा की इसी सोच को देखते हुए कांग्रेस भी ऐसे नेता को मैदान में उतारने की कोशिश कर रही है जिसकी न केवल कांग्रेस बल्कि जनता में भी अच्छी पैठ हो। ऐसे में कमलेश्वर पटेल का नाम सबसे ऊपर है।

भाजपा का गणित और कांग्रेस की रणनीति

मप्र की 230 विधानसभा सीटों में से भाजपा के पास 165 (कुल 164+1 (बीना से कांग्रेस की निर्मला सप्रे), कांग्रेस के पास 62 (कुल 65 लेकिन 1- वोटिंग का अधिकार नहीं, 1- सदस्यता गई, 1- भाजपा के साथ) भारत आदिवासी पार्टी (भाआप) - 1 है। 116 वोट से भाजपा दो सीट आसानी से जीत जाएगी। तीसरी सीट के लिए 49 का इंतजाम है। भाआप का 1 विधायक का साथ भी उन्हें मिलने पर यह संख्या 50 हो जाएगी। कांग्रेस के पास जीत के गणित से 4 अतिरिक्त हैं। भाजपा कांग्रेस के सिर्फ 7 विधायकों को अपने पक्ष में तोड़ लेती है, तो भाजपा 57 और कांग्रेस 55 पर सिमट जाएगी। सूत्रों के मुताबिक भाजपा तीसरे उम्मीदवार के तौर पर सुरेश पचौरी को निर्दलीय रूप में उतारकर समर्थन दे सकती है, ताकि विपक्षी विधायकों का समर्थन मिल सके। पचौरी की ब्राह्मण छवि पार्टी के जातीय संतुलन में भी फिट बैठती है। कांग्रेस में दिग्विजय सिंह के दावेदारी छोड़ने के बाद नए समीकरण बन रहे हैं। पार्टी अब विंध्य क्षेत्र से ओबीसी नेता को आगे करने पर विचार कर रही है। कुर्मी वर्ग से आने वाले कमलेश्वर पटेल इस रेस में सबसे आगे माने जा रहे हैं।

एलपीजी के नए कनेक्शन पर लगी रोक

- कंपनियों के पोर्टल पर बंद हुई प्रक्रिया

भोपाल। एलपीजी गैस संकट के कारण कमर्शियल गैस की सप्लाई सीमित की गई है। अब घरेलू एलपीजी के नए कनेक्शन पर भी रोक लगा दी गई है। गैस कंपनियों द्वारा अपने पोर्टल पर नए कनेक्शन के लिए सब्सक्रिप्शन वाउचर जारी नहीं किए जा रहे हैं। इसलिए नए कनेक्शन की प्रक्रिया को रोक दिया गया है। हालांकि एजेंसी संचालकों द्वारा नए कनेक्शन के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। वहीं, केवाइसी की प्रक्रिया पोर्टल पर लगातार की जा रही है। दरअसल, बगैर कनेक्शन के गैस सिलिंडर लेकर खाना बनाने वालों की परेशानी इन दिनों बढ़ गई है। गैस की किल्लत के कारण ब्लैक में सिलिंडर नहीं मिल रही थी अब नए कनेक्शन पर रोक से फजीहत बढने वाली है। बाहर से कामकाज के लिए आने वाले और पढ़ाई के लिए शहर में मौजूद विद्यार्थियों को टंकियां नहीं मिल रही थीं।

सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़ गया 20 हजार टन गेहूं, सड़ने से करोड़ों का नुकसान

भोपाल,। मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के दिवटिया और नूरगंज वेयरहाउस में सरकारी लापरवाही के कारण करीब 20 हजार मीट्रिक टन गेहूं पूरी तरह खराब हो गया है। यह अनाज अब न तो खाद्य उपयोग के लायक है और न ही जानवरों के चारे के लिए। लैब टेस्ट में इसे पूरी तरह अमानक घोषित किया गया है। विशेषज्ञों और अधिकारियों ने चेताया है कि लगातार 34 बार कीटनाशक छिड़काव और गोदामों में लंबे समय तक रखे जाने के कारण अनाज से निकल रही तेज बदबू आसपास के लोगों के लिए बीमारी का खतरा पैदा कर रही है। वेयरहाउस में कीटनाशकों के असर से हवा भी प्रदूषित हो गई है और संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। प्राप्त जानकारी अनुसार इस गेहूं की खरीद 2017 से 2020 के बीच समर्थन मूल्य पर की गई थी, जिसकी कीमत उस समय लगभग 35-36 करोड़ रुपए थी। लेकिन तीन साल तक इसका उठाव न होने और बाद में गोदाम किराया, मेंटेनेंस, परिवहन और कीटनाशक छिड़काव जैसे खर्च जोड़ने के कारण कुल लागत लगभग 150 करोड़ रुपए तक पहुँच गई।

समीर रिजवी ने लगातार दूसरे मैच में छोड़ा 'इम्पैक्ट'

दिल्ली कैपिटल्स को दिलाई जीत; तालिका में बदलाव

नई दिल्ली । समीर रिजवी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हरा दिया। दिल्ली ने इस सीजन लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 162 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली ने समीर रिजवी के 90 रन की पारी के दम पर 18.1 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर अपने नाम किया। समीर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरे थे और उन्होंने लगातार दूसरे मैच में प्रभाव छोड़ा।

शतक से चूके रिजवी

समीर ने इस मैच में दमदार बल्लेबाजी की और डेविड मिलर के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसने जल्द ही दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद दिल्ली ने रिजवी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा। रिजवी ने पहले पाथुम निसांका के साथ तीसरे विकेट के लिए 66 रन जोड़े और फिर मिलर के साथ मिलकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। समीर हालांकि, शतक पूरा नहीं कर सके और 51 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन बनाकर आउट हुए। दिल्ली के लिए निसांका ने 44 रन बनाए, जबकि डेविड मिलर 21 रन बनाकर नाबाद रहे और ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद तीन रन बनाए। मुंबई के लिए दीपक चाहर, मिचेल सैंटनर और कॉर्बिन बॉश को एक-एक सफलता मिली।

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर चमके रिजवी

रिजवी आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते हुए आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड जोस बटलर के नाम है। बटलर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नाबाद 107 रन बनाए थे।

दिल्ली शीर्ष पर पहुंची

मुंबई के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ ही दिल्ली की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। दिल्ली के दो मैचों में दो जीत के साथ चार अंक हो गए हैं। इतने ही अंक पंजाब किंग्स के भी है, लेकिन दिल्ली का नेट रन रेट पंजाब से बेहतर है जिस कारण वह शीर्ष पर है।

हार्दिक मैच से रहे बाहर

मुंबई के लिए इस मैच में हार्दिक पांड्या नहीं खेले। स्टैंड इन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बताया कि हार्दिक की तबीयत ठीक नहीं है जिस कारण वह इस मैच का हिस्सा नहीं थे। दिल्ली ने इस मैच के लिए प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया, जबकि मुंबई की टीम में दीपक चाहर, कॉर्बिन बॉश और मिचेल सैंटनर की वापसी हुई।

मुकेश ने दिए शुरुआती झटके

इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर मुंबई को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और मुकेश कुमार ने एक ही ओवर में टीम को दो झटके दिए। मुकेश ने पहले रेयान रिकेल्टन को आउट किया जो नौ रन बनाकर आउट हुए और फिर तिलक वर्मा को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। इस तरह मुंबई ने पावरप्ले में दो विकेट गंवाए।

सूर्यकुमार-रोहित ने संभाला

शुरुआती झटके लगने के बाद रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव ने मुंबई की पारी को संभाला। इन दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी की। सूर्यकुमार ने पहली गेंद पर ही चौके से खाता खोला, लेकिन दिल्ली के गेंदबाज इसके बाद रनगति पर अंकुश लगाने में सफल रहे। रोहित ने निगम के खिलाफ, तो वहीं सूर्यकुमार ने अक्षर के खिलाफ छक्के लगाकर रनगति बढ़ाने की कोशिश की। रोहित एक और करारा प्रहार करने की कोशिश में अक्षर की गेंद पर कवर क्षेत्र में नीतिश राणा द्वारा शानदार तरीके से लपके गए। अक्षर ने आईपीएल में रोहित के खिलाफ अपने रिकॉर्ड को मजबूत करते हुए 11 पारियों में उन्हें चौथी बार आउट किया। रोहित 26 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 35 रन बनाकर आउट हुए।

सूर्यकुमार का बल्ला चला

नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या के अस्वस्थ होने के कारण टीम का नेतृत्व कर रहे सूर्यकुमार ने 36 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 51 रन बनाए। रोहित के आउट होने के बाद सूर्यकुमार ने नमन धीर के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 37 रनों की अहम साझेदारी की। सूर्यकुमार और नमन ने कुलदीप के खिलाफ एक-एक छक्का लगाया, जिससे 15वें ओवर में मुंबई ने 17 रन बटोरे। सूर्यकुमार यादव ने एनगिडी के खिलाफ दो रन चुराकर अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन अगली गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। मुंबई के लिए नमन धीर ने 28 रन बनाए, जबकि मिचेल सैंटनर नाबाद 18 और कॉर्बिन बॉश 11 रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली की ओर से मुकेश कुमार ने दो विकेट लिए। वहीं, लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपरज निगम और टी. नटराजन को एक-एक सफलता मिली।

आईपीएल 2026 : चेन्नई सुपर किंग्स का ऐतिहासिक फैसला

पहली बार सिर्फ दो विदेशी खिलाड़ियों के साथ उतरी टीम

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के अपने 18 साल के इतिहास में एक अनोखा और ऐतिहासिक फैसला लिया है। शुक्रवार को चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए आईपीएल 2026 मुकाबले में टीम सिर्फ दो विदेशी खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरी, जो अब तक कभी नहीं हुआ था। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई में टीम ने अपनी प्लेइंग इलेवन में बड़े बदलाव किए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार के बाद प्रशांत वीर को मैथ्यू शॉर्ट की जगह मौका दिया गया, जबकि इम्पैक्ट सब के रूप में राहुल चाहर को डेब्यू कराया गया। इस फैसले के चलते जेमी ओवरटन जैसे खिलाड़ी को बाहर बैठना पड़ा, जिन्होंने पिछले मैच में सबसे ज्यादा रन बनाए थे।

दो विदेशी खिलाड़ियों की जगह भारतीय खिलाड़ियों को शामिल करते हुए चेन्नई ने कुल नौ भारतीय खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया। यह आईपीएल इतिहास में बेहद दुर्लभ है। आंकड़ों के अनुसार, आईपीएल के 19 सीजन और 1100 से ज्यादा मैचों में यह सिर्फ सातवीं बार हुआ है जब किसी टीम ने दो या उससे कम विदेशी खिलाड़ियों के साथ मैच खेला हो। यह मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल में 255वां मैच था, लेकिन महेंद्र सिंह धोनी की लंबी कप्तानी के दौर में ऐसा कभी देखने को नहीं मिला था। यही नहीं, यह आईपीएल इतिहास का दूसरा मौका भी था जब न तो धोनी और न ही सुरेश रैना प्लेइंग इलेवन का हिस्सा बने।

टीम में युवा खिलाड़ियों को भी भरपूर मौका दिया गया। 21 साल से कम उम्र के चार खिलाड़ी आयुष म्हात्रे, प्रशांत वीर, कार्तिक शर्मा और नूर अहमद एक साथ प्लेइंग इलेवन में शामिल हुए, जो अपने आप में एक खास उपलब्धि है। दरअसल, यह बदलाव मजबूरी में लिया गया फैसला था। टीम के कई अहम खिलाड़ी चोटिल हैं। डेवाल्ड ब्रेविस साइड स्ट्रेन के कारण बाहर हैं, जबकि नाथन एलिस पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। उनके रिप्लेसमेंट स्पेंसर जॉनसन भी फिलहाल चोटिल हैं और अप्रैल के अंत तक टीम से जुड़ने की उम्मीद है। इन परिस्थितियों में चेन्नई सुपर किंग्स ने युवा और घरेलू खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए यह ऐतिहासिक कदम उठाया, जिसने आईपीएल इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ दिया।

12 लाख से 21 करोड़ तक का सफर, आईपीएल में विराट कोहली बने सबसे महंगे सितारों में शामिल

नई दिल्ली। विराट कोहली का नाम आईपीएल के सबसे सफल और भरोसेमंद खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। खास बात यह है कि कोहली उन गिने-चुने खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2008 में लीग की शुरुआत से लेकर अब तक अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चेलेंजर बेंगलुरु का साथ नहीं छोड़ा। उनका यह सफर न केवल प्रदर्शन के लिहाज से, बल्कि कमाई के मामले में भी बेहद शानदार रहा है। साल 2008 में जब कोहली को अंडर-19 टीम से स्काउट कर आरसीबी में शामिल किया गया था, तब उनकी सैलरी महज 12 लाख रुपये थी। शुरुआती तीन सीजन तक वह इसी रकम पर टीम के लिए खेलते रहे। हालांकि, उनकी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन को देखते हुए फ्रेंचाइजी को जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह लंबे समय तक टीम की रीढ़ बन सकते हैं। यही वजह रही कि 2013 में उन्हें टीम की कमान सौंपी गई और उन्होंने 2021 तक कप्तानी करते हुए आरसीबी को नई पहचान दिलाई। इस दौरान उनकी सैलरी में भी लगातार इजाफा होता गया। अगर उनके पहले सीजन की सैलरी की तुलना मौजूदा कमाई से की जाए, तो यह करीब 175 गुना तक बढ़ चुकी है। आईपीएल 2026 में विराट कोहली की सैलरी 21 करोड़ रुपये है, जो उन्हें लीग के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल करती है।

पायल नाग ने जीता स्वर्ण पदक

बैंकॉक। भारतीय पैरा तीरंदाजी में एक नया सितारा उभर कर सामने आया है। बैंकॉक में महिला कम्पाउंड वर्ग के फाइनल में पायल नाग ने विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर पैरा तीरंदाजी सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने थे और 18 वर्षीय पायल ने ये मुकाबला 139-136 के अंतर से जीता। पायल का यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक है। 19 वर्षीय शीतल के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह परिणाम और भी उल्लेखनीय है। शीतल बेहतरीन फॉर्म में थीं और 2025 के शानदार सीजन के बाद उन्हें विश्व तीरंदाजी की पैरा आर्चर ऑफ द ईयर भी चुना गया था।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी। इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है।

फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया।

चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है। पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे। इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका।

टी20 क्रिकेट के बदलते स्वरूप पर बात करते हुए फ्लेमिंग ने कहा कि अब पारंपरिक 'फिनिशर' की भूमिका पहले जैसी नहीं रही। उनके अनुसार, आज के खेल में बल्लेबाज शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हैं और हर ओवर में तेजी से रन बनाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि पहले टीम 16वें ओवर तक पारी संभालती थी, लेकिन अब हर ओवर में 10-12 रन बनाना जरूरी हो गया है।

इसके बावजूद फ्लेमिंग ने टीम की बल्लेबाजी पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि चेन्नई के पास डेवाल्ड ब्रेविस जैसे आक्रामक बल्लेबाज और एमएस धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी मौजूद हैं, जो मैच का रुख बदल सकते हैं। उनके अनुसार, टीम के पास तेज रन बनाने की क्षमता है और बल्लेबाजी में कोई बड़ी चिंता नहीं है। लगातार दो हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स पर दबाव बढ़ गया है। अब टीम का अगला मुकाबला रॉयल्स चेलेंजर बेंगलुरुसे है, जहां जीत हासिल कर वापसी करना उसके लिए बेहद जरूरी होगा।

गायकवाड़ का इम्पैक्ट प्लेयर फैसला पड़ा भारी, सीएसके को लगातार दूसरी हार

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले में पंजाब किंग्स के हाथों 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह चेन्नई की इस सीजन में लगातार दूसरी हार है। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 209 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया, लेकिन कमजोर गेंदबाजी और रणनीतिक चूक के चलते वह इस लक्ष्य का बचाव नहीं कर सकी। पंजाब ने 18.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। मैच में चेन्नई के कप्तान रितुराज गायकवाड़ का इम्पैक्ट प्लेयर चयन भी सवालों के घेरे में रहा। टीम ने केवल पांच गेंदबाजों के साथ मुकाबला खेला और इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर राहुल चाहर को उतारा गया, जो काफी महंगे साबित हुए। यह फैसला टीम के लिए नुकसानदायक रहा और मैच का रुख पंजाब की ओर झुक गया। मैच के बाद गायकवाड़ ने स्वीकार किया कि उन्हें लगा था कि 209 रन का स्कोर इस मैदान के हिसाब से काफी अच्छा है। उन्होंने कहा कि पिच पर तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी, जबकि स्पिनरों के लिए भी कुछ ग्रिप मौजूद थी, जिससे बल्लेबाजी आसान नहीं थी। उनके अनुसार, इस तरह की बड़ी बाउंड्री वाले मैदान पर यह स्कोर मैच जिताने के लिए पर्याप्त होना चाहिए था। इम्पैक्ट प्लेयर के चयन पर गायकवाड़ ने सफाई देते हुए कहा कि टीम के पास पहले से तीन तेज गेंदबाज थे और दो रिस्ट स्पिनरों के साथ संतुलन बनाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, उन्होंने माना कि स्पिनरों का दिन अच्छा नहीं रहा, जिसकी वजह से टीम को नुकसान उठाना पड़ा।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज-पर्पल कैप की रेस में उलटफेर, पंजाब किंग्स का दबदबा कायम

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के सातवें मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच हुए मुकाबले के बाद दोनों ही कैप पर पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने कब्जा जमा लिया है, जिससे टीम का दबदबा साफ नजर आ रहा है। ऑरेंज कैप की रेस में कूपर कोनोली ने बढ़त बना ली है। उन्होंने चेन्नई के खिलाफ 22 गेंदों में 36 रन की अहम पारी खेलते हुए इस सीजन में कुल 108 रन पूरे कर लिए हैं और सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस सूची में अंगकृष रघुवंशी 103 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। इसके अलावा ईशान किशन (94 रन), हेनरिक क्लासेन (83 रन) और रयान रिकेल्टन (81 रन) भी टॉप बल्लेबाजों में शामिल हैं। पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह ने 43 रन की पारी खेलकर कुल 80 रन के साथ छठे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की है। वहीं रोहित शर्मा 78 रन के साथ सातवें स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 73 रन बनाए और टॉप-10 बल्लेबाजों की सूची में जगह बना ली है। वहीं विराट कोहली और श्रेयस अय्यर भी मध्यक्रम में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

कूपर कोनोली- 108
अंगकृष रघुवंशी- 103
ईशान किशन- 94
हेनरिक क्लासेन- 83
रयान रिकेल्टन- 81
प्रभसिमरन सिंह- 80
रोहित शर्मा- 78
अजिंक्य रहाणे- 2
आयुष म्हात्रे- 73
समीर रिजवी- 70

दूसरी ओर, पर्पल कैप की दौड़ में भी पंजाब किंग्स के गेंदबाजों का जलवा देखने को मिला है। विजयकुमार वैशक ने चेन्नई के खिलाफ 2 विकेट लेकर इस सीजन में कुल 5 विकेट अपने नाम किए और पर्पल कैप हासिल कर ली। उन्होंने जयदेव उनादकट को पीछे छोड़ दिया, जिनके खाते में 4 विकेट हैं। इसके अलावा अंशुल कंबोज और ब्लेसिंग मुजरबानी भी 4-4 विकेट के साथ इस रेस में बने हुए हैं। 3 विकेट लेने वाले गेंदबाजों में युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज शामिल हैं।

विजयकुमार वैशक- 5
जयदेव उनादकट- 4
अंशुल कंबोज- 4
ब्लेसिंग मुजरबानी- 4
जैकब डफी- 3
युजवेंद्र चहल- 3
प्रसिद्ध कृष्णा- 3
टी नटराजन- 3
लुंगी एनगिडी- 3
शार्दुल ठाकुर- 3

कुल मिलाकर, टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में ही ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस रोमांचक हो गई है, जहां हर मैच के साथ खिलाड़ियों की रैंकिंग में तेजी से बदलाव हो रहा है और आने वाले मुकाबलों में यह प्रतिस्पर्धा और कड़ी होने की उम्मीद है।

टी20 क्रिकेट में सफल होने सकारात्मक होने के साथ ही गति भी जरुरी - नरेन

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मिस्ट्री स्पिनर के तौर पर लोकप्रिय सुनील नरेन ने कहा है कि टी20 क्रिकेट में सफलता के लिए सकारात्मक रहते हुए निडर होकर खेलना जरुरी है। इसी से वह गति और लय मिलती है जो जीत के लिए सबसे जरुरी है। साथ ही कहा कि खेल में निरंतरता की भी जरुरत रहती है ताकि लगातार प्रदर्शन किया जा सके। साथ ही कहा कि उनकी टीम का भी लक्ष्य जीत हासिल करने

का है जिससे लिए वह प्रयासरत हैं हालांकि उसे अभी तक अपने शुरुआती मैचों में सफलता नहीं मिली है। टीम अब अगले मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में अपना अपना खाता खोलना चाहेगी। उन्होंने कहा कि जब प्रशंसक साथ देते हैं तब भी टीम का हौंसला बढ़ता है। उन्होंने कहा कि आईपीएल में सही समय पर लय हासिल करना, सीनियर खिलाड़ियों का जूनियर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करना ही सबसे जरूरी होता है।

नरेन ने कहा, टी20 क्रिकेट में गति ही सब कुछ होती है। मैच जितनी तेजी से आपके हाथ में आता है उतनी ही तेजी से फिसल भी जाता है। इसलिए सकारात्क बने रहना जरुरी है। इसके साथ ही बिना डरे लगातार अच्छा खेलना होता है। नरेन ने आगे कहा कि लीग में आने वाले युवा खिलाड़ी अब आने वाले मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पहले से कहीं ज्यादा तैयार हैं। उन्होंने कहा, आजकल, खिलाड़ी बहुत सारा टी20 क्रिकेट खेलकर लीग में आ रहे हैं। इसलिए यह पहले के मुकाबले काफी आसान हो गया है। खिलाड़ी इसमें काफी उत्साहित रहते हैं और वे किसी भी चीज को कम नहीं आंकते। उन्हें पता है कि आईपीलए कितना कठिन है इसलिए वे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।

टीम में अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए नरेन ने कहा कि वह टीम की जरूरतों के अनुसार खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं, खासकर बल्लेबाजी में। उन्होंने कहा, मैं ऐसा खिलाड़ी हूं जो टीम की हर जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार रहता है। चाहे पारी की शुरुआत हो या पारी का अंत, मैं वही करता हूं जिसकी टीम को जरूरत होती है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष संख्या 07632-254028 E-mall. cenowaraseon@mpurban go

क्रमांक/956/स्वा.शा./न.पा.प./2026 बालाघाट,दिनांक 02-04-2026

सार्वजनिक निविदा

एतद् द्वारा नगर के सभी रहवासी से अपील की जाती है कि नगर को स्वच्छ बनाये रखने के लिए स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर को स्वच्छ रखने हेतु अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों, रहवासी क्षेत्रो तथा होटलों / दुकानों के आसपास साफ-सफाई रखें एवं गीला कचरा (हरे) डस्टबीन में तथा सूखा कचरा (नीले) डस्टबीन में डाले एवं स्वच्छता एप्प अपने मोबाईल के प्ले स्टोर में जाकर स्वच्छता मोहुआ ऐप डाउनलोड करें, यदि आपके आस-पास कही भी कचरा अथवा गंदगी नजर आने पर उसकी फोटो मोबाईल से खींच कर स्वच्छता ऐप्प में अपलोड कर स्थान एवं वार्ड का नाम लिखकर शिकायत दर्ज करा सकते है। शिकायत का त्वरित निराकरण निर्धारित समय सीमा में किया जावेगा। किसी व्यक्ति को सेप्टिक टैंक खाली करना हो, तो निकाय में शक्सन मशीन की व्यवस्था है, जिसे 07633/253028 दिये गये दूरभाष नम्बर पर बुलाया जा सकता है।

क्र.	निर्धारित / अर्थदण्ड की श्रेणी	निर्धारित शुल्क/अर्थदण्ड राशि
01	ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन अंतर्गत प्रभावी नियंत्रण हेतु खुले में कचरा फेकने एवं गंदगी फैलाने पर।	200/- अर्थदण्ड
02	निर्माण और विध्वंस की डंपिंग शहर की सीमाओं के भीतर आवासीय या वाणिज्यिक क्षेत्र, सार्वजनिक स्थाना या कॉलोनियों में सड़कों पर डमप किये जाने पर, जुर्माना / स्पॉटफाईन	300/- निर्धारित अर्थदण्ड और मलबा हटोन का वास्तविक खर्चा लिया जावेगा।
03	नगरीय सीमा में बिना अनुमति के एक से अधिक गौवंश भैस, बकरी, सुअर आदि पशु आवारा छोड़ने पर व गंदगी करने पर।	200/- अर्थदण्ड
04	विभिन्न होटल, रेस्टॉरेंट, धर्मशाला, गार्डन, हॉस्पिटल व अन्य खाद्य से संबंधित संस्थानों में जैविक अथवा किचन अपशिष्ठ सीधे उस स्थान की सीवरेज अथवा स्टोर्स वॉटर लाईन में डालने पर।	500/- अर्थदण्ड
05	ठोस अपशिष्ठ जैसे कचरा, टायर, पॉलीथीन एवं अन्य सामग्री जलाने से होने वाली पर्यावरणीय हानि / गंदगी किये जाने पर।	200/- अर्थदण्ड
06	शराब की दुकान, कलारी, आहता द्वारा गंदगी करने पर।	500/- अर्थदण्ड
07	बस स्टैण्ड इत्यादि व्यवसायिक जोन में फुटपाथ एवं ठेला, गाड़ी जलपान एवं अंडा विक्रेता इत्यादि द्वारा गंदगी करने पर।	200/- अर्थदण्ड
08	आवासीय इलाकों में गंदगी करने पर।	200/- अर्थदण्ड
09	विभिन्न वार्डो में सार्वजनिक सफाई उपरांत गंदगी करने पर।	200/- अर्थदण्ड
10	सब्जी विक्रेता द्वारा गंदगी करने पर ।	200/- अर्थदण्ड
11	व्यवसाईयों द्वारा दो डस्टबीन नहीं रखने एवं फास्टफुड ठेलों द्वारा डस्टबीन नहीं रखने पर।	500/- अर्थदण्ड
12	खुले में शौच/पेशाब किये जाने पर।	200/- अर्थदण्ड
13	100 माईकोन से कम वाले प्लास्टिक बैग / प्लास्टिक उत्पादों के उपयोग, बिकी एवं भण्डारण पर।	500/- अर्थदण्ड

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
वारासिवनी दिनांक 02-04-2026

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से पूछा–
क्या ट्रेनिंग में दिव्यांग जवानों को दे सकते हैं पूर्व सैनिक का दर्जा ?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार से पूछा कि क्या ट्रेनिंग में चोट या दिव्यांगता के कारण मेडिकल आधार पर बाहर किए गए कैडेट्स को पूर्व सैनिक का दर्जा दिया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो इन कैडेट्स को सरकारी और अर्ध-सरकारी नौकरियों में आरक्षण जैसे लाभ मिल सकेंगे, जो उनके पुनर्वास में अहम साबित होंगे। जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुइयां की युगलपीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि ऐसे अधिकतर कैडेट्स 20 से 30 साल की उम्र में होते हैं और उन्हें आगे रोजगार की जरूरत पड़ती है। पीठ ने कहा कि ऐसे कैडेट्स को भी पूर्व सैनिक या पूर्व सैन्यकर्मी की श्रेणी में शामिल करने पर विचार किया जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण से इस मुद्दे पर केंद्र से निर्देश लेकर जवाब देने को कहा। केंद्र की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस विषय पर व्यापक प्रतिक्रिया दी जाएगी। मामले पर कोर्ट ने स्वयं संज्ञान लिया था। इस फैसले से प्रशिक्षण के दौरान घायल या दिव्यांग हुए सैन्य कैडेट्स को बड़ा लाभ मिल सकता है। यदि उन्हें पूर्व सैनिक का दर्जा मिलता है, तो नौकरियों में आरक्षण का फायदा मिलेगा, जिससे उनके लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। रक्षा सेवाओं से जुड़े डेस्क जॉब या पुनर्वास के अवसर भी मिल सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को बड़ी राहत देते हुए अपने 2 अप्रैल के आदेश में संशोधन किया है। अदालत ने अब 713 अभ्यर्थियों की जगह केवल एक अभ्यर्थी को ही 5-6 अप्रैल को होने वाली सब-इंस्पेक्टर पुलिस/प्लाटून कमांडर भर्ती परीक्षा, 2025 में शामिल होने की अनुमति दी है। कोर्ट ने शुक्रवार को यह संशोधित आदेश पारित किया। आरपीएससी ने कोर्ट में आवेदन देकर कहा था कि पिछली सुनवाई के दौरान कुछ अहम तथ्य पीठ के सामने नहीं रखे गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने 2 अप्रैल को सुरज मल मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे और 712 अन्य अभ्यर्थियों को प्रोविजनल एडमिट कार्ड जारी करने का निर्देश दिया था। साथ ही कहा था कि इन अभ्यर्थियों का परीक्षा परिणाम तब तक घोषित नहीं किया जाएगा, जब तक राजस्थान हाईकोर्ट इस भर्ती परीक्षा से जुड़े दो लंबित मामलों पर फैसला नहीं सुना देता। अब केवल याचिकाकर्ता सुरज मल मीणा ही परीक्षा में बैठ सकेगा। कोर्ट ने साफ किया कि बाकी अभ्यर्थी, जो सुप्रीम कोर्ट के समक्ष पक्षकार नहीं हैं, वे हाईकोर्ट का रुख कर सकते हैं।

होर्मुज खुलवाने को लेकर अमेरिका हारा!
यह रास्ता ईरान के लिए सबसे बड़ा हथियार

नई दिल्ली। अमेरिका-ईरान जंग के बीच सबसे अहम और खतरनाक मोर्चा होर्मुज स्ट्रेट है। यह सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की ऊर्जा सप्लाई की लाइफलाइन है, लेकिन अब यही रास्ता ईरान के हाथ में सबसे बड़ा हथियार बन चुका है। अमेरिकी इंटेलिजेंस की हालिया रिपोर्ट ने इस संकट को और गहरा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान फिलहाल किसी भी हाल में होर्मुज स्ट्रेट खोलने के मूड में नहीं है। वजह साफ है, यह वही एक रास्ता है जिसके जरिए ईरान अमेरिका राष्ट्रपति ट्रंप पर सबसे ज्यादा दबाव बना सकता है।

बता दें दुनिया के करीब 20फीसदी तेल और गैस की सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती है। ऐसे में अगर यह लंबे समय तक बंद रहता है, तो इसका वैश्विक बाजार पर सीधा और गंभीर असर पड़ेगा। यही वजह है कि ईरान ने इस स्ट्रेट को एक रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तेहरान जानबूझकर इस रास्ते को बाधित कर रहा है, ताकि तेल की उच्च कीमतें बनी रहें और अमेरिका पर दबाव बढ़े।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि अमेरिका चाहे तो होर्मुज स्ट्रेट को आसानी से खुलवा सकता है। उन्होंने यहां तक कहा था कि थोड़ा और समय मिला, तो हम इसे खोल देंगे लेकिन जमीनी हकीकत इससे काफी अलग नजर आ रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यह काम जितना दिखता है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है। होर्मुज स्ट्रेट की भौगोलिक स्थिति ही इसे बेहद संवेदनशील बनाती है। यह समुद्री रास्ता अपने सबसे संकरे हिस्से में सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है, जबकि जहाजों के आने-जाने का रास्ता महज 3-3 किलोमीटर का है। ऐसे में यहां से गुजरने वाले जहाज बेहद आसान निशाना बन जाते हैं।

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने इसी कमजोरी को ताकत में बदल दिया है1 ड्रोन, मिसाइल और समुद्री माइन के जरिए उन्होंने इस इलाके को इतना खतरनाक बना दिया है कि अब कई कमर्शियल जहाज यहां से गुजरने से बच रहे हैं। कुछ मामलों में जहाजों पर हमले भी हुए हैं और उनसे टोल टैक्स वसूला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगर अमेरिका सैन्य ताकत के जरिए इस रास्ते को खोलने की कोशिश करता है, तो यह जंग और लंबी और खतरनाक हो सकती है।

पूर्व सीआईए डायरेक्टर ने चेतावनी दी है कि ईरान इस ताकत को इतनी आसानी से छोड़ने वाला नहीं है उनके मुताबिक तेहरान इस स्ट्रेट के जरिए भविष्य में किसी भी शांति समझौते में अपने लिए सुरक्षा गारंटी और आर्थिक फायदे हासिल करने की कोशिश करेगा यानी होर्मुज स्ट्रेट अब सिर्फ एक समुद्री रास्ता नहीं रहा, बल्कि यह वैश्विक राजनीति का सबसे बड़ा चोक पॉइंट बन चुका है। अमेरिका के लिए इसे खोलना अब सिर्फ सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक और रणनीतिक परीक्षा बन गया है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके गठबंधन जीत सकता है 181 से 189 सीटें - सर्वे

नई दिल्ली। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्री-पोल सर्वे में सत्ताधारी डीएमके गठबंधन तमिलनाडु विधानसभा चुनाव जीतता दिख रहा है। लोक पोल एजेंसी द्वारा किए गए एक सर्वे में अनुमान लगाया गया है कि मुख्यमंत्री एम।के। स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन 234 सीटों में से 181-189 सीटें हासिल करेगा, जिसमें उसका वोट शेयर 40 प्रतिशत होगा।

1 मार्च से 1 अप्रैल के बीच किए गए इस सर्वे के अनुसार, विपक्षी एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन के 38 से 42 सीटें जीतने का अनुमान है, जिसमें उसका वोट शेयर 29त्न रहेगा। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), जो पहली बार चुनावी मैदान में उतर रही है, 23.9त्न वोट शेयर के साथ 8-10 सीटें हासिल कर सकती है। एनटीके और अन्य पार्टियों का कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है। उनके वोट शेयर 4.9त्न और 2.1त्न रहने का अनुमान है।

बंगाल चुनाव का ताजा सर्वे उड़ा सकता हैं ममता दीदी की नींद..भगवा पार्टी की सीटें बढ़ने की उम्मीद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले आए ताजा ओपिनियन पोल में मिली-जुली तस्वीर सामने आई है। सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) फिर सत्ता में वापसी करती दिख रही है, लेकिन उसकी सीटों में गिरावट के संकेत हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पहले के मुकाबले ज्यादा मजबूत हो रही है। ताजा सर्वे के मुताबिक, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी को 294 सदस्यीय विधानसभा में 174 से 184 सीटें मिल सकती हैं। जबकि बहुमत का आंकड़ा 148 है, ऐसा होने पर टीएमसी पार्टी आसानी से सरकार बना सकती है। वहीं दूसरी ओर बीजेपी को 108 से 118 सीटें मिलने का अनुमान है, जो पहले के सर्वे से कही अधिक ज्यादा है। वहीं कांग्रेस और वाम दलों की स्थिति में गिरावट हो रही उन्हें सिर्फ 0 से 4 सीटें मिलने की संभावना है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें जीती थीं, जबकि बीजेपी को 77 सीटें मिली थीं। नए सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि टीएमसी की सीटें घट सकती हैं, लेकिन वह सत्ता में बनी रह सकती है, जबकि बीजेपी का ग्राफ ऊपर जाता दिख रहा है। मिदनापुर में मुकाबला कड़ा रहने की संभावना है, जहां बीजेपी को बढ़त मिलती दिख रही है. वहीं प्रेसिडेंसी और मालदा जैसे इलाकों में टीएमसी की पकड़ मजबूत बनी हुई है। मुख्यमंत्री पद के लिए ममता बनर्जी अभी भी सबसे पसंदीदा नेता हैं। सर्वे के अनुसार, 46.4 प्रतिशत लोग उन्हें फिर से मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। वहीं बीजेपी के के शुवेंदु अधिकारी को 34.9 प्रतिशत समर्थन मिला है।

कांग्रेस ने घुसपैठियों के प्रति चिंता जताई, लेकिन असम के लोगों की चिंता नहीं की – नितिन नवीन

श्रीभूमि। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को असम के श्रीभूमि में आयोजित जनसभा में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की जीत का दावा किया और विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्?होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में यह देखा गया कि न यहां की रोटी के प्रति कोई सुरक्षा थी, लोग रोटी के लिए दर-दर भटकते थे, परेशान रहते थे और रोजगार के लिए भागते फिरते थे। न यहां की बेटी सुरक्षित थी और न ही यहां की माटी सुरक्षित थी जबकि तुष्टिकरण की राजनीति सिर चढ़कर बोल रही थी। वह दौर भी देखा गया जब यहां घुसपैठियों के प्रति चिंता जताई गई, लेकिन असम के लोगों की चिंता नहीं की गई और इसी कारण असम की जनता ने उन्हें इसका दंड भी दिया। नितिन नवीन ने कहा कि दस वर्षों में एनडीए सरकार ने असम में विकास और विरासत दोनों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। कभी असम और बराक वैली इलाके को वोट बैंक की राजनीति के कारण अपराध का गढ़ बना दिया गया था। वर्ष 2010 से 2012 के बीच जब मैं बराक वैली इलाके में आया था और उस समय पार्टी में युवा मोर्चा का कार्य कर रहा था, तब यहां अशांति का वातावरण था। लोग सड़कों की समस्या से परेशान रहते थे और गुवाहाटी से बराक वैली तक आने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और बराक वैली तक पहुंचने में किसी को कोई कठिनाई नहीं होती क्योंकि वहां सुगम सड़कों का निर्माण हुआ है। जनता के आशीर्वाद से ही एनडीए सरकार बनी और उसी सरकार ने आज सड़कों का जाल बिछाने का कार्य किया है। इसका श्रेय जनता को जाता है क्?यों कि यहां की जनता ने एनडीए की सरकार बनाई और सरकार ने सड़कों

का जाल बिछाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ इस बात का साफ संकेत है कि आने वाले समय में असम में भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है और जनता का पूरा आशीर्वाद पार्टी को मिलने वाला है।

वहीं, लखीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि एक समय ऐसा था जब गुवाहाटी में बैठकर अपने महल बनाने की चिंता की जाती थी और दिल्ली में बैठी सरकार अपने आशियाने तक सीमित रहती थी। हालांकि अब दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ऐसी सरकार है जो गरीबों के लिए घर बनाने की चिंता करती है। इसी का परिणाम है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से केवल असम में ही 22 लाख गरीबों के घर बनाए गए हैं।

ममता बनर्जी ने उर्दू में अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया तो गरजे गिरिराज सिंह

पटना। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उर्दू में अपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया है। सीएम ममता के इस कदम को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। राजधानी पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान गिरिराज सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी ने केवल उर्दू में घोषणापत्र जारी नहीं किया है, बल्कि उनके अनुसार इसके पीछे एक छिपा हुआ एजेंडा भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह एजेंडा शरिया कानून से जुड़ा हुआ है और पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश जैसा बनाने की एक सोची-समझी योजना के तहत काम किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि अब राज्य के लोगों, विशेषकर हिंदू समुदाय, ने इस कथित वास्तविक चेहरे को पहचान लिया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस बार का चुनाव पश्चिम बंगाल के लिए जीओ या मरो की स्थिति जैसा बन गया है। उनका दावा है कि राज्य की जनता इस बार निर्णायक भूमिका निभाएगी और ऐसी नीतियों के खिलाफ मतदान करेगी।

इससे पहले, गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को भी सीएम ममता बनर्जी की कड़ी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि अपने 15 साल के कार्यकाल में ममता बनर्जी ने सिर्फ तुष्टीकरण की राजनीति की है और जनता के सामने किसी भी गंभीर मुद्दे पर चर्चा नहीं की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि सीएम ममता बनर्जी गरीबी, बेरोजगारी, हिंसा और दुष्कर्म से जुड़े मामलों पर न तो बात करती हैं और न ही कभी भी जवाब देती हैं।

रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में कोर्ट में सुनवाई पूरी, अब फैसले का इंतजार

नई दिल्ली। रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शनिवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई है और अब कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। यह मामला गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड डील से जुड़ा हुआ है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाड्रा और अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। कोर्ट अब इस बात पर फैसला करेगा कि इस चार्जशीट पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। इसके लिए 15 अप्रैल की तारीख तय की गई है।

दरअसल, यह पूरा मामला साल 2008 का है, जब गुरुग्राम के शिकोहपुर इलाके में करीब 3.53 एकड़ जमीन का सौदा हुआ था। ईडी का आरोप है कि इस जमीन खरीद-फरोख्त में मनी लॉन्ड्रिंग और गड़बड़ियां हुईं। जांच एजेंसी के मुताबिक, रॉबर्ट वाड्रा की कंपनी स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने फरवरी 2008 में यह जमीन ओंकारेश्वर प्रॉपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड से करीब 7.5 करोड़ रुपये में खरीदी थी।

ईडी का कहना है कि इस सौदे में कई तरह की अनियमितताएं हुईं। एजेंसी के अनुसार, कंपनी के पास उस समय इतनी पूंजी नहीं थी, फिर भी जमीन खरीदी गई। इतना ही नहीं, आरोप है कि इस डील में असली भुगतान नहीं किया गया और सेल डीड में गलत जानकारी दी गई। यहां तक कि एक ऐसे चेक का जिक्र भी किया गया जो कभी जारी ही नहीं हुआ या कैश नहीं हुआ।

जांच एजेंसी का यह भी दावा है कि जमीन की कीमत को जानबूझकर कम दिखाया गया, जिससे स्टाम्प ड्यूटी की चोरी की जा सके। ईडी ने इसे भारतीय दंड संहिता की धारा 423 के तहत अपराध बताया है। अपनी शिकायत में ईडी ने कहा है कि इस पूरे मामले में करीब 58 करोड़ रुपये की अपराध से हुई कमाई (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) सामने आई है।

इसी के तहत ईडी ने लगभग 38.69 करोड़ रुपये की 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच भी किया है। एजेंसी का कहना है कि ये प्रॉपर्टीज या तो सीधे तौर पर इस कथित गड़बड़ी से जुड़ी हैं या फिर इसके जरिए हासिल की गई हैं। इन संपत्तियों का मालिकाना हक रॉबर्ट वाड्रा, उनकी कंपनियों जैसे आर्टेक्स, स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी और अन्य संबंधित फर्मों के पास बताया जा रहा है। हरियाणा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने 2012 में इस लैंड डील में गड़बड़ियों का हवाला देते हुए इसे रद्द कर दिया था। हालांकि बाद में एक सरकारी पैनल ने वाड्रा और डीएलएफ को क्लीन चिट दे दी थी लेकिन हरियाणा में भाजपा सरकार आने के बाद इस मामले में फिर से जांच शुरू हुई और पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

सिलवासा में नाइट्रोजन गैस गोदाम में भीषण विस्फोट, तीन मजदूरों की दर्दनाक मौत

अहमदाबाद। दादरा नगर हवेली के सिलवासा में आज एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। शहर के डैम के पास स्थित एक नाइट्रोजन गैस गोदाम में अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि उसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी और आसपास का इलाका कांप उठा। इस हादसे में गोदाम में काम कर रहे तीन मजदूरों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट के बाद पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। गेस सिलेंडरों के टुकड़े दूर-दूर तक जाकर गिरे, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई।

घटना की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिस गोदाम में विस्फोट हुआ, वह एक निजी स्कूल से मात्र 30 मीटर की दूरी पर स्थित था। हालांकि, सौभाग्य से विस्फोट की दिशा और तीव्रता स्कूल की ओर नहीं गई, जिससे एक बड़ी जनहानि टल गई। अगर स्थिति थोड़ी भी अलग होती, तो कई मासूम बच्चों की जान खतरे में पड़ सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल इलाके को सुरक्षित कर लिया गया है और जांच एजेंसियां पूरे मामले की तहकीकात में जुट गई हैं। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि नाइट्रोजन गैस के रिफिलिंग या स्टोरेज में किसी तकनीकी खामी के कारण यह विस्फोट हुआ हो सकता है। प्रशासन अब यह भी जांच कर रहा है कि गोदाम के पास आवश्यक अनुमति थी या नहीं, और आखिर रिहायशी इलाके व स्कूल के इतने पास यह गोदाम कैसे संचालित हो रहा था। इस हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

जंग का श्रमिकों पर बुरा असर : उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार के मजदूर अपने राज्यों को लौटने पर विवश

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में ईरान और इजरायल-अमेरिका सैन्य संघर्ष के बढ़ते तनाव का असर अब भारत के उद्योगों और खासकर उनमें काम करने वाले लाखों मजदूरों पर पड़ रहा है। बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के अन्य राज्यों में कार्यरत लाखों श्रमिक ईंधन और गैस की किल्लत, कच्चे माल की अनुपलब्धता, महंगाई और उत्पादन संकट के चलते अपने-अपने घरों को लौटने पर मजबूर हैं।

यूं तो जंग का असर दुनियाभर में देखने को मिल रहा है, लेकिन भारत में इस जंग का सबसे ज्यादा बुरा असर श्रमिकों पर पड़ता नजर आया हे। काम-काज की तलाश में पहले अपना घर-द्वार छोड़ा अब दुनियां में जंग के हालात में पुन: अपने राज्य लोटने को मजबूर हैं। ऐसे श्रमिकों की स्थिति काफी दयनीय होती चली जा रही है। एक आंकड़े के अनुसार राजस्थान से लगभग 20 फीसद मजदूर अपने घर को लौट चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, बिहार जैसे राज्यों वाले मजदूर अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। फैक्टरियों में शिफ्टें कम होने या बंद होने के कारण गुजरात और दिल्ली से मजदूर अपने गांव लौट रहे हैं, इनमें मध्य प्रदेश से आए प्रवासी मजदूर भी हैं जो अब घर लौटने लगे हैं। सूरत के टैक्सटाइल उद्योग में अनुमानित पांच लाख से अधिक मजदूरों के लौटने की खबर है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि उत्पादन और आपूर्ति पर किस गदर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

प्रवासी मजदूरों का यह पलायन न सिर्फ उद्योगों के लिए चुनौतीपूर्ण है, बल्कि उनके परिवार और सामाजिक जीवन पर भी असर डाल रहा है। बिहार सरकार ने इस स्थिति को देखते हुए प्रवासी मजदूरों का सर्वे शुरू किया है, ताकि उनकी सुरक्षित वापसी और सहायता सुनिश्चित की जा सके। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक तनाव जैसे मध्य-पूर्व संकट का प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार पर सीधे दिख रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि वैश्विक संघर्ष केवल दूर-दूर के देशों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि भारत जैसे बड़े औद्योगिक और मजदूर-प्रधान राज्यों की जीवनयापन और रोजगार स्थिरता को भी चुनौती देते हैं।

औद्योगिक नुकसान सबसे अधिक छोटे और गैस आधारित उद्योगों को झेलना पड़ रहा है।

यूपी के किसान को मिला 14.66 करोड़ का आयकर का नोटिस !

बदायूं। यूपी के बदायूं जिले में 12 बीघे जमीन का मालिक एक किसान उस समय हैरान रह गया, जब उसे आयकर और जीएसटी (माल एवं सेवाकर) विभाग से कुल 14.66 करोड़ रुपये से अधिक का कर नोटिस मिला। बदायूं के जिलाधिकारी अवनीश राय ने शनिवार को बताया किसान द्वारा औपचारिक आवेदन दिए जाने के बाद मामले की जांच के लिए अपर जिलाधिकारी (वित्त) और उपायुक्त (जीएसटी) सहित दो सदस्यीय टीम का गठन किया गया। वहीं, वजीरगंज थाना क्षेत्र के खुर्रमपुर भमौरी निवासी किसान भोला सिंह ने बताया कि विभागीय अधिकारियों से इस मामले की पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि दिल्ली के नारायणा औद्योगिक क्षेत्र (चरण-1) में उनके नाम से ''राम स्टोर'' नामक एक फर्म संचालित की जा रही है, जिस पर 1.02 करोड़ रुपये का आयकर बकाया है। उन्होंने बताया कि इस बीच जीएसटी कार्यालय ने सिंह को 13.63 करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवा कर देनदारी का हवाला देते हुए एक नोटिस भी जारी किया है। उन्होंने बताया कि 29 मार्च को उन्हें बदायूं स्थित आयकर विभाग से एक नोटिस मिला, जिसमें उन्हें 1.02 करोड़ रुपये जमा करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने दावा किया कि वे कभी दिल्ली नहीं गए और न ही उन्होंने कभी कोई फर्म या व्यावसायिक उद्यम स्थापित किया था। सिंह ने बताया कि इसके बाद उन्होंने बदायूं के जिलाधिकारी के समक्ष औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को जांच करने और समस्या का समाधान करने के निर्देश जारी किए। अपनी प्रारंभिक जांच के दौरान जीएसटी अधिकारियों ने पाया कि जिस फर्म के खिलाफ ये कर बकाया हैं उसने किसान के आधार और पैन नंबरों का इस्तेमाल किया था।

पेमेंट भुगतान के कारण भारत आ रहा जहाज चीन मुड़ा, मंत्रालय ने किया खंडन
-सरकार ने कहा- ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान की कोई समस्या नहीं

नई दिल्ली। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ समाचार रिपोर्टों में चल रही उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया जा रहा था कि पेमेंट के कारण भारत को होने वाली कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति में बाधा आ रही है। मंत्रालय ने इन दावों को पूरी तरह से गलत बताया है।

मंत्रालय ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण ईरान से वाडिनार आने वाला कच्चे तेल का टैंकर चीन की ओर मोड़ दिया गया है। सरकार ने साफ किया कि ईरानी कच्चे तेल के आयात के लिए भुगतान को लेकर कोई समस्या नहीं है। बता दें भारत 40 से ज्यादा देशों से कच्चा तेल आयात करता है। भारतीय रिफाइनिंग कंपनियों के पास व्यापार के आधार पर अलग-अलग देश से तेल खरीदने की पूरी स्वतंत्रता है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी कच्चे तेल की जरूरतों को सुरक्षित कर लिया है और आने वाले महीनों के लिए भारत की तेल आवश्यकताएं पूरी तरह सुनिश्चित हैं।

मंत्रालय ने बताया कि तेल व्यापार में जहाजों का मार्ग बदलना एक सामान्य प्रक्रिया है। समुद्र में जा रहे कार्गो अक्सर व्यापार अनुकूलन और परिचालन लचीलेपन के आधार पर बीच यात्रा में अपना रास्ता बदल लेते हैं। बिल ऑफ लेडिंग में अक्सर सांकेतिक बंदरगाह लिखे होते हैं, जिन्हें बाजार की स्थितियों के मुताबिक बदला जा सकता है। इसे आपूर्ति संकट के रूप में देखना गलत है। बता दें कर और पोत निगरानी कंपनी कप्लर ने दावा किया था। पोत में करीब छह लाख बैरल तेल है जिसे चार मार्च को खर्ग द्वीप से लादा गया था। वाडीनार पहुंचने का अनुमानित समय चार अप्रैल है। कप्लर के मुताबिक पिंग शुन नाम का अफ्रामैक्स टैंकर अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आता है। टैंकर का रडार अपना रास्ता गुजरात के वाडीनार बंदरगाह की बजाय चीन के दोंगयिंग को बता रहा। कप्लर ने बताया कि टैंकर के ऑटोमैटिक आइडेंटिफिकेशन सिस्टम में दर्ज रास्ता अंतिम हो यह जरूरी नहीं है। यात्रा के दौरान इसमें बदलाव संभव है।

बता दें 2018 में अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद मई 2019 से भारत ने ईरान से तेल का आयात बंद कर दिया। भारत ने इसकी जगह पश्चिम एशिया, अमेरिका तथा अन्य स्त्रोतों से तेल खरीदने लगा। उस समय भारत के कुल आयात में ईरानी तेल की हिस्सेदारी करीब 11.5 फीसदी तक पहुंच गई थी। भारत 2018 में रोज करीब 5.18 लाख बैरल ईरानी तेल खरीदा था। 2019 में घटकर रोज 2.68 लाख बैरल रह गया।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

बंजर नदी में डूबने से 15 वर्षीय बालक की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर थाना क्षेत्र अंतर्गत बंजर नदी में डूबने से एक 15 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बालक रंजीत मरावी पिता चरण सिंह मरावी ग्राम टाटीघाट बैहर निवासी है।बैहर पुलिस ने इस बालक का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को छोड़ दिया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना 3 अप्रैल को दोपहर करीब 3:30 बजे की है। रंजीत अपने दोस्तों सन्नी मर्सकोले, कुलदीप मर्सकोले और युवराज उइकेके साथ गांव से कुछ दूरी पर स्थित बंजर नदी में नहाने गया था। उसी दौरान रंजीत के पिता चरण सिंह मरावी भी गांव के अन्य लोगों दिनेंद्र उइके, मिलाप सिंह उइके और लाभ सिंह मरावी के साथ नदी के ऊपरी हिस्से में नहा रहे थे। रंजीत नदी के निचले हिस्से में अपने दोस्तों के साथ नहा रहा था। कुछ देर बाद उसके दोस्तों ने घबराकर परिजनों को बताया कि रंजीत नदी में डूब गया है। सूचना मिलते ही पिता और अन्य लोगों ने मौके पर पहुंचकर रंजीत को बाहर निकाले। उस समय वह बेहोश था। हालांकि उसकी सांसें चल रही थीं। पेट दबाने पर उसके मुंह से पानी भी निकला।परिजन उसे तत्काल घर की ओर लेकर जा रहे थे।लेकिन रास्ते में ही रंजीत की मृत्यु हो गई। इसके बाद डायल 100 की मदद से रंजीत को बैहर अस्पताल लाया गया।जहां शव को फ्रीजर में सुरक्षित रखा गया।

मृतक बालक के पिता चरण सिंह मरावी जो कि पेशे से किसान हैं जिसने थाने में घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई की उनके परिवार में पत्नी सहित चार बच्चे तीन बेटे और एक बेटी है जिनमें रंजीत सबसे छोटा था। जिसकी बंजर नदी में नहाने से मौत हो गई।4 अप्रैल को प्रधान आरक्षक ज्ञानचंद परते द्वारा पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमार्टम कराया गया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अनदेखी के चलते बर्बाद हो रहा मोती गार्डन का ओपन जिम

जिम के ज्यादातर उपकरण हुए खराब, मेंटेनेंस पर नहीं दिया जा रहा ध्यान, मरम्मत और रखरखाव की दरकार,बच्चों में भी मायूसी, नपा अधिकारी बोले जल्द शुरू करांगे सुधार कार्य

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर नपा द्वारा मोती तालाब गार्डन को सवारकर,उसे मोती की माफिक चमकाने और खेल व मनोरंजन की व्यवस्था में पहले से अधिक विस्तार कर, इस गार्डन को सुसज्जित किए जाने की बात कही जा रही है।तो वही दूसरी ओर नपा द्वारा यहां पूर्व में बनाई व्यवस्था पर ध्यान नही है।शायद यही वजह है कि लोगो के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए मोती गार्डन में की गई ओपन जिम की व्यवस्था अब खस्ताहाल हो गई है।जिसके ज्यादातर उपकरण खराब होने के चलते यहां आने लोगो को ओपन जिम का लाभ नही मिल पा रहा है।और लोगो में भारी मायूसी देखी जा रही है।नियमित देखरेख और रख रखाव के अभाव में जिम के अधिकांश उपकरण खराब हो चुके हैं, कई मशीनों में टूट-फूट हो चुकी हैं, कुछ पूरी तरह से काम करना बंद कर चुकी हैं, जबकि कुछ उपकरणों के पार्ट्स गायब हैं। ऐसी स्थिति में यहां व्यायाम करने आने वाले लोग निराश होकर लौटने को मजबूर हैं।सबसे अधिक परेशानियों का सामना यहां आने वाले युवाओं, बुजुर्गों और बच्चों को करना पड़ रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि ओपन जिम की स्थापना स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन अब यह अपनी उपयोगिता खोता जा रहा है।जिसपर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है। जिन्होंने रखरखाव और मरम्मत की व्यवस्था बनाकर पूर्व की भांति लोगों को इस ओपन जिम का लाभ दिए जाने की मांग की है।तो उधर मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया द्वारा जल्द से जल्द अव्यवस्थाओ में सुधार कर पूर्व की भांति लोगो को ओपन जिम का लाभ दिए जाने का आश्वासन दिया है।अब देखना यह दिलचस्प रहेगा कि कब तक नपा के जिम्मेदार यहां ओपन जिम की मरम्मत कराकर व्यवस्था को बहाल करते है या फिर यह व्यवस्था सिर्फ आश्वासन तक ही सीमित रह जाती है।

बच्चों और युवाओं में बढ़ी मायूसी

मोती गार्डन में शाम के समय बड़ी संख्या में बच्चे और युवा पहुंचते हैं, लेकिन उपकरण खराब होने के कारण वे जिम का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इससे उनमें मायूसी देखने को मिल रही है। स्थानीय नागरिकों ने भी कई बार इस समस्या को लेकर नाराजगी जताई है। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है।

रखरखाव की नहीं है कोई व्यवस्था

बताया गया कि मोती तालाब गार्डन में ओपन जिम के रखरखाव के लिए कोई स्थायी व्यवस्था नहीं की गई है। समय-समय पर निरीक्षण और मरम्मत नहीं होने के कारण उपकरण धीरे-धीरे खराब होते गए और अब अधिकांश उपयोग के लायक नहीं बचे हैं।

जल्द मेंटनेस कराकर, बहाल की जाएगी सुविधा- कतरोलिया

इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया कि उन्हें ओपन जिम की खराब स्थिति की जानकारी आपसे मिली है।जल्द ही कर्मचारियों को भेजकर, वस्तुस्थिति का पता लगाया जाएगा। हो सकता है कुछ उपकरण की बेल्डिंग उखड़ गए हो,या कुछ सामान टूट-फूट गया हो,जल्द आवश्यक मरम्मत कार्य शुरू कराया जाएगा और उपकरणों को दुरुस्त कर नागरिकों के उपयोग के लिए पुनः उपलब्ध कराया जाएगा।

रेत की ढेर पर सो रहे व्यक्ति ने मां बेटी को हाथ भूसे और ईंट पत्थर से मारकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मोहगांव में माँ बेटी को रेत की ढेर पर सो रहे एक व्यक्ति को उठाना उस समय महंगा पड़ गया। जब इस व्यक्ति ने मां बेटी को हाथभूसे और ईंट से मारकर घायल कर दिया। 4 अप्रैल सुबह 10:30 बजे हुई इस वारदात में अत्यधिक चोट लगने से घायल महिला धानेश्वरी पति विनोद कुशरे 28 वर्ष निवासी को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। इस घटना में इस महिला की दीपा बाई पति हेमराज मेहरबान 50 वर्ष को मामूली चोटे आई है।इस मामले में मलाजखंड पुलिस ने शंकर पिता नारायण गोयल 31 वर्ष के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहगांव निवासी दीपा बाई मेहरबान द्वारा मकान का निर्माण करवाया जा रहा है। घर के सामने रोड किनारे रेत की ढेर रखी हुई थी। 4 अप्रैल को सुबह 10:30 बजे दीपा बाई के मकान में काम चालू था। उस समय शंकर गोयल रेत की ढेर पर सोया हुआ था। दीपा बाई ने शंकर गोयल को वहां से उठ कर चले जाने के लिए बोली। दीपा बाई के यह कहते ही वह उसे आप शब्दों का प्रयोग करने लगा उसी समय दीपा बाई की लड़की धानेश्वरी कुशरे भी वहां आ गई और शंकर गोयल को रेत के ढेर से उठने के लिए बोली तभी शंकर गोयल धानेश्वरी को भी अप शब्दों का प्रयोग करते हुये उसे हाथ भूसे से मारपीट करते हुए रेत के ढेर पास प? ईंट को उठाकर धानेश्वरी को मारा जो उसके सीने में लगा।इस दौरान शंकर गोयल ने दीपा बाई मेहरबान को भी मारपीट कर दिए। हल्ला होने पर मकान निर्माण में काम करने वाले मिस्त्री सहित अन्य लोग दौड़े और बीच बचाव किया जिसके बाद शंकर गोयल ने दीपा बाई और उसके परिवार को जान से खत्म करने की धमकी दे दी ।इस

घटना में धानेश्वरी सीने में चोट लगने से घायल हो गई थी। सूचना मिलते ही डायल 112 मोके पर पहुंची।। जिससे घायल धानेश्वरी को बिरसा के अस्पताल में ले जाकर भर्ती किये। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है। दीपा बाई को इस घटना में मामूली चोटे आई ।जिसका इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। जिसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर मलाजखंड पुलिस ने शंकर गोयल के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। इस घटना के दौरान घनश्याम तिल्लासी नामक व्यक्ति ने शंकर गोयल को भी मारपीट कर घायल कर दिया और उस जान से मार डालने की धमकी दे दी। इस मामले में मलाजखंड पुलिस ने घनश्याम तिल्लासी के विरुद्ध भी मामला कायम कर जांच शुरू की है।

शराबी व्यक्ति ने अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उसे लाठी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम दिनेरा में एक शराबी व्यक्ति ने अपने पत्नी के चरित्र पर शक करते हुए उसे, लाठी से बेरहमीपूर्वक मारपीट कर घायल कर दिया। यह घटना 4 अप्रैल के 11:00 बजे करीब हुई। घायल महिला प्रेमलता पति राजेश पंचेश्वर 40 वर्ष को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2004 में प्रेमलता की शादी राजेश पंचेश्वर के साथ में हुई है जिनके चार बच्चे है। जिनमें तीन लड़की और एक लड़का है। शादी के 5 साल तक राजेश ने अपनी पत्नी को ठीक से रखा उसके बाद वह शराब पीने का आदी हो गया और शराब के नशे में अपनी पत्नी प्रेमलता को आए दिन उसके चरित्र पर शक करते हुए और किसी से किसी बातचीत करने पर मारपीट करते रहता था। 4 अप्रैल को प्रेमलता अपने घर में थी तभी 11:00 बजे राजेश पंचेश्वर शराब के नशे में घर आया और वह पत्नी प्रेमलता को अनावश्यक रूप से उसके चरित्र पर शक करते हुए अश्लील गालियां देने लगा। हाथ भूसे से मारपीट करने के बाद, राजेश ने पत्नी प्रेमलता को लोहे की फुकनी से उसके सिर में मारा और नुकीला नोक वाला सरोता लेकर मारने दौड़ा तभी प्रेमलता अपनी जान बचाकर वहां से भागी और बाड़ी तरफ निकली। राजेश ने दौड़कर उसे लाठी से बेरहमीपूर्वक मारपीट कर रहा था तभी उसके पड़ोस में रहने वाले उसके जेठ, जेठानी सहित परिवार केअन्य लोग

दौड़े और बीच बचाव किये। मारपीट में प्रेमलता बेहोश हो गई थी। खबर मिलते ही प्रेमलता के मायके के लोग पहुंचे और उसे प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जिला अस्पताल पुलिस ने प्रेमलता का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना रामपायली भिजवा दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट